@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 12 अक्टूबर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 333 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बिहार में सीट बंटवारे पर सस्पेंस बरकरार, मांझी और सहनी ने बढ़ाई NDA-महागठबंधन की टेंशन

एजेंसी
नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे को लेकर एनडीए और इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) में शनिवार को दिनभर बातचीत के दौर चलता रहा, हालांकि सीट बंटवारे को लेकर सस्पेंस बना रहा. एनडीए में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी तो महागठबंधन में वीआईपी पार्टी के नेता मुकेश सहनी की मांग और नाराजगी कभी खुलकर और कभी सोशल मीडिया में सामने आ रही है. इससे एनडीए और महागठबंधन में टेंशन बरकरार है.

एनडीए के घटक दल के नेताओं के साथ दिल्ली में बीजेपी के आला नेताओं ने बैठक की और उनकी मांगों को पूरा करने की कोशिश की. वहीं, रविवार को राजद नेता तेजस्वी यादव दिल्ली में कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर सकते हैं. इस दौरान सीटों के बंटवारे पर चर्चा होने की संभावना है.

सीट बंटवारे को लेकर बिहार की सियासत अब पूरी तरह से दिल्ली शिफ्ट हो गई है. दिल्ली में शनिवार को एलजेपी (ऋङ्क) के नेता चिराग पासवान ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक की और पार्टी ने चिराग पासवान को फैसला लेने के लिए अधिकृत किया.

8 घंटे तक चली बीजेपी कोर कमेटी की बैठक

वहीं, गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने शनिवार को पार्टी नेताओं और सहयोगी दलों के नेताओं के साथ एक बैठक की. उम्मीदवारों को लेकर बीजेपी कोर कमेटी की बैठक करीब आठ घंटे तक चली.

सूत्रों ने कहा कि जनता दल (यूनाइटेड) और लोजपा (रामविलास) के साथ सीट बंटवारे का फॉर्मूला लगभग तय हो गया है, जबकि अन्य दो सहयोगियों ङ्क हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (सेक्युलर) सुप्रीमो और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के साथ चर्चा हुई.

सूत्रों का कहना है बैठक के बाद मांझी सीट को लेकर असंतुष्ट बताये जा रहे हैं. सीट बंटवारे के मुद्दे पर बिहार के सभी प्रमुख नेता बिहार के प्रभारी विनोद तावड़े के आवास पर भी बैठक की. वहीं, जेपी नड्डा के आवास पर जेपी नड्डा, बीएल संतोष और अमित शाह के बीच बैठक हुई है.

BJP की CEC की मीटिंग, फैसले पर लगेगी मुहर

रविवार को शाम 6 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बीजेपी केंद्रीय चुनाव समिति (CEC) की बैठक होगी. इस बैठक में अंतिम फैसला लिया जाएगा. इससे पहले सीटों पर स्क्रूटनी कर दो नामों को छांटने की प्रक्रिया जारी है. पीएम मोदी की बैठक में उम्मीदवारों के नाम पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी.

सीट बंटवारे को लेकर बीजेपी नेता आशान्वित हैं और बीजेपी नेताओं ने आशा जताई कि कल तक सीटों के बंटवारे को लेकर अंतिम फैसला हो जाएगा.

बिहार के मुजफ्फरपुर में दो वाहनों की भिड़ंत में चार लोगों की मौत

एजेंसी
पटना। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर थानाक्षेत्र के खेमाईपट्टी गांव में ट्रैक्टर और पिकअप की भिड़ंत में चार की मौत हो गई है, जबकि दो लोगों गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक देर शाम मुजफ्फरपुर के मीनापुर में समस्तीपुर जिले के सीयूरी स्थान से मेला देखकर 20 से 25 की संख्या में लोग पिकअप वाहन से घर लौट रहे थे। लौटने के क्रम में मीनापुर के खेमाईपट्टी और दरही पट्टी के बीच पिकअप-ट्रैक्टर की सीधी टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में अभी तक चार लोगों की मौत हो चुकी है।मृतकों के आश्रितों ने बताया कि सभी मृतक पिकअप के डाला में बैठकर समस्तीपुर के सीयूरी मेला देखने गए थे। अधिकांश लोग मीनापुर थाना क्षेत्र के ही अलग-अलग गांव के थे। मेला देखकर लौटने के क्रम में पिकअप और ट्रैक्टर की टक्कर हुई है। मृतकों में मीनापुर के पूरनिया निवासी तीन लोग हैं, जबकि चौथा दूसरे गांव का है।स्थानीय थाना के 112 पर तैनात एएसआई जितेंद्र कुमार ने बताया कि गस्ती के क्रम में उन लोगों ने देखा कि एक पीकअप और ट्रैक्टर में टक्कर हो चुकी है। कुछ को लोकल गाड़ी से और शेष को पुलिस गाड़ी से एसकेएमसीएच लाया गया। घटना में तीन वयस्क और एक बच्ची की मौत हो गई है, जबकि दो महिलाएं गंभीड़ रूप से घायल हैं।

तेलंगाना में तीन बड़े कैडर के नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद। तेलंगाना में नक्सलियों के डीकेएसजेडसी कैडर सहित राज्य समिति के तीन सदस्यों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। तेलंगाना के डीजीपी शिवधर रेड्डी के समक्ष आत्मसमर्पण करने वालों में नक्सली संगठन की राज्य समिति के तीन बड़े सदस्य- कुंकती वैंकट्या, उर्फ रमेश, उर्फ विकास, मोमिलिडला वेंकटराज उर्फ राजू उर्फ चंदू, और तोडेम गंगा सोनू, उर्फ सोनी हैं। तेलंगाना के डीजीपी शिवधर रेड्डी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, कुंकटी वेंकटय्या उर्फ विकास, मोगिलिचरला वेंकटराजू उर्फ चंदू, तोड़ेम गंगा उर्फ सोनी (छत्तीसगढ़) नक्सली संगठन को छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं। सिद्दीपेट

जिले के कुंकटी वैंकट्या ने 1990 में लोक निर्माण विभाग की किसान-मजदूर सभाओं में भाग लिया था और उसी वर्ष छिप गए थे। वह पीडब्ल्यूजी (पीपल वार ग्रुप) कमांडर बालन्ना के नेतृत्व में बल में शामिल हुआ। उसके बाद उसने कदम दर कदम तरक्की की और 35 वर्षों तक विभिन्न पदों पर कार्य किया। उसने सरकार के आह्वान को स्वीकार किया और जीवन की मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया। इसी तरह हनुमाकोंडा जिले के धर्मसागरम मंडल के ताटिकायला गांव के मोगिलिचर्ला वेंकटराजू(45) क्रांतिकारी गीतों से आकर्षित होकर 11 साल की उम्र में माओवादी आंदोलन में शामिल हो गए। वह 1993 में नरसम्पेटा बल में भर्ती हुए और राज्य स्तरीय समिति में विभिन्न पदों पर कार्य किया। माओवादियों के साथ वैचारिक मतभेदों के कारण उन्होंने पुलिस के आह्वान को स्वीकार कर लिया और अपनी पत्नी तोड़ेम गंगा के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। डीजीपी ने बताया कि हाल के दिनों में 403 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है।

महाबोधि मंदिर का प्रबंधन बौद्ध समुदाय को सौंपा जाना चाहिए - रामदास आठवले

मुंबई। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने बिहार के गयाजी जिले में स्थित महाबोधि महाविहार के प्रबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बोधगया का महाबोधि मंदिर वह पवित्र स्थल है, जहां सिद्धार्थ गौतम बुद्ध को बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था। यह मंदिर बौद्ध धर्म का सबसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है, लेकिन इसका प्रबंधन वर्तमान में बिहार सरकार के महाबोधि मंदिर अधिनियम 1949 के तहत एक ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। इस ट्रस्ट में आठ सदस्य होते हैं, जिनमें चार बौद्ध और चार हिंदू होते हैं, और स्थानीय कलेक्टर भी शामिल होता है। आठवले ने मांग की है कि मंदिर का प्रबंधन पूरी तरह बौद्ध समुदाय को सौंपा जाए, क्योंकि अन्य धार्मिक संस्थानों में भी केवल संबंधित समुदाय के लोग ही प्रबंधन करते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारी मांग है कि ट्रस्ट का चेयरमैन और सभी सदस्य बौद्ध हों। इसके लिए हम 14 अक्टूबर को बोधगया में रैली निकालेंगे।'

भारत का इतिहास पराजय का नहीं, संघर्ष का है: सरसंघचालक

भारत में कभी भी शौर्य की कमी नहीं रही : डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी
नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत इतिहास पराजय का नहीं बल्कि संघर्ष का है। भारत पर प्राचीन काल से निरंतर आक्रमण होते रहे हैं, लेकिन कोई भी विदेशी आक्रांता एक रात भी चैन की नींद नहीं सो सका क्योंकि भारतीयों ने हर आक्रमण का डटकर मुकाबला किया और उन्हें करारा जवाब दिया। डॉ. भागवत नागपुर में भोसले राजघराने पर आधारित चार पुस्तकों के लोकार्पण समारोह में बोल रहे थे। नागपुर के सीनियर भोसला पैलेस में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. भागवत ने कहा कि भारत में कभी भी शौर्य की कमी नहीं रही। इसके बावजूद देश पर बार-बार विदेशी आक्रमण होते रहे। छत्रपति शिवाजी महाराज ऐसे आक्रांताओं के लिए एक निर्णायक उत्तर सिद्ध हुए। शिवाजी

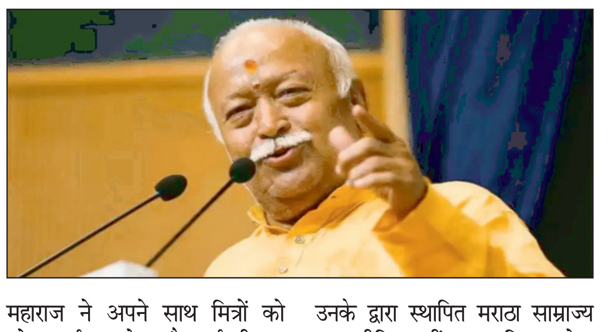

महाराज ने अपने साथ मित्रों को जोड़कर ईश्वर, देश और धर्म की रक्षा के लिए विदेशी सत्ता से संघर्ष किया। उन्होंने आगे कहा कि परिस्थिति कैसी भी हो, जब तक लोगों को जोड़ने की भावना और उसके पीछे की प्रेरणा बनी रही, तब तक हमारा इतिहास विजय से ही भरा रहा है। यह संघर्ष केवल छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके द्वारा स्थापित मराठा साम्राज्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अनेक अन्य राजाओं ने भी उनसे प्रेरणा लेकर संघर्ष को गति और बल दिया। राजस्थान में दुर्गा प्रसाद राठौड़ ने राजपूतों को एकत्र कर मुगलों से संघर्ष किया, जिसके बाद मुगलों की राजपुताना में फिर कभी वापसी नहीं हो सकी। इसी तरह कूचबिहार के राजा चक्रधर सिंह पर भी शिवाजी महाराज का गहरा प्रभाव था। चक्रधर सिंह ने एक अन्य राजा को पत्र लिखते हुए कहा था, अब हम भी शिवाजी महाराज की भांति विदेशी आक्रमणकारियों को बंगाल की खाड़ी में डुबोकर नष्ट कर सकते हैं। डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि राष्ट्रहित के लिए स्वार्थ का त्याग कर देश की सेवा के लिए तैयार रहना आवश्यक है। उन्होंने कान्होजी आंग्रे का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपने वतन का त्याग कर अपने चार पुत्रों के साथ शिवाजी महाराज का साथ दिया।

पाकिस्तान की आईएसआई के लिए जासूसी करने वाला गिरफ्तार

एजेंसी
जयपुर। राजस्थान इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान की आईएसआई के लिए जासूसी करने वाले अलवर निवासी मंगत सिंह को शासकीय गुप्त बात अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिरीक्षक सीआईडी (सुरक्षा) डॉ. विष्णुकांत ने बताया कि आपरेशन सिन्दूर के पश्चात् राजस्थान इंटेलिजेंस की ओर से प्रदेश के सामरिक महत्व के क्षेत्रों पर गहनता से निगरानी रखी जा रही है। अलवर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का अति महत्वपूर्ण सामरिक एवं संवेदनशील क्षेत्र है। अलवर स्थित छावनी क्षेत्र की निगरानी के दौरान गोविंदगढ़ जिला अलवर निवासी मंगत सिंह की

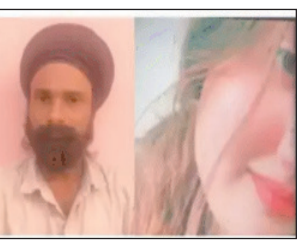

गतिविधियां संदिग्ध पाई गई। विगत दो वर्षो से मंगत सिंह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के हेण्डलरों से सोशल मीडिया के माध्यम से सम्पर्क मे था। मंगत सिंह द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के पूर्व व पश्चात महिला पाक हैण्डलर छद्म नाम ईशा शर्मा से हनीट्रैप व धनराशि के लालच में सोशल मीडिया के माध्यम से अलवर शहर की अति महत्वपूर्ण छावनी इलाके एवं देश के अन्य सामरिक स्थलों की महत्वपूर्ण सूचनाएं उन्हें निरन्तर साझा की जा रही थी । केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र जयपुर पर विभिन्न इंटेलिजेंस एजेंसियों द्वारा की गई पूछताछ एवं उसके मोबाइल के तकनीकी परीक्षण पर उपरोक्त तथ्यों की पुष्टि होने पर थाना स्पेशल पुलिस स्टेशन राजस्थान जयपुर पर मंगत सिंह के विरुद्ध शासकीय गुप्त बात अधिनियम 1923 के तहत मुकदमा दर्ज कर सीआईडी इंटेलीजेंस राजस्थान द्वारा गिरफ्तार किया गया।

बाढ़ पीड़ित किसानों के हर परिवार को मिले 50 हजार... उद्धव ठाकरे ने की मांग, फडणवीस सरकार पर बोला हमला

एजेंसी
नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे मराठवाड़ा के छत्रपति शंभाजी नगर में एक दिवसीय दौरे पर गए और बाढ़ और बारिश में तबाह हो चुके किसानों से मुलाकात की. उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों किसानों के प्रति उदासीन है और किसानों के दुख तकलीफ को दूर करने का कोई प्रयास नहीं कर रही है. उन्होंने बाढ़ पीड़ित किसान के परिवारों को 50 हजार रुपए देने की मांग की.

आगामी जिला परिषद, नगर निगम और महानगरपालिका चुनाव के मद्देनजर उद्धव ठाकरे किसानों से मिलकर सांत्वना लेने की पूरी कोशिश कर रहे है. उन्होंने फडणवीस सरकार पर हमला बोला और किसानों के हर परिवार को तुरंत 50 हजार रकम सरकार घोषित करने की मांग की.

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बाढ़ग्रस्त किसानों को 10 हजार रुपये तुरंत देने का ऐलान किया. साथ ही पंचनामा कर जिन किसानों के खेत पूरी तरह खत्म हो गए और जिनके घर मकान गिरे उन्हें सरकारी अनाज,राहत सामग्री और राहत पैकेज देने की घोषणा की, जिसके तहत 3500 करोड़ रुपये का पैकेज भी घोषित किया है.

अगर सत्ता में होते तो फिर से कर्जमाफी करते

उद्धव ठाकरे ने छत्रपति संभाजीनगर में आयोजित सभा में केंद्र और राज्य सरकार पर जोरदार हमला बोला.

किसानों की स्थिति, दो उपमुख्यमंत्रियों के मुद्दे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखी टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि अगर वे सत्ता में होते तो किसानों को एक और कर्जमाफी दी जाती. उन्होंने कहा कि हमने कर्जमाफी दी थी, लेकिन कोरोना के कारण मदद देने में कठिनाई आई.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या विस्फोट पर जताया शोक, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

एजेंसी
लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या की घटना पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना की। अयोध्या के एक गांव में एक शक्तिशाली विस्फोट के बाद एक मकान ढह जाने से कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है, जबकि कई अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'अयोध्या की दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति, शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुख सहन करने की शक्ति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।' अयोध्या पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें अभी भी

घटनास्थल पर मौजूद हैं। ये टीमें जांच व राहत अभियान जारी रखे हुए हैं। अयोध्या जिले के पूराकलंदर थाना क्षेत्र के पगला भारी गांव में गुरुवार देर शाम यह हादसा हुआ था। यहां एक जोरदार धमाके के बाद एक मकान ढह गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर ने बताया कि गांव से एक सूचना प्राप्त हुई कि एक मकान जोकि गांव के बाहर बना हुआ है, उसकी छत गिर गई है। तेजी से विस्फोट हुआ था। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह विस्फोट किचन में गैस या प्रेशर कुकर से हुआ प्रतीत होता है, हालांकि जांच अभी जारी है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और इलाके की छानबीन की गई। मकान पप्पू गुप्ता नाम के व्यक्ति का बताया गया, जो हाल ही में गांव में आकर बसे थे। जिलाधिकारी निखिल टी ने जानकारी दी कि अब तक किसी विस्फोटक सामग्री के संकेत नहीं मिले हैं, लेकिन जांच पूरी होने पर ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। हादसे ने गांव में दहशत का माहौल बना दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रशासनिक टीमों ने हादसे के कारणों की गहन जांच शुरू कर दी है।

यह केवल चेक नहीं, बल्कि सेवा, त्याग और समर्पण के प्रति दिल्ली सरकार की कृतज्ञता का प्रतीक है: सीएम रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल कोविड महामारी के दौरान अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए जीवन गंवाने वाले 11 सरकारी कर्मियों के परिजनों को एक -एक करोड़ की सहायता राशि के चेक प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनके प्रति हमारी गहरी कृतज्ञता और विनम्र श्रद्धांजलि है। इन कर्मवीरों का साहस और निस्वार्थ सेवा सदा हमारे दिलों में अमर रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को कर्तव्य, करुणा और समर्पण की प्रेरणा देती रहेगी। दिल्ली सचिवालय में आयोजित एक सादे समारोह में मुख्यमंत्री ने ये भी कहा कि किसी व्यक्ति की जान का मूल्य कोई सरकार नहीं चुका सकती, लेकिन सरकार का कर्तव्य है कि ऐसे परिवारों को हर संभव सहायता मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिल्ली सरकार के लिए गर्व की बात है कि कोविड काल में अपने

कर्तव्य के प्रति निष्ठा दिखाने वाले इन कर्मवीरों के परिवारों को अब सम्मानपूर्वक उनका हक मिला है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि दिल्ली सरकार ने सदैव 'पीपल फर्स्ट' के सिद्धांत को अपनी कार्यशैली का मूल आधार बनाया है। उन्होंने कहा कि सरकार न केवल आर्थिक सहायता बल्कि अन्य जरूरतों व समस्याओं में भी इन परिवारों के साथ खड़ी रहेगी। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह भी उपस्थित थे मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जिन दिवंगत कर्मियों के परिवारों को अनुग्रह राशि प्रदान की, उनमें वी. नंगथनलियान (वाणिज्य एवं कर विभाग), राजबाला गर्ग (जीटीबी अस्पताल), श्रीमती बबिता (सीबीपीएसीएस), रोहन जोशी (एमसीडी), डॉ. रविंदर कुमार गोयल (डीजीएचएस), अनियम्मा रेजी (एमएएमसी), बिस्वजीत दास (डीटीसी), राजेश कुमार (शिक्षा विभाग), डॉ. नवीन राम (बीएसएफ), डॉ. विजय सिंह राजन (बीएसएफ) और अरुण सूद (डीएचएस) शामिल हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

आरएसएस के स्मारक सिक्के और टिकट ऑनलाइन उपलब्ध

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कोलकाता टकसाल द्वारा जारी स्मारक सिक्के आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन खरीदने के लिए उपलब्ध हैं। भारत सरकार ने राष्ट्रीय एकता और सेवा में अपने योगदान के लिए जाने जाने वाले एक प्रमुख सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन, आरएसएस की 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विशेष स्मारक सिक्के और

डाक टिकट जारी किए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से यह घोषणा की, जिसमें आरएसएस की समर्पण और सामाजिक प्रभाव की एक शताब्दी लंबी यात्रा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। आरएसएस की विरासत का सम्मान करने के लिए डिजाइन किए गए सिक्के, उत्साही और समर्थकों दोनों के लिए एक बहुमूल्य संग्रहणीय वस्तु बनने की उम्मीद है। सिक्कों के साथ जारी किए गए विशेष डाक टिकट देश भर के फिलेटली ब्यूरो से प्राप्त किए जा सकते हैं, जिससे डाक टिकट संग्रहकर्ताओं और आम जनता को इस ऐतिहासिक उपलब्धि का एक अंश प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने इस उपलब्धि के महत्व पर जोर देते हुए एक्स पर कहा, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, भारत सरकार ने सेवा, एकता और समर्पण की एक शताब्दी का सम्मान करते हुए विशेष स्मारक सिक्के और डाक टिकट जारी किए हैं।' इस पहल की व्यापक रूप से सराहना हुई है और कई लोग इसे एक ऐसे संगठन के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि मानते हैं, जिसने एक सदी तक भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य को आकार दिया है। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा 1925 में स्थापित आरएसएस, एकता, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा के मूल्यों को बढ़ावा देते हुए भारत के सबसे प्रभावशाली संगठनों में से एक बन गया है।

भारत और ब्रिटेन ने रक्षा सहयोग को और घनिष्ठ करने के तरीकों पर की चर्चा

एजेंसी
मुंबई। भारत और ब्रिटेन ने मुंबई में रक्षा सहयोग को और घनिष्ठ करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों पक्षों के बीच यह चर्चा रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और ब्रिटेन के रक्षा राज्य मंत्री (हाउस ऑफ लॉर्ड्स के मंत्री) वर्नोन कोकर के साथ द्विपक्षीय बैठक में हुई। यह बैठक ब्रिटेन के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप (सीएसजी) की भारत यात्रा के दौरान आयोजित की गई। इस बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने मौजूदा रक्षा सहयोग की समीक्षा की और भारत तथा ब्रिटेन के बीच सहयोग को और घनिष्ठ करने के तरीकों पर चर्चा की। रक्षा राज्य मंत्री सेठ ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि प्रिंस ऑफ वेल्स के नेतृत्व में ब्रिटेन के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप ने भारत के पश्चिमी तट पर भारतीय नौसेना के साथ द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास कोंकण-

25 के समुद्री चरण को सफलतापूर्वक पूरा किया। सीएसजी वर्तमान में मुंबई और गोवा में बंदरगाह चरण की गतिविधियों में लगा हुआ है।

रक्षा राज्य मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह की परिचालन बातचीत परिचालन दर्शन की आपसी समझ को बढ़ाती है और दोनों नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालन में महत्वपूर्ण योगदान देती है। बैठक के

> **इस बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने मौजूदा रक्षा सहयोग की समीक्षा की और भारत तथा ब्रिटेन के बीच सहयोग को और घनिष्ठ करने के तरीकों पर चर्चा की।**

दौरान दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाले उपकरणों के निर्माण और स्वदेशी प्रणालियों के विकास में भारत की बढ़ती क्षमताओं पर चर्चा की। उन्होंने वैश्विक रक्षा आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग और अवसरों सहित सभी क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए एक स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित विश्व व्यवस्था के समर्थन में हिंद-प्रशांत और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। दोनों पक्षों ने भारत-यूके व्यापक रणनीतिक साझेदारी और जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूनाइटेड किंगडम यात्रा के दौरान अपनाए गए 'भारत-यूके विजन 2035' द्वारा निर्देशित एक मजबूत, बहुआयामी और पारस्परिक रूप से लाभकारी रक्षा साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

देश का निर्माण करना और उसे बेहतर बनाना हमारा कर्तव्य: भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि अपने देश का निर्माण करना और उसे बेहतर बनाना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है और इससे अंततः नागरिकों के ही हितों की रक्षा होती है। भागवत ने कहा कि अपने देश का निर्माण करना और उसे बेहतर बनाना हमारा कर्तव्य है। ऐसा करके हम अपने ही हितों की रक्षा करते हैं। जो देश अच्छा प्रदर्शन करता है, वह सुरक्षित होता है और दुनियाभर में सम्मान हासिल करता है।

आरएसएस के उदय का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि डॉ. केशव हेडगेवार ने नागपुर में संगठन की स्थापना की, क्योंकि इस शहर में पहले से ही निस्वार्थ सेवा और सामाजिक जागरूकता की भावना थी। उन्होंने कहा कि हालांकि देशभर में ऐसे लोग हैं, जो हिंदुत्व पर गर्व करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि आरएसएस जैसा संगठन केवल नागपुर में ही आकार ले सकता था। त्याग और सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना यहां पहले से ही मौजूद थी, जिसने संघ की स्थापना में डॉ. हेडगेवार की मदद की।

भागवत ने कहा कि आरएसएस पूरे देश के लिए काम करता है। उन्होंने कहा कि नागपुर अपने स्वयंसेवकों के दिल में खास जगह रखता है, लेकिन वह किसी विशेष दर्जे का दावा नहीं करता। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने 'स्वराज्य' प्राप्त करने की दिशा में प्रयास व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि ÷ईश्वर, धर्म और राष्ट्र÷ के लिए शुरू किए थे। उन्होंने कहा कि जब शिवाजी महाराज ने स्वराज्य की स्थापना शुरू की, तो उन्होंने अपने मित्रों को अपने लिए नहीं, बल्कि एक बड़े उद्देश्य के लिए इकट्ठा किया। उनकी एकता की भावना ने लोगों को शक्ति प्रदान की। जब तक उनके आदर्शों ने समाज को प्रेरित किया, उस काल का इतिहास प्रगति और विकास को प्रतिबिंबित करता रहा।

भागवत ने कहा कि शिवाजी महाराज के दृष्टिकोण ने देशभर के शासकों और स्वतंत्रता सेनानियों को प्रभावित किया और यहां तक ??कि 1857 के विद्रोह को भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने व्यवस्थित रूप से उन प्रेरणादायक भारतीय प्रतीकों को नष्ट करने का प्रयास किया, जिन्होंने लोगों को एकजुट किया था और प्रतिरोध की भावना को मजबूत किया था। उन्होंने कहा कि हमें अपने अतीत से सीखने की जरूरत है कि कैसे लोगों ने समाज की भलाई के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया। उन्होंने कहा कि हमारे इतिहास में भारत को शांति और समृद्धि का देश बनाने की पर्याप्त शक्ति है, जो विश्व में योगदान दे सके।

इंडिगो विमान की विंडशील्ड में आई दरार, बड़ा हादसा टला, सभी यात्री सुरक्षित

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई के हवाई अड्डे पर गुरुवार देर रात एक बड़ी घटना होते-होते बच गई। मदुरै से चेन्नई आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट की सामने की विंडशील्ड यानी (कॉकपिट ग्लास) में दरार पड़ आ गई। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि दरार पर लैंडिंग से ठीक पहले पायलट की नजर पड़ी। इंडिगो की यह उड़ान रात 11-12 बजे सुरक्षित रूप से लैंड हुई, जिसमें 76 यात्री सवार थे। जैसे ही पायलट ने दरार देखी उसने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचित किया। इसके बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल तुरंत सक्रिय कर दिए गए, जिससे विमान सुरक्षित रूप से रनवे पर उतारा। लैंडिंग के बाद विमान को बे नंबर 95 पर खड़ा किया गया, जहां तकनीकी टीमों ने क्षतिग्रस्त ग्लास पैनल को बदलने की तैयारी की। हालांकि, दरार के कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है।

बता दें इस घटना के कुछ घंटे पहले ही केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने प्रमुख घरेलू एयरलाइनों और विमानन अधिकारियों के साथ एक मासिक समीक्षा बैठक की थी। मंत्री ने बैठक में सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए और एयरलाइनों से किरायों को उचित बनाए रखने की अपील की। उन्होंने डीजीसीए की टैरिफ मॉनिटरिंग यूनिट को किराया नियंत्रण पर सख्त निगरानी रखने का निर्देश दिया। एयरलाइनों ने बैठक में बताया कि वे त्योहारी भीड़ को देखते हुए व्यस्त रूटों पर अतिरिक्त उड़ानें जोड़ रही हैं और यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही हैं। बैठक में एयरसेवा पोर्टल पर शिकायत निवारण प्रणाली में सुधार, सतत और स्वच्छ प्रथाओं को अपनाने और प्रधानमंत्री के स्वच्छता मिशन के अनुरूप स्वच्छ हवाई अड्डों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया।

उत्तराखंड सरकार का बड़ा फैसला... पेपर लीक पर रद्द कर की यूकेएसएसएससी परीक्षा

–सीएम धामी बोले– किसी दोषी को नहीं बख्शा जाएगा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड सरकार ने उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की स्नातक स्तरीय भर्ती परीक्षा को रद्द करने का बड़ा फैसला लिया है। यह निर्णय पेपर लीक और नकल के मामलों के सामने आने के बाद लिया गया है। राज्य सरकार ने कहा है कि परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठने के कारण यह कदम छात्रों के हित में आवश्यक था।

परीक्षा रद्द किए जाने के एक दिन पहले ही भाजपा विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सचिवालय में मुलाकात की थी। प्रतिनिधिमंडल में खजान दास, दिलीप सिंह रावत, विनोद कंडारी, बृजभूषण गैरोला, दुर्गेश्वर लाल, सुरेश चौहान, मोहन सिंह बिष्ट और रेनू बिष्ट शामिल थे। विधायकों ने मुख्यमंत्री को सौंपे ज्ञापन में कहा था, कि पेपर लीक और नकल की घटनाओं से छात्रों का मनोबल गिरा है, इसलिए 21 सितंबर को आयोजित परीक्षा को रद्द किया जाना चाहिए।

सरकार ने उठाया निर्णायक कदम

मुख्यमंत्री धामी ने प्रतिनिधिमंडल की सिफारिश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शनिवार को परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि सरकार योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय नहीं होने देगी। सीएम ने दोहराया कि परीक्षा से जुड़े पेपर लीक और नकल माफिया पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहले ही कहा था कि इस मामले की सीबीआई जांच कराई जाएगी ताकि पूरे प्रकरण की निष्पक्षता बनी रहे। उन्होंने पेपर लीक के विरोध में धरना दे रहे छात्रों से मुलाकात कर उन्हें आश्वस्त किया था कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

भारत की छवि खराब करने और कितना नीचें गिरेगी कांग्रेस : संबित पात्रा

जयराम रमेश के दावों पर किया पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश की और उन फर्जी खबरों'' के आधार पर मोदी सरकार की रणनीतिक और विदेश नीति पर सवाल उठाए, जिसमें दावा किया गया है कि रूस पाकिस्तान को जेएफ-17 जेट इंजन की आपूर्ति कर रहा है। कुछ दिन पहले, विपक्षी पार्टी के नेता जयराम रमेश ने एक रिपोर्ट का हवाला देकर मोदी सरकार से पूछा था कि भारत का ''कभी सबसे विश्वसनीय रणनीतिक सहयोगी'' रहा रूस, चीन निर्मित जेएफ-17 लड़ाकू विमानों के इंजन की आपूर्ति करके पाकिस्तान को सैन्य सहायता क्यों ''प्रदान'' कर रहा है।

कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट कर इस घटनाक्रम को प्रधानमंत्री मोदी की ''व्यक्तिगत कूटनीति'' की विफलता भी बताया था। इस पर पलटवार कर भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि रूस द्वारा यह स्पष्ट करने से कि पाकिस्तान के साथ ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है, कांग्रेस ''बेनकाब'' हो गई है और उन्होंने मीडिया में आई खबरों को ''फर्जी और निराधार'' बताया। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता 'रमेश ने यह दर्शाने की कोशिश की कि रूस और पाकिस्तान के बीच एक नई सहमति बनी है, जिसके तहत रूस, चीन निर्मित जेएफ-17 लड़ाकू विमानों के लिए उन्नत इंजन पाकिस्तान को मुहैया कराएगा। पात्रा ने कहा कि रूस ने पाकिस्तान के साथ इसतरह के किसी समझौते से इंकार किया है, लेकिन कुछ ''सूत्रों के हवाले से खबरों'' में कहा गया है कि कुछ ताकतें दिसंबर 2025 में होने वाले एक शिखर सम्मेलन से पहले रूस और भारत के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा, चाहे जी-20 हो या कोई और बड़ा शिखर सम्मेलन, कांग्रेस ऐसे आयोजनों से पहले भारत की छवि खराब करने के लिए ऐसी स्थितियां पैदा करने की कोशिश करती है। भारत की साख कम करने के उद्देश्य से कुछ फर्जी खबरें गढ़ी जाती हैं।''

पात्रा ने आरोप लगाया कि रमेश ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के निर्देश पर ही ''फर्जी खबर'' पर अपनी टिप्पणी 'एक्स' पर पोस्ट की होगी। उन्होंने आरोप लगाया, ''राहुल गांधी विदेश जाते हैं और इस तरह की बातें ट्वीट करवाते हैं... आप माहौल बनाने और पाकिस्तान को ऑक्सीजन देने की कोशिश कर रहे हैं।'

महाराष्ट्र सरकार का किसानों के लिए राहत पैकेज इतिहास का सबसे बड़ा मजाक : उद्धव

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राज्य की देवेंद्र फडणवीस सरकार द्वारा किसानों के लिए घोषित हालिया राहत पैकेज को शनिवार को इतिहास का ''सबसे बड़ा मजाक'' करार दिया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने छत्रपति संभाजीनगर शहर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि यदि महाराष्ट्र सरकार बाढ़ और बारिश से प्रभावित किसानों के लिए पूर्ण ऋण माफी की घोषणा करने में विफल रहती है तो किसान सड़कों पर उतरेंगे। ठाकरे ने कहा, ''महाराष्ट्र सरकार द्वारा किसानों के लिए घोषित वित्तीय सहायता इतिहास का सबसे बड़ा मजाक है।'' उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में महाराष्ट्र के दौरे पर किसानों के बारे में कुछ नहीं कहा। मोदी ने बुधवार को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन किया था। ठाकरे ने यह भी कहा कि भारी बहुमत के बावजूद, सरकार राज्य विधानसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त करने से डर रही है। इस सप्ताह की शुरुआत में, राज्य सरकार ने बारिश और बाढ़ के कारण भारी नुकसान झेलने वाले किसानों के लिए 31,628 करोड़ रुपये के मुआवजे के पैकेज की घोषणा की थी और कहा था कि कुल सहायता 48,000 रुपये प्रति हेक्टेयर होगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि सरकार समय आने पर ऋण माफी की घोषणा करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को हुए नुकसान पर केंद्र को सौंपने के लिए एक व्यापक ज्ञापन तैयार किया जा रहा है।

सिद्दी समुदाय के सदस्यों से मिलीं राष्ट्रपति मुर्मू, बच्चों को पढ़ाने का किया आग्रह

दो दिन की गुजरात यात्रा पर हैं राष्ट्रपति, शेर सफारी का लिया आनंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात के जूनागढ़ जिले में सिद्दी समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत की। सिद्दी समुदाय अफ्रीकी मूल का एक जनजातीय समूह है। गिर वन्यजीव अभयारण्य के सासन गांव में आयोजित कार्यक्रम में मुर्मू ने लोगों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें शिक्षा प्रदान करें और प्रगति हासिल करने के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

अपनी गुजरात यात्रा के दूसरे दिन राष्ट्रपति मुर्मू दोपहर बाद सासन-गिर पहुंचीं और गिर राष्ट्रीय उद्यान में शेर सफारी का आनंद लिया, जो एशियाई शेरों का एकमात्र निवास स्थान है। बाद में शाम को उन्होंने राष्ट्रीय उद्यान के मुख्यालय सासन-गिर स्थित सिंह सदन में सिद्दी समुदाय के सदस्यों से बातचीत की। सिद्दी समुदाय एक भारत-अफ्रीकी समूह है जो पूर्वी अफ्रीकियों के वंशज हैं। इन्हें दासों, सैनिकों और नाविकों के रूप में उपमहाद्वीप में लाया गया था और अब उन्हें अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता मिली है।

गुजरात में उनमें से अधिकतर लोग राष्ट्रीय उद्यान के निकटवर्ती गांवों में बसे हुए हैं। देवलिया पार्क में 'इको-टूरिज्म' गाइड के रूप में काम करने वाली सिद्दी महिला हसीना मकवाना ने राष्ट्रपति मुर्मू को बताया कि वह और उनके पति अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए कमा लेते हैं। हसीना ने राष्ट्रपति से कहा कि उन्हें हर महीने 12,000 रुपए मिलते हैं, जिससे खर्च चलता है और दो बच्चे पढ़ भी रहे हैं। उनके पति एक सिद्दी नृत्य समूह के सदस्य हैं जो पर्यटकों का मनोरंजन करता है।

हसीना ने बताया कि वह एक गाइड के रूप में पर्यटकों को जानवरों और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में जानकारी प्रदान करती हैं। सरकारी शिक्षक अशरफ उस्मान ने मुर्मू को सिद्दी समुदाय की उत्पत्ति के बारे में बताया कि किस प्रकार सरकारी हस्तक्षेप और योजनाओं से पिछले कुछ सालों में उनके जीवन में सुधार आया है। मुर्मू ने अपनी संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए सिद्दी समुदाय की सराहना भी की।

कांग्रेस ने नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली मारिया की तुलना राहुल गांधी से की

–राजपूत ने कहा– भारत में लोकतंत्र खतरे में राहुल इन्हें बचाने की लड़ रहे लड़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। इसे बाद कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने उनकी तुलना राहुल गांधी से की है। राजपूत ने संकेत दिया कि जैसे मचाडो को अपने देश में लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए संघर्ष करने पर यह सम्मान मिला है, वैसे ही राहुल गांधी भी भारत में संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। राजपूत ने एक्स पर मचाडो और राहुल गांधी की तस्वीर साझा करते हुए लिखा- इस बार नोबेल शांति पुरस्कार वेनेजुएला की विपक्ष की नेता को संविधान की रक्षा के लिए दिया गया है। भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी देश के संविधान को बचाने की लड़ाई का नेतृत्व कर रहे हैं।

नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने मचाडो को 'तानाशाही से लोकतंत्र में शांतिपूर्ण बदलाव' और 'लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता' के लिए यह सम्मान दिया। पिछले साल हुए चुनावों में धांधली के आरोपों के बाद मचाडो को छिपकर रहना पड़ा, फिर भी वे वेनेजुएला की विपक्ष को एकजुट रखने में सफल रहीं।

वहीं, भारत में कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी मौजूदा एनडीए सरकार के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। वे हाल के महीनों में 'वोट चोरी', बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने, ईवीएम हैकिंग, पिछड़े वर्गों के आरक्षण को खत्म करने की साजिश जैसे मुद्दे उठा चुके हैं। इंडिया गठबंधन के गठन के बाद समूचा विपक्ष मोदी सरकार के खिलाफ एकजुट है। विपक्ष का आरोप है कि देश में बेरोजगारी बढ़ी है, अर्थव्यवस्था कमजोर हुई है, अल्पसंख्यक और अनुसूचित वर्गों के अधिकारों से समझौता हुआ है और असहमति के स्वर दबाए जा रहे हैं। राहुल गांधी ने बार-बार कहा कि भारत में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाएं खतरे में हैं और वे इन्हें बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

पहले सिंधु जल संधि निलंबित... अब सावलकट जलविद्युत परियोजना को मंजूरी

–पाकिस्तान को लगेगी खूब मिर्ची

श्रीनगर(एजेंसी)। मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में चेनाब नदी पर बनने वाले 1856 मेगावॉट के सावलकट जलविद्युत परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी दे दी है। इस परियोजना को रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है, खासकर तब जब भारत ने पाकिस्तान के साथ इंडस वाटर ट्रीटी यानी सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है। करीब चार दशक से अटकी यह परियोजना अब फिर से गति पकड़ने जा रही है। इस परियोजना को राष्ट्रीय जलविद्युत निगम (एनएचपीसी) दो चरणों में बनाएगा। परियोजना की अनुमानित लागत 31,380 करोड़ रुपये है और इसके तहत चेनाब नदी के जल का उपयोग रामबन, रियासी और ऊधमपुर जिलों में होगा।

सावलकट परियोजना में 192.5 मीटर ऊंचा रोलर-कंपैक्टेड ग्रेविटी डैम बनेगा। इसके साथ ही एक अंडरग्राउंड पावरहाउस (भूमिगत विद्युत गृह) स्थापित किया जाएगा, जिसमें मशीन हॉल, टर्बाइन और जेनरेटर जैसी मुख्य इकाइयां होंगी। यह परियोजना सालाना करीब 7,534 मिलियन यूनिट बिजली उत्पन्न करने की क्षमता रखती है। एक बार शुरू होने के बाद, यह केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना होगी। इससे न केवल क्षेत्र में बिजली आपूर्ति में भारी बढ़ोतरी होगी, बल्कि भारत की चेनाब नदी के जल को संग्रहित और प्रबंधित करने की क्षमता भी बढ़ेगी। ऐसा करना सिंधु जल समझौते के तहत भारत का अधिकार है, परंतु अब तक तकनीकी और कूटनीतिक कारणों से इसका पूरा उपयोग नहीं हुआ था।

1960 में साइन की गई सिंधु जल संधि के तहत तीन पूर्वी नदियां रावी, ब्यास और सतलुज भारत को दी गई थीं, जबकि तीन पश्चिमी नदियां सिंधु, झेलम और चेनाब पाकिस्तान को आवंटित की गईं। हालांकि, भारत को इन पश्चिमी नदियों के जल का सीमित उपयोग गैर-उपभोगी कार्यों जैसे रन-ऑफ-द-रिवर हाइड्रोपावर उत्पादन, नौवहन और मत्स्य पालन के लिए करने की अनुमति है। भारत ने अप्रैल 22 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद संधि को निलंबित किया था, इसके बाद से सरकार ने पश्चिमी नदियों के जल का अधिकतम उपयोग करने की दिशा में कदम तेज किए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, परियोजना के लिए कुल 1,401.35 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी, जिसमें से 847.17 हेक्टेयर वन क्षेत्र और 554.18 हेक्टेयर गैर-वन भूमि शामिल है। परियोजना के चलते 13 गांवों के करीब 1,500 परिवारों को विस्थापित किया जाएगा। एनएचपीसी ने इसके लिए विस्तृत पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन योजना तैयार की है, जिसमें प्रभावित परिवारों को आवास, जीविकोपार्जन सहायता और कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने का प्रस्ताव है। पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक के अनुसार, परियोजना स्थल से 10 किलोमीटर के दायरे में कोई भी राष्ट्रीय उद्यान या वन्यजीव अभयारण्य नहीं है। निकटतम संरक्षित क्षेत्र- किश्तवाड़ हाई-एल्टीट्यूड नेशनल पार्क परियोजना से करीब 62.8 किलोमीटर दूर स्थित है।

परियोजना का इतिहास

सावलकट परियोजना का प्रस्ताव पहली बार 2016 और 2017 में पर्यावरण मंत्रालय के समक्ष रखा गया था, लेकिन वन स्वीकृति और पुनर्वास से जुड़ी जटिलताओं के कारण इसे मंजूरी नहीं मिल सकी। बाद में 3 जनवरी 2021 को जम्मू-कश्मीर पावर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन और एनएसपीसी के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके बाद परियोजना को दोबारा आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

आतंकियों को तलाशते–तलाशते लापता हुए दो जवानों के शव अनंतनाग में मिले

जम्मू (एजेंसी)। आतंकियों के खिलाफ मोर्चा संभालने वाले चिनार कोर के जवान मौसम की विपरीत परिस्थितयों के बाद भी डटे रहना ही इनका मूल मकसद है। आतंकियों से लोहा लेते वक्त कई बार वीरगति को प्राप्त हो जाते हैं। इसके बाद भी जान की परवाह किए बगैर ये जवान आतंकियों की तलाश में निकले और करीब एक सप्ताह तक वापस नहीं लौटे। शुक्रवार को सुरक्षाबलों को दोनों के शव मिले हैं। शहीद होने वाले जवानों के नाम लांस हवलदार पलाश घोष और लांस नायक सुजय घोष हैं। चिनार कोर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके दोनों जवानों को श्रद्धांजलि दी है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों सैनिक संचार लाइन के टूट जाने के बाद लापता हो गए। कमांडो का पता लगाने के लिए हेलीकॉप्टरों को लगाया गया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर इकाई ने बताया कि अभियान चलाने वाली टीम भीषण बर्फीले तूफान में फंस गई थी। चिनार कोर ने एक्स पर पोस्ट करके कहा, दोनों ही जवान लगातार प्रतिकूल परिस्थितियों में भी आतंकियों के खिलाफ अभियान में सक्रिय थे। उनके साहस और समर्पण को सलाम है। कोर ने शहीदों के परिवार के साथ संवेदना जताते हुए मुश्किल परिस्थिति में साथ खड़े होने का वादा किया है। अधिकारियों ने बताया कि सेना की इलीट पैरा यूनिट के दो जवान मंगलवार को कोकरनाग में तलाशी अभियान के दौरान लापता हो गए थे। आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना मिलने के बाद अहलान गडोले इलाके में अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि एक सैनिक का शव गुरुवार को मिला, जबकि दूसरे का शव शुक्रवार को मिला। उन्होंने बताया कि ऐसा लगता है कि दोनों की मौत हाइपोथर्मिया के कारण हुई। हाइपोथर्मिया एक चिकित्सीय आपातस्थिति है। यह तब होती है जब शरीर का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला जाता है।

महाराष्ट्र में अवैध क्लिनिक चलाने वाली चार फर्जी महिला डॉक्टरों पर मामला दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भिवंडी शहर में बिना वैध लाइसेंस के क्लिनिक चलाने के आरोप में चार महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ जारी कार्रवाई में नगर निगम अधिकारियों और पुलिस ने 8 अक्टूबर को गायत्री नगर और गांधी नगर इलाकों में छापेमारी की और ऐसे क्लीनिक का पता लगाया जहां अयोग्य व्यक्ति मरीजों का इलाज कर रहे थे और एलोपैथिक दवाएं लिख रहे थे। पुलिस ने बताया कि भिवंडी–निजामपुर शहर नगर निगम के चिकित्सा अधिकारी डॉ मोहम्मद शोएब अंसारी की शिकायत के आधार पर सलमा बानो जनुएल शेख (40), नीलम रतन चौरसिया (39), नुसरत बानो सुफियान खान (46) और नासाद बानो मुमताज अंसारी (44) के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने क्लिनिक से बड़ी मात्रा में दवाइयां, इंजेक्शन, चिकित्सा उपकरण और फर्जी प्रमाणपत्र जब्त किए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

मेडिकल छात्रा के साथ बलात्कार... दोस्त के साथ गई थी कैंपस के बाहर

-आरोपियों के आने पर भाग गया दोस्त

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में 23 वर्षीय मेडिकल छात्रा के साथ बलात्कार का मामला सामने आया है। घटना तब हुई जब सेकंड ईयर की स्टूडेंट अपने कॉलेज कैंपस के बाहर दोस्त के साथ खाना खाने गई थी। पुलिस के अनुसार, शिकायत मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच शुरू हो चुकी है और हमारी टीमें तैनात हैं। अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। पीड़ित छात्रा मूल रूप से ओडिशा निवासी है। पीड़ित छात्रा ने बताया कि वह अपने दोस्त के साथ कैंपस के बाहर खाना खाने गई थी, तभी कुछ अज्ञात लोगों ने उन्हें रोका। छात्रा ने आरोप लगाया कि उसका दोस्त मौके से भाग गया, जिसके बाद उन लोगों ने जबरदस्ती पास के जंगल में ले जाकर रेप किया। छात्रा की मां ने बताया, मेरी बेटी अपने दोस्त के कहने पर खाना खाने गई थी। तीन लोग उनका पीछा करने लगे। तभी उसका दोस्त बेटी को अकेला छोड़कर भाग गया। मेरी बेटी भी भागी, लेकिन वह अपने दोस्त को नहीं ढूंढ सकी। छात्रा की मां ने बताया, 3 लोगों ने मेरी बेटी को अकेला पाकर पास के जंगल क्षेत्र में ले गए। वहां दो और लोग उनके साथ शामिल हो गए। उनमें से एक ने अपराध को अंजाम दिया और उसका मोबाइल भी छीन लिया। बेटी को धमकी दी गई कि अगर शोर मचाया, तब जान से मार दिया जाएगा। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है और छात्रा के परिवार ने तत्काल कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है।

राजस्थान इंटेलिजेंस ने मंगत को किया गिरफ्तार, पाकिस्तान के लिए कर रहा था जासूसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने वाले युवक को अलवर से गिरफ्तार किया है। युवक पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही नजर रखी जा रही थी, जिसे अब गिरफ्तार किया गया है। बता दें अलवर अतिसंवेदनशील और सामरिक दृष्टि से अहम क्षेत्र है। अलवर के गोविंदगढ़ निवासी मंगत सिंह की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं, जिसके बाद राजस्थान इंटेलिजेंस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगत सिंह को गिरफ्तार किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान इंटेलिजेंस ने अलवर के छावनी क्षेत्र में निगरानी के दौरान, गोविंदगढ़, अलवर निवासी मंगत सिंह की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। मंगत सिंह को ईशा शर्मा नाम की एक पाकिस्तानी महिला ने हनीट्रैप में फंसाया था, जिसने सहयोग के बदले उसे पैसे देने की पेशकश की थी। मंगत के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और सीआईडी इंटेलिजेंस राजस्थान ने उसे गिरफ्तार किया। बता दें पिछले दो सालों से मंगत सिंह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के हेण्डलरों के सम्पर्क में था। मंगत ऑपरेशन सिंदूर से पहले और बाद में ईशा शर्मा एक पाकिस्तानी महिला हैंडलर से संपर्क में था। ईशा शर्मा से हनीट्रैप में फंसकर और पैसे के लालच में वह सोशल मीडिया के जरिए अलवर शहर की बहुत ही अहम छावनी इलाके एवं देश के अन्य सामरिक स्थलों की महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कर रहा था।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर तमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया।

गरीब मजदूरों के परिजनों के पास शव गांव ले जाने के भी पैसे नहीं

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली के दरियागंज हादसे में मौत के मुंह में समा गए जुबैर, तौफीक और गुल सागर के परिजनों के पास इतने भी पैसे नहीं हैं कि वह पोस्टमार्टम के बाद शवों को बिहार अपने गांव ले जा सकें। मजदूरी करके उनको 600 या 700 रुपये मिलते थे। हादसा हुआ तो ठेकेदार व मालिक मौके से भाग निकले। मजदूरों के पास खाने के भी पैसे नहीं थे। रोते हुए परिजनों ने ठेकेदार और मालिक से आर्थिक मदद की गुहार लगाई। इसके अलावा परिजन पुलिस व प्रशासन से गुहार लगा रहे थे कि वह शवों को गांव ले जाने का इंतजाम करा दें। हादसे की सूचना मिलने के बाद बुधवार दोपहर दिल्ली में रहने वाले मजदूरों के परिजन एलएनजेपी अस्पताल पहुंच गए। एक परिजन ने बताया कि जुबैर कुछ दिनों पहले ही चाचा तौफीक के पास दिल्ली आया था। तौफीक की मौसी महरुन खातून ने रोते हुए बताया कि एक महीने पहले जुबैर बिहार से दिल्ली घूमने आया था। कुछ दिन वह आनंद विहार उनके घर पर रुका। करीब 10 दिन पहले वह अपने चाचा तौफीक के साथ चिड़ियाघर घूमने गया था। एक अन्य मजदूर इमरान ने बताया कि तीनों ही मजदूर आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से दिल्ली में काम के लिए आए थे। सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक सभी यहां पर काम करते थे। तौफीक के परिवार में पत्नी निशा बेगम के अलावा दो बेटे व दो बेटियां हैं। वह बच्चों को पढ़ाने लिखाने के लिए दिल्ली में काम करने आया था। परिवार में तौफीक ही अकेला कमाने वाला था। गांव में इनकी मौत की सूचना मिलने पर परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। कुछ परिजन इनकी मौत की

सूचना मिलने पर बिहार से दिल्ली के लिए रवाना भी हो गए हैं। दिल्ली के दरियागंज इलाके में बुधवार दोपहर जर्जर इमारत का पिछला हिस्सा गिरने के बाद वहां काम करने वाले मजदूरों ने इमारत के मालिक व ठेकेदार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इनका कहना है कि बिना सुरक्षा उपकरण दिए ही उनसे इमारत तोड़ने का काम करवाया जा रहा था। कई बार ठेकेदार व मालिक से सुरक्षा उपकरणों की डिमांड की थी लेकिन उनकी बात को नजरअंदाज कर दिया गया। ऐसे में उनकी लापरवाही के कारण हादसा हो गया। हादसे के बाद पुलिस सभी मजदूरों के बयान दर्ज कर रही है। जांच के लिए क्राइम टीम व एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि तीसरी मंजिल के लिंटर का एक बड़ा हिस्सा दूसरी मंजिल पर आ गिरा था। इस कारण इमारत का पिछला हिस्सा सद्भावना पार्क की दीवार के साथ जमींदोज हो गया। यदि पूरी इमारत गिरती तो हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ सकती थी। हादसे के समय यहां पर करीब पंद्रह मजदूर काम कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन का कहना है कि ठेकेदार व इमारत मालिकों की तलाश की जा रही है। मजदूर तुरफान ने बताया कि पिछले करीब 17 जुलाई से सभी मजदूर यहां काम कर रहे हैं। ज्यादातर मजदूरों के परिवार के लोग आनंद विहार में रहते हैं। ठेकेदार ने दूर होने की वजह से सभी को कहा था कि वह रात के समय यहीं पर रुक जाया करें। रोजाना की तरह सुबह 8.30 बजे मजदूरों ने काम शुरू किया। तुरफान ने बताया कि वह भूतल पर मौजूद था। जुबैर, गुल सागर और तौफीक दूसरी मंजिल पर मलबा हटा रहे थे। इस बीच करीब 12 बजे तीसरी मंजिल के लिंटर का कुछ हिस्सा दूसरी मंजिल पर गिरा। पार्क की दीवार कमजोर थी। इमारत के साथ दीवार भी गिर गई और हादसा हो गया। इमारत का हिस्सा गिरते ही सभी ने शोर मचा दिया। आसपास भी कई दूसरी इमारतों में काम चल रहा था। वहीं पार्क में भी कई लोग मौजूद थे लेकिन कोई मदद के लिए आगे नहीं आया। तुरफान ने बताया कि उन्होंने अपने साथी इरशाद मकबूल व अन्य लोगों के साथ मलबा हटाना शुरू किया। मलबे से सबसे पहले तौफीक को निकाला गया। इसके बाद जुबैर को बाहर निकाला। इस बीच दमकल व बचाव दल भी मौके पर पहुंच गए। दमकलकर्मियों ने जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर गुल सागर को निकालकर अस्पताल भेजा। ज्यादातर मजदूरों ने मकान मालिक व ठेकेदार के खिलाफ ही बयान दिया है। उसके आधार पर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली।

यह केवल चेक नहीं, बल्कि सेवा, त्याग और समर्पण के प्रति दिल्ली सरकार की कृतज्ञता का प्रतीक है: सीएम रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कर्मवीरों की निष्ठा और सेवाभाव दिल्ली के इतिहास के सबसे उज्ज्वल अध्यायों में दर्ज रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड पूरे विश्व के लिए सिर्फ एक स्वास्थ्य संकट नहीं था, बल्कि यह लाखों परिवारों के लिए एक व्यक्तिगत त्रासदी भी रहा। आज हम उन सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने इस महामारी में अपने प्राण गंवाए। यह सहायता राशि कोई मुआवजा नहीं, बल्कि दिल्ली सरकार की संवेदना और समर्थन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश महामारी के भय और अनिश्चितता से जूझ रहा था, तब सरकार के डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ, सफाईकर्मियों, शिक्षकों और अग्रिम पंक्ति के अन्य कर्मचारियों ने अपने जीवन को जोखिम में डालकर जनता की सेवा की। इन कर्मवीरों ने न केवल अपने कर्तव्य को निभाया, बल्कि मानवता और समर्पण की मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इन कर्मवीरों के योगदान को सदा सम्मानपूर्वक याद रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह खेदजनक है कि पिछली सरकारों ने इन परिवारों की सहायता के विषय में उदासीनता दिखाई, जबकि यह उनके अधिकार में था और नियमों के अनुसार उन्हें यह राशि मिलनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि जब पूरी दुनिया घरों में बंद थी, तब हमारे डॉक्टर, नर्स, सफाईकर्मी, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य सरकारी कर्मचारी दिन-रात ड्यूटी पर डटे रहे। ऐसे में यदि उनके परिवारों को वर्षों तक उनका हक न मिल पाना, उनके साथ गंभीर अन्याय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वर्तमान की दिल्ली सरकार ने यह न्यायपूर्ण कदम उठाकर इन परिवारों को इनका अधिकार लौटाया है।

हथियार के मुख्य आपूर्तिकर्ता समेत छह गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी जिले में हथियार मुहैया करने वाले मुख्य आपूर्तिकर्ता समेत छह बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार पिस्टल और छह कारतूस बरामद किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि निहाल विहार इलाके में निलोठी-मीराबाग रोड पर खट्टा के पास एक युवक के हथियार लेकर घूमने की जानकारी मिली। 26 सितंबर को पुलिस ने वहां छापा मारकर निहाल विहार निवासी रवि को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से पुलिस ने दो पिस्टल और चार कारतूस बरामद किए। रवि ने पूछताछ में बताया कि उसने आयुष से हथियार खरीदे थे। पुलिस ने 27 सितंबर को निहाल विहार निवासी आयुष और दीपक को गिरफ्तार कर लिया। दो अक्तूबर को गंदा नाला पुलिया के पास से बागपत यूपी निवासी संजय को और निहाल विहार निवासी विपुल और गाजियाबाद यूपी निवासी ऋषभ पाल को गिरफ्तार कर लिया।

द्वारका में 40 फीसदी छूट के साथ उठाएं गोल्फ का आनंद

नई दिल्ली। डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) ने गोल्फ प्रेमियों के लिए एक खास उत्सव सीजन ऑफर की घोषणा की है। इसके तहत द्वारका गोल्फ कोर्स (सेक्टर-24) में सभी श्रेणियों की टेन्योर मेंबरशिप और ग्रीन फीस पर 40 फीसदी छूट दी जा रही है। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए है और पहले 1000 सदस्यों के लिए पहले आओ, पहले पाओ, के आधार पर उपलब्ध होगा। डीडीए के अनुसार योजना के तहत सरकारी कर्मचारियों के लिए तीन साल की मेंबरशिप अब 1.20 लाख और पांच साल की मेंबरशिप 1.80 लाख रुपये में मिलेगी। गैर-सरकारी सदस्यों के लिए यह शुल्क 3.60 लाख (3 साल) और 5.40 लाख (5 साल) के लिए निर्धारित किया गया है। द्वारका के सेक्टर-24 में स्थित यह 18-होल गोल्फ कोर्स 7377 गज में फैला है और 158 एकड़ में विशाल हरित क्षेत्रों के साथ देश का सबसे लंबा गोल्फ कोर्स है।

पड़ोसियों के झगड़े से शुरू मुकदमा बच्चों को पिज्जा बांटने पर खत्म

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने पड़ोसियों के बीच पालतू जानवरों के रखरखाव को लेकर हुए विवाद में एक अनोखा आदेश जारी किया है। न्यायमूर्ति अरुण मोंगा ने दोनों पक्षों द्वारा दर्ज क्रॉस एफआईआर को रद्द करने की शर्त पर उन्हें संयुक्त रूप से संस्कार आश्रम के बच्चों को पिज्जा बांटने का निर्देश दिया है। इसमें जीटीबी अस्पताल के पास स्थित संस्कार आश्रम के बच्चों, कर्मचारियों और अन्य स्टाफ को मिक्स वेजिटेबल पिज्जा और अमूल छाछ का टेट्रा पैक परोसना शामिल है। मानसरोवर पार्क इलाके में मामूली विवाद से शुरू झगड़े में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया था।

फैक्टरी में लिफ्ट गिरने से कर्मचारी की मौत

नई दिल्ली। बवाना औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार दोपहर फैक्टरी की लिफ्ट टूट कर गिरने से कर्मचारी की मौत हो गई। घटना के समय कर्मचारी राजेश (32) पांचवीं मंजिल पर लिफ्ट में सवार हुआ था। परिवार वालों ने फैक्टरी के सामने शव रखकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा बुझाकर लोगों को शांत कराया। पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर लिया है और लिफ्ट गिरने के कारणों की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर निवासी राजेश बवाना पत्नी नीतू देवी, बेटा और बेटी के साथ रहते थे। वह सात साल से बवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एमसीसी बॉक्स बनाने की फैक्टरी में काम करते थे। राजेश के बहनोई अनोज शाह ने बताया कि सोमवार करीब साढ़े तीन बजे उन्हें पुलिस से राजेश के घायल होने की जानकारी मिली। वाल्मीकि अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि डॉक्टरों ने राजेश को मृत घोषित कर दिया है। घटनास्थल पर पता चला कि काम करने के दौरान राजेश सहित लिफ्ट अचानक नीचे गिर गया। शुरुआती जांच में पता चला कि लिफ्ट का तार टूटने की वजह से हादसा हुआ है। उधर शव मिलने के बाद परिवार वाले उसे लेकर फैक्टरी के बाहर रखकर हंगामा करने लगे। परिवार वालों ने मुआवजे की मांग की। मालिक ने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की बात कही है। उसके बाद परिवार वालों ने शव का अंतिम संस्कार किया।

क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को मारी टक्कर, एक की मौत

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर मंगलवार तड़के क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन के साथ-साथ क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। हादसे में वैन में पिछली सीट पर बैठे एक युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त चंदन कुमार (48) के रूप में हुई है। हादसे में उसके साथ वैन में मौजूद साथी नीरज, सुमित और हिमांशु मामूली रूप से जख्मी हो गए। इनको जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने चंदन का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने जीटीबी एन्क्लेव थाने में मामला दर्ज कर आरोपी 17 वर्षीय नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। देर रात उसके साथ क्रेटा में उसके चार दोस्त भी मौजूद थे। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी। पुलिस नाबालिग की सही उम्र का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस बात का भी पता किया जा रहा है कि नाबालिग ने शराब तो नहीं पी हुई थी। जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया के चंदन कुमार अपने परिवार के साथ गांव साहिबाबाद, गाजियाबाद में रहते थे। इनके परिवार में पिता महेश कुमार के अलावा छोटा भाई, पत्नी और एक बेटा व बेटी है। चंदन कौशांबी के एक सिनेमा हॉल में काम करते थे। अक्सर उनकी नाइट शिफ्ट होती थी। सिनेमा हॉल की ओर से घर पहुंचाने के लिए देर रात को स्टाफ के लिए मारुति वैन उपलब्ध करवाई जाती थी। चंदन ड्यूटी खत्म करने के बाद बाकी स्टाफ नीरज, सुमित और हिमांशु के साथ देर रात घर के लिए निकले थे। चारों स्टाफ को लेकर चालक जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर पहुंचा। इसी दौरान लालबत्ती तोड़कर क्रेटा कार ने वैन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वैन के अलावा क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। राहगीरों ने घायलों को निकालकर जीटीबी अस्पताल भेजा, जहां चंदन को मृत घोषित कर दिया गया। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। बाकी स्टाफ को मामूली चोटें थीं। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेटा कार को कब्जे में ले लिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की छानबीन कर रही है।

देवरानी की गला घोंटकर हत्या में पांच साल बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। देवरानी की गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में एक महिला पांच साल तक पुलिस को चकमा देती रही। अब आखिर अपराध शाखा की टीम ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी पहचान बदायूं, यूपी निवासी कौशल्या देवी के रूप में हुई है। पुलिस इससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। वर्ष 2019 में कौशल्या ने अपने पति व देवर के साथ मिलकर देवरानी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामले में कौशल्या के पति राम अवतार और देवर ब्रह्म सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। कौशल्या फरार हो गई थी। इस दौरान यह कई राज्यों में छिपती रही। अब पुलिस ने इसे दिल्ली के गांधी नगर इलाके से गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 में नीरज (23) नामक महिला की उसके घर में गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। शुरुआत में इसे आत्महत्या का रंग देने का प्रयास किया गया, लेकिन बाद में पोस्टमार्टम से हत्या की बात साफ हुई। पुलिस ने नीरज के परिजनों के बयान पर हत्या, दहेज प्रताड़ना समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। मामले में पुलिस ने नीरज के पति ब्रह्म सिंह, कौशल्या के पति राम अवतार को दबोच लिया। इस बीच कौशल्य फरार हो गई। जांच के दौरान कौशल्या के मध्य प्रदेश में छिपे होने का पता चला। दिल्ली की अदालत ने 23 मार्च 2023 को कौशल्या को भगोड़ा घोषित कर दिया। इस बीच महिला दिल्ली के गांधी नगर इलाके में छिपकर रहने लगी। कौशल्या को गांधी नगर से पुलिस ने दबोच लिया। वह सिलाई की फैक्टरी में मजूदूरी कर रही थी।

फैक्टरी में लिफ्ट गिरने से कर्मचारी की मौत

नई दिल्ली। बवाना औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार दोपहर फैक्टरी की लिफ्ट टूट कर गिरने से कर्मचारी की मौत हो गई। घटना के समय कर्मचारी राजेश (32) पांचवीं मंजिल पर लिफ्ट में सवार हुआ था। परिवार वालों ने फैक्टरी के सामने शव रखकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा बुझाकर लोगों को शांत कराया। पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर लिया है और लिफ्ट गिरने के कारणों की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर निवासी राजेश बवाना पत्नी नीतू देवी, बेटा और बेटी के साथ रहते थे। वह सात साल से बवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एमसीसी बॉक्स बनाने की फैक्टरी में काम करते थे। राजेश के बहनोई अनोज शाह ने बताया कि सोमवार करीब साढ़े तीन बजे उन्हें पुलिस से राजेश के घायल होने की जानकारी मिली। वाल्मीकि अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि डॉक्टरों ने राजेश को मृत घोषित कर दिया है। घटनास्थल पर पता चला कि काम करने के दौरान राजेश पांचवीं मंजिल पर थे।

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Sarve Preet Kaur Kochhar W/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Sarvepreet kaur and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYUR-DHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PRITI DAS D/O DALIP KUMAR residing at D-293 J.J COLONY KHYALA, DELHI-110018 . have changed my name to PRITY DASS for all future purposes.

NAME CHANGE
I, S BHASKARA VIJAY KUMAR residing at-H NO-6-225/6, PADMANABHANAGAR, VENKATAPURAM, NEAR RAMALAYAM, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-530029, have changed my mother's name from SENAPATHI VENKATA RATNAM to SENAPATHI APPALA RATNAM for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SWETA RAI BHUTIA Wife of No. 5458488P Rank-NK Name-TSHERING BHUTIA Presently residing at VILL-DURPIN GUMBA, PO-KALIMPONG, DISTT-KALIMPONG, WEST BENGAL-734301, have changed my name from SWETA RAI BHUTIA to SWETA RAI for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before Notary Public, Delhi.

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए वीओसी निगरानी तंत्र की मांग

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओजोन दिवस पर मंगलवार को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) में पर्यावरण वैज्ञानिक और नीति विशेषज्ञ जुटे। इसमें वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (वीओसी) की व्यापक निगरानी की तत्काल आवश्यकता, ओजोन परत और जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए मजबूत जलवायु कार्रवाई पर जोर दिया गया। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए उन्नत वीओसी निगरानी तंत्र की मांग की गई। इस कार्यक्रम का विषय विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई था। इसका आयोजन पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की ओर से किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व अपर निदेशक डॉ. एसके त्यागी ने भारत के प्रमुख नगरीय केंद्रों में एक समर्पित वीओसी निगरानी तंत्र स्थापित करने के लिए ठोस प्रमाण प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत 2019-2025 की अवधि में 11,211 करोड़ आवंटित होने के बावजूद केवल 68 फीसदी का ही प्रभावी उपयोग हुआ। क्षमता निर्माण और निगरानी जैसे महत्वपूर्ण घटकों को मात्र चार फीसदी आवंटन प्राप्त हुआ है, जिसे तत्काल बढ़ाना आवश्यक है। भारतीय नगरों में भूतल ओजोन प्रदूषण के चिंताजनक आंकड़े सामने आए हैं। दिल्ली में 2024 में 75 दिन घंटे भर के ओजोन मानदंड का उल्लंघन दर्ज किया गया। जबकि मुंबई में ऐसे दस दिन रहे। यह आंकड़े व्यवस्थित वीओसी पूर्वगामी निगरानी की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। विशेषज्ञ डॉ. प्रतिमा सिंह ने कहा कि ओजोन सुरक्षा और जलवायु कार्रवाई की परस्पर संबद्ध प्रकृति पर बल दिया और कहा कि ओजोन क्षयकारी पदार्थों को चरणबद्ध रूप से समाप्त करने से पहले ही 0.5एष्टतक की वैश्विक तापवृद्धि को रोका जा चुका है। इस कार्यक्रम में डीटीयू कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा, कुलसचिव प्रो. नरेंद्र कुमार, पर्यावरण विज्ञान एवं आभियांत्रिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. गीता सिंह, संयोजक डॉ. राजीव कुमार मिश्रा सहित अन्य वक्ताओं के साथ संवाद किया। वक्ताओं ने बेहतर नीति वकालत, टिकाऊ शीतलन प्रौद्योगिकियों में वैज्ञानिक नवाचार और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का समर्थन करने वाले जीवनशैली विकल्पों का आह्वान किया।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **बब्लू कश्यप पुत्रः** रमेश चंद **पताः** मकान नंबर 66, हरि नगर, त्यागी मार्केट, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, ने **FIR No. 327/18, U/s 411 IPC थानाः कमला मार्केट, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बब्लू कश्यप,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बब्लू कश्यप,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 327/2018, U/s 411 IPC थानाः कमला मार्केट, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **बब्लू कश्यप,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री भारती बेनीवाल
जेएमएफसी-12, कमरा नंबर 264
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/13780/CD/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सीसीटीवी कैमरे वाले प्ले स्कूलों को ही मिलेगी मान्यताः सुमन राणा

एजेंसी

पलवल। जिले में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने निजी प्ले स्कूलों के लिए नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। आयोग की सदस्य सुमन राणा और गणेश कुमार ने लघु सचिवालय पलवल में प्ले स्कूल प्रबंधकों के साथ बैठक की। इसमें स्पष्ट किया गया कि अब प्ले स्कूलों को महिला एवं बाल विकास विभाग से मान्यता लेना अनिवार्य होगा और सीसीटीवी कैमरे लगे होना भी आवश्यक है। आयोग ने चेतावनी दी कि बिना मान्यता के चल रहे किसी भी प्ले स्कूल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला बाल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ऐसे सभी निजी प्ले स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें, जो बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। एक समिति का गठन भी अनिवार्य बैठक में बताया कि सभी प्ले स्कूलों के बाहर चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर-1098 प्रदर्शित होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, स्कूलों में बच्चों को लैंगिक अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए पोक्सो एक्ट-2012 के तहत एक समिति का गठन भी अनिवार्य है। सभी नियम और सीसीटीवी कैमरे सुचारू रूप से कार्यरत होने चाहिए। प्ले स्कूल प्रबंधकों ने बैठक में नियमों में संशोधन का सुझाव दिया, जिस पर विभागीय स्तर पर जल्द विचार करने का आश्वासन दिया गया।

संस्कृति को जीवंत बनाए रखने में अह्म भूमिका निभाते करवा चौथ जैसे आयोजन : डॉ. अतुल ढींगड़ा

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा करवा चौथ के उपलक्ष्य पर मेहंदी व गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा ने किया। डॉ. ढींगड़ा ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया और बताया कि ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति को जीवंत बनाए रखने में अह्म भूमिका निभाते हैं और मेहंदी केवल सौंदर्य का प्रतीक नहीं बल्कि प्रेम, आस्था और उत्सव का प्रतीक भी है। कार्यक्रम संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग की छात्राओं द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. कविता दुआ जाधव की देखरेख में हुआ। करवा चौथ के शुभ अवसर पर छात्राओं के लिए मेहंदी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया। जजों के लिए वजेताओं का चयन करना कठिन रहा क्योंकि प्रत्येक प्रतिभागी की मेहंदी कला अदभुत और आकर्षक थी। इसके बाद गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में रितिका प्रथम, मुस्कान द्वितीय व सेजल तृतीय स्थान पर रही। उनके सुरों की मिठास ने पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया। कार्यक्रम में रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियों ने सभी का दिल जीत लिया। पूरा कार्यक्रम उल्लास, उमंग और भारतीय संस्कृति की सुगंध से भरपूर रहा। इस आयोजन ने यह सिद्ध किया कि परंपरा और आधुनिकता का संगम ही हमारे समाज की पहचान है।

मानेसर नगर निगम क्षेत्र में सडक़ें गड्ढा मुक्त करने का1 देना होगा प्रमाण पत्र

गुरुग्राम। मानेसर नगर निगम क्षेत्र में सडक़ों को गड्ढा मुक्त करना ही काफी नहीं होगा, बल्कि इसके लिए अधिकारियों को प्रमाण पत्र देना होगा। तभी सडक़ों को गड्ढा मुक्त माना जाएगा। यह निर्देश निगमायुक्त आयुष सिन्हा ने इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों के साथ बैठक में दिए। नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने कहा कि निगम की इंजीनियरिंग विंग निगम क्षेत्र की सडक़ों को एक सप्ताह के भीतर गढ्ढ़ा मुक्त करके प्रमाण पत्र दें। वार्डों में नई बनने वाली सडक़ों और गलियों के निर्माण की जरूरी प्रक्रिया पूरी करके जल्द काम शुरू करवाने के निर्देश दिए। आयुक्त आयुष सिन्हा ने अधिकारियों को आदेश देते हुए कहा कि सडक़ों को गड्ढा मुक्त करें और एक सप्ताह के भीतर काम पूरा करके प्रमाण पत्र आयुक्त कार्यालय में दें। आयुक्त ने निगम क्षेत्र के गांवों की मुख्य सडक़, फिरनी और आंतरिक सडक़ों के सुधार और निर्माण के आदेश देते हुए कहा कि आमजन को सुगम और गढ्ढ़ा मुक्त रास्तें बनाकर देना ही निगम का मुख्य ध्येय है। मानसून सीजन खत्म हो गया है। अब निर्माण कार्यों में तेजी लाएं। स्पेशल रोड रिपेयरिंग के तहत सडक़ों को ठीक किया जाए।

विधायक रणधीर पनिहार ने किया जल आपूर्ति लाइनों के कार्यों का शिलान्यास

हिसार। नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने सेक्टर-15 ए हिसार में 3.40 करोड़ की लागत से मौजूदा जल आपूर्ति लाइनों के नवीनीकरण के कार्य का शिलान्यास किया। इससे सेक्टर-15, जवाहर नगर, हाउसिंग बोर्ड के निवासियों को लाभ होगा। रणधीर पनिहार ने कहा कि क्षेत्रवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। ग्रामीण हो या शहरी क्षेत्र नलवा हलके में लोगों को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सके इसके लिए पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई एवं उनके प्रयास लगातार जारी हैं। इसी दिशा में यह कार्य शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनहितैषी नायब सैनी सरकार के नेतृत्व में प्रदेश के हर क्षेत्र का एक समान एवं चहुमंखी विकास कार्य तेजी से जारी है। हर वर्ग के लोगों की खुशहाली के लिए मुख्यमंत्री के प्रयास सराहनीय हैं। समाज के वंचित से वंचित और जरूरतमंद वर्ग तक सरकार की नीतियों का लाभ पहुंचे इसके लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में उन्होंने क्षेत्र की जनता से जो वादे किए थे।

आईपीएस वाई पूरन कुमार सुसाइड मामले में बड़ा एक्शन

रोहतक एसपी तत्काल प्रभाव से हटाए गए

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस के सीनियर आईपीएस अधिकारी, वाई पूरन कुमार के सुसाइड केस में नायब सिंह सैनी सरकार ने बड़ा एक्शन लेना शुरू कर दिया है। इस मामले में मुख्य आरोपियों में शामिल माने जा रहे रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणियां को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटा दिया गया है। बिजारणियां 2015 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। यह मामला कुछ दिन पहले तब सामने आया, जब एडीजीपी रैंक के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या

कर ली थी। आत्महत्या से पहले उन्होंने हरियाणा पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर, रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणियां समेत कई अन्य अफसरों पर जातिगत भेदभाव और मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, नायब सिंह सैनी सरकार ने शनिवार को तत्काल प्रभाव से कार्रवाई शुरू कर दी। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, रोहतक के एसपी के पद से नरेंद्र बिजारणियां को हटा दिया गया है। उनकी जगह 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी सुरेंद्र सिंह भोरिया को रोहतक का नया पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किया गया है। सुरेंद्र सिंह भोरिया इससे पहले 5वीं बटालियन में कमांडेंट के पद पर कार्यरत थे। इस कार्रवाई को सरकार द्वारा मामले की गंभीरता को स्वीकार करने और जांच में पारदर्शिता लाने के पहले कदम के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, डीजीपी शत्रुजीत कपूर पर लगे आरोपों को लेकर अभी कोई बड़ी कार्रवाई सामने नहीं आई है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी द्वारा आत्महत्या और शीर्ष अधिकारियों पर लगाए गए इस तरह के गंभीर आरोप हरियाणा पुलिस प्रशासन और कानून-व्यवस्था के भीतर चल रही समस्याओं की ओर इशारा करते हैं, जिस पर विपक्ष भी लगातार सरकार को घेरने की तैयारी में है।

एंबियंस आइलैंड में तीन करोड़ से ज्यादा टैक्स बकाया होने पर तीन प्रॉपर्टी सील

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम ने प्रॉपर्टी टैक्स डिफॉल्टरों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए एंबियंस आइलैंड क्षेत्र में स्थित तीन प्रॉपर्टीज को सील कर दिया। निगम के अनुसार, इन प्रॉपर्टीज पर तीन करोड़ रुपये से अधिक का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। नगरा निगम की ओर से बार-बार नोटिस और चेतावनी देने के बावजूद भी संबंधित प्रॉपर्टी मालिकों द्वारा टैक्स का भुगतान नहीं किया गया था। यह कार्रवाई जोन-3 के जोनल टैक्स ऑफिसर राजेश यादव की टीम द्वारा की गई। निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर कानूनी प्रक्रिया के तहत तीनों प्रॉपर्टीज को सील किया। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि नगर निगम द्वारा टैक्स डिफॉल्टरों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने

कहा कि प्रॉपर्टी टैक्स नगर निगम की आय का प्रमुख स्रोत है, जिससे शहर में विकास कार्यों के लिए धन उपलब्ध होता है। अतः टैक्स अदायगी में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे समय पर अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा करें ताकि उनके खिलाफ किसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। निगम ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि सीलिंग के बाद भी टैक्स बकाया नहीं चुकाया गया, तो संबंधित प्रॉपर्टीज की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स वसूली को लेकर चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत यह कार्रवाई अब तक की बड़ी कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है।

आईपीएस अधिकारी पूरन कुमार खुदकुशी मामले में मुख्य सचिव और डीजीपी को एनसीएससी का नोटिस

एजेंसी

चंडीगढ़ । नेशनल कमीशन फॉर शेड्यूल्ड कास्ट्स (एनसीएससी) ने दलित आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। एनसीएससी ने इस सिलसिले में चंडीगढ़ के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी कर सात दिन के भीतर कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट पेश करने को कहा है। यह नोटिस भारत के संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत आयोग की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए जारी किया गया है। घटना के बाद आयोग ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू करने का फैसला किया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि रिपोर्ट में सभी आरोपियों के नाम, दर्ज एफआईआर की संख्या, तारीख और संबंधित धाराएं, आरोपियों की गिरफ्तारी की स्थिति और पीड़ित परिवार को दिए गए मुआवजे (अगर कोई हो) का ब्योरा शामिल होना चाहिए। यह कदम दलित समुदाय के अधिकारों की रक्षा और मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के

लिए उठाया गया है। एनसीएससी द्वारा मुख्य सचिव और डीजीपी को भेजे गए पत्र में चेतावनी दी गई है कि अगर तय समय सीमा के अंदर जवाब नहीं मिला तो आयोग संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत मिली सिविल कोर्ट की शक्तियों का उपयोग करेगा। इसके तहत आयोग व्यक्तिगत रूप से या उनके प्रतिनिधि के माध्यम से उनकी हाजिरी के लिए समन जारी कर सकता है। यह कदम मामले में देरी या लापरवाही को रोकने के लिए उठाया गया है। वाई पूरन कुमार की आत्महत्या ने चंडीगढ़ प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। आयोग का मानना है कि इस घटना की गहन जांच जरूरी है, क्योंकि यह दलित समुदाय के एक वरिष्ठ अधिकारी से जुड़ा मामला है। तारीख 10 अक्टूबर है और रिपोर्ट जमा करने की समय सीमा 17 अक्टूबर तक है। आयोग ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह स्वयं मामले की जांच के लिए चंडीगढ़ जा सकता है। इस नोटिस से साफ है कि एनसीएससी इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और समयबद्ध कार्रवाई की उम्मीद कर रहा है। चंडीगढ़ प्रशासन पर अब जांच को तेज करने और रिपोर्ट समय पर सौंपने का दबाव बढ़ गया है।

जींद के नवदीप स्टेडियम नरवाना में हुआ सांसद खेल महोत्सव का आयोजन

एजेंसी

जींद। हरियाणा के जींद जिले में स्थित नरवाना नगर के नवदीप स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन हुआ। इस खेल महोत्सव में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। जबकि राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। नरवाना के एसडीएम जगदीश चंद्र नोडल अधिकारी के रूप में मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने खिलाडिय़ों को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद खेल महोत्सव के आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में खेल प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और खिलाडिय़ों में बेहतर खेल प्रतिभा पैदा करना है। खेलों से युवा पीढ़ी का जहां समग्र विकास होता है वहीं प्रतियोगिता के इस युग में अनुशासन एवं एकाग्रता के साथ अपने जीवन में निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रेरणा भी मिलती है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा पारदर्शी खेल नीति से युवा खिलाडिय़ों को नया प्रोत्साहन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय

स्तर की ओलंपिक, एशियाड तथा कॉमनवेल्थ जैसी खेल प्रतियोगिताओं में विजेता टीमों को करोड़ों रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है। इसके अलावा खिलाडिय़ों को बेहतर एवं उत्कृष्ट खेल सुविधाएं प्रदान करने के लिए निरंतर सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि नवदीप स्टेडियम में आधुनिक पवेलियन निर्माण के लिए तीन करोड़ 28 लाख रुपये तथा स्टेडियम नवीनीकरण के लिए एक करोड़ 70 लाख रुपये की राशि सरकार द्वारा मंजूर की जा चुकी है।राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देश पर पूरे देश के प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव खिलाड़ियों के सम्मान में लिया गया अनूठा फैसला है। यह आयोजन जहां मेजर ध्यानचंद जैसे खिलाडिय़ों के प्रति समर्पण एवं श्रद्धांजलि की भावना से ओतप्रोत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 अक्टूबर को आएंगे हरियाणा दौरे पर

- प्रदेशवासियों को देंगे करोड़ों रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं की सौगात
- कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17अक्तूबर, 2025 को हरियाणा के सोनीपत दौरे पर आएंगे। अपने इस दौरे के दौरान वे प्रदेशवासियों को करोड़ों रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा हरियाणा के विकास को नई गति और दिशा प्रदान करेगा तथा'विकसित भारत-विकसित हरियाणा'के संकल्प को और सशक्त बनाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री के आगामी कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार की शाम चंडीगढ़ में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां समयबद्ध और समन्वित तरीके से की जाएं। उन्होंने उद्घाटन एवं शिलान्यास की जाने वाली संभावित परियोजनाओं

की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम की समय-सारिणी, रूट प्लान, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन रणनीति को अंतिम रूप देने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी बुनियादी ढाँचे, आयोजन स्थल की तैयारियाँ निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी हो जाएँ। सभी संबंधित विभाग पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने के लिए आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए, इसलिए आमजन के लिए भी अलग से रूट प्लान किए जाएं। पार्किंग की व्यवस्था भी कार्यक्रम स्थल के आस-पास की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, जनसुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, स्वच्छता व्यवस्था को भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में हरियाणा ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। केंद्रीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और निवेश को बढ़ावा देने वाली पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के कारण हरियाणा आज देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह दौरा न केवल हरियाणा के लिए गर्व का अवसर है, बल्कि यह राज्य के विकास गाथा के लिए भी अहम पड़ाव सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश में आधारभूत ढांचे का तीव्र विकास हुआ है, जिससे निवेश, रोजगार और नागरिक सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री का यह दौरा हरियाणा के विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाएगा।

विकास कार्यों को तय समय में पूरा करवाएं अधिकारी:कृष्ण कुमार

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी के बावल स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में विकास कार्यों को लेकर बावल के विधायक डॉ कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। विधायक डॉ कृष्ण कुमार ने कहा कि बावल क्षेत्र में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। बावल के विकास कार्यों को तीव्रता के साथ पूरा करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह की अगुवाई में बावल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होने से क्षेत्र में आमजन को सभी स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने लगी है। उन्होंने कहा कि बावल

क्षेत्र के सभी मुद्दों और समस्याओं को खत्म करने के लिए तत्पर है और विधानसभा में भी बावल की आवाज को जोर शोर से उठाया जाता है। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्यों को तय सीमा में पूरा करवाएं, ताकि सरकार की योजनाओं को अमलीजामा पहनाया जाए। वहीं विधायक ने समीक्षा बैठक अब हर महीने आयोजित करने का निर्णय भी लिया। इस मौके पर विधायक डॉ कृष्ण कुमार ने जन समस्याएं सुनकर मौके पर समाधान भी करवाया।

किसानों ने खेतों में भरा पानी निकालने व नुकसान का मुआवजा देने की मांग की

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के पानीपत की मतलौडा नई अनाज मंडी में नौ अक्टूबर को दोपहर बाद हुई गोलीबारी के विरोध में आज मंडी में अनिश्चित कालीन हड़ताल कर दी गई है। दुकानदारों ने फैसला किया है कि जब तक पुलिस प्रशासन दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करेगी, तब तक मंडी में कोई कार्य नहीं होगा। पूरी मंडी सुनसान पड़ी रही।

मंडी के प्रधान दीपक गर्ग ने बताया कि इस मामले में ठोस कार्रवाई न होने तक मंडी में काम बंद रहेगा। उन्होंने कहा कि आढ़तियों में रोष है और किसान भी परेशान हो रहे हैं। गर्ग ने आरोप लगाया कि बदमाशों ने अनाज मंडी को दहशतगर्दी का अड्डा बना दिया है, इसलिए जबतक प्रशासन कोई ठोस कार्रवाई नहीं करता तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

गौरतलब है कि नौ अक्टूबर को दोपहर बाद दुकान नंबर 35 पर पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच समझौते के लिए एक पंचायत बुलाई गई थी। इस पंचायत में 50-60 लोग शामिल थे। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों में बहस हुई और फिर गोलियां चल गईं।

इस घटना में दो व्यक्तियों को गोली लगी है। दुकान मालिक भीम सिंह के कंधे में गोली लगी, जबकि दूसरे पक्ष के बाबा जितेंद्र गिरी की बाजू में गोली लगी। इसके अलावा, गांव नैन निवासी विक्की और अजीत उर्फ जीता को भी चाकू लगे हैं।

थाना मतलौडा प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि उन्हें मंडी में गोलीबारी की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। उन्होंने कहा कि मामले एक पक्ष ने पुलिस में शिकायत दी है। शिकायत के आधार पर पुलिस कार्रवाई करेगी।

एसडीएम ने समाप्त करवाया किसान नेता का अनशन

एजेंसी

जींद। उचाना हाइवे स्थित अतिरिक्त मंडी में चल रहा संयुक्त किसान, मजदूर मोर्चा उचाना का अनिश्चित कालीन धरना समाप्त हुआ। अनिश्चित कालीन अनशन पर बैठे पूर्व मंडी प्रधान बलराज श्योकंद के साथ-साथ क्रमिक अनशन पर बैठे चार किसानों को जूस पिलाकर अनशन को एसडीएम दलजीत सिंह द्वारा समाप्त करवाया गया। इस दौरान खरीद एजेंसी, मार्केट कमेटी अधिकारी एवं आढ़ती मौजूद रहे। पांच दिनों से पीआर धान की खरीद में नमी के नाम पर कटौती के आरोप लगाते हुए अनिश्चित कालीन धरना शुरू किया था। सरकारी मापदंड पर खरी उतरने वाली पीआर धान खरीदे जाने, खरीद को लेकर जो मिल अब अलॉट है उसके अलावा अन्य मिल अलॉट किए जाने की मांग की जा रही थी। एसडीएम दलजीत सिंह ने कहा कि किसानों को किसी तरह की परेशानी खरीद को लेकर नहीं आने दी जा रही है। पहले भी धरने दे रहे किसान नेताओं से मुलाकात की थी। पीआर धान की खरीद का जायजा भी लिया था। जो भी पीआर धान सरकारी मापदंड पर खरीद उतर रही है उसको आते ही मंडी में खरीदा जा रहा है। किसी भी तरह की कोताही खरीद के दौरान मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। खरीद एजेंसी अधिकारी को निर्देश दिए गए है कि बिना किसी देरी के पीआर धान जो भी सरकारी मापदंड पर खरी उतरे उसे खरीदा जाए ताकि किसान को परेशानी न हो।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हरियाणा आगमन का हर नागरिक और कार्यकर्ताओं को बेसब्री से इंतज़ार : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोनीपत रैली की तैयारियों को लेकर भाजपा ने प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है। पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में होने वाली इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी की रैली को लेकर अब तक हुई तैयारियों की समीक्षा की जाएगी, वहीं रैली की व्यवस्था में कोई कमी ना रहे इसकी जिम्मेदारियां कार्यकर्ताओं को सौंपी जाएगी। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्रियो के अलावा मंत्री, सांसद, विधायकों सहित तमाम नेता मौजूद रहेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि 17 अक्टूबर को नायब सरकार का एक वर्ष पूरा हो रहा है। जन-जन में भी नायब सरकार की वर्षगांठ को लेकर उत्साह और उमंग है। श्री बड़ौली ने कहा कि 17 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हरियाणा आगमन का हर नागरिक और कार्यकर्ताओं को बेसब्री से इंतज़ार है। बड़ौली ने कहा कि 11 अक्टूबर शनिवार को सुबह 11 बजे होने वाली कार्यकारिणी की यह बैठक काफी महत्वपूर्ण है। इस इस बैठक पीएम मोदी के जन्म दिन

पर चलाए गए सेवा पखवाड़ा व वर्तमान में चल रहे अभियानों की समीक्षा की जाएगी और आगामी कार्यक्रमों की व्यापक रूपरेखा तैयार की जाएगी। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि 17 अक्टूबर को सोनीपत में होने वाली पीएम मोदी की यह रैली भव्य होगी। रैली में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो इसका विशेष ख्याल रखने के लिए कार्यकर्ताओं की विशेष जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह रैली ऐतिहासिक होने वाली है। पीएम मोदी सोनीपत से ही प्रदेश को करोड़ों की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि कार्यकारिणी की इस बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष, मोर्चों के राष्ट्रीय पदाधिकारी, विभाग व प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक, चेयरमैन, पूर्व मंत्री, मेयर जिला परिषद के चेयरमैन और जिलों के जिला अध्यक्ष एवं प्रभारी मौजूद रहेंगे। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने बीते एक वर्ष में हर वर्ग और हर समुदाय के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी एक साल में नायब सरकार ने एचकेआरएन के एक लाख से भी अधिक युवाओं की नौकरियों को सुरक्षित किया है। प्रदेश की महिलाओं के लिए दीनदयाल लाडो लक्ष्मी जैसी महत्वपूर्ण योजना को लागू किया गया है।

हरियाणा में 28 राजकीय महाविद्यालयों को मिले प्राचार्य

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के 28 राजकीय महाविद्यालयों को प्राचार्य मिल गए हैं। पदोन्नत होकर प्राचार्य बने सभी लेक्चरर को तुरंत प्रभाव से नया स्टेशन संभालने का निर्देश दिया गया है। हिसार में सबसे ज्यादा चार कालेजों में प्राचार्यों की नियुक्ति की गई है। पंचकूला जिले के तीन, भिवानी, रोहतक, करनाल, अंबाला, जींद, सिरसा और चरखी दादरी के दो-दो तथा कुरुक्षेत्र, रेवाड़ी, सोनीपत, नूंह, कैथल, पानीपत और यमुनानगर के एक-एक कालेज में प्राचार्य को भेजा गया है। इसके बावजूद प्रदेश में 86 कालेज बिना प्राचार्य के रहेंगे। स्थिति यह है कि एक प्राचार्य के पास तीन-तीन कालेजों की डीडी (आहरण एवं वितरण) पावर है। डीडी पावर की परेशानी पहले भी प्राचार्य और प्रोफेसर बता चुके हैं। कालेजों में डीडी पावर लेने से इनकार करने वाले प्रोफेसरों को दो जुलाई को चेतावनी पत्र जारी हुआ था। उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने सभी कालेजों को पत्र जारी कर चेतावनी दी है कि डीडी पावर से मुंह मोड़ने वाले प्रोफेसरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीडी पावर का मतलब है किसी व्यक्ति या अधिकारी को वित्तीय लेनदेन करने, विशेष रूप से धन निकालने और खर्च करने का अधिकार होना। दरअसल कालेज प्रिंसिपल के लिए 75 प्रतिशत पद पदोन्नति से भरे जाते हैं, जबकि 25 प्रतिशत पदों को सीधी भर्ती से भरा जाता है। कालेज शिक्षकों का कहना है कि 2013 के बाद से विभाग की ओर से प्रिंसिपल की सीधी भर्ती नहीं की गई है। इससे पहले 25 प्रतिशत पदों को सीधी भर्ती से भरा जाता था और शेष पदों को पदोन्नति से भरा जाता था। सीधी भर्ती को लेकर उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से कई बार कोशिशें की गई, लेकिन प्रस्ताव ठंडे बस्ते में ही रहे। इसलिए हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) के पास प्रिंसिपल पदों की भर्ती की मांग ही नहीं गई है।

इधर ट्रंप ने ऐलान किया उधर क्रिप्टो मार्केट में मचा हाहाकार, कई कंपनियों के शेयर गिर

वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, '1 नवंबर 2025 से (या उससे पहले अगर चीन कोई और कदम उठाता है) अमेरिका चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा, जो मौजूदा करों से ऊपर होगा। इसी दिन से सभी क्रिटिकल सॉफ्टवेयर पर एक्सपोर्ट कंट्रोल भी लगाए जाएंगे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम इसलिए जरूरी है क्योंकि चीन 'लगभग हर उत्पाद' पर बड़े पैमाने पर एक्सपोर्ट कंट्रोल लागू करने की योजना बना रहा है। उन्होंने इसे 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक खतरनाक मिसाल' बताया। अभी अमेरिका चीन के उत्पादों पर 30 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। ट्रंप की नई घोषणा के बाद यह दर कुल मिलाकर 130 प्रतिशत हो जाएगी। ट्रंप के इस बयान के बाद क्रिप्टोकरेंसी और अमेरिकी शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। बिटकॉइन और इथीरियम समेत अमेरिका में टेस्ला और अमेजन जैसी कंपनियों के शेयर गिर गए।

ट्रंप ने यह फैसला तब लिया है जब चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स पर नए एक्सपोर्ट नियंत्रण लगाने का ऐलान किया। ये खनिज मोबाइल, कंप्यूटर चिप्स, बैटरी और सोलर पैनल जैसे टेक प्रोडक्ट्स बनाने में जरूरी होते हैं। ट्रंप के ऐलान के तुरंत बाद बिटकॉइन और इथेरियम जैसी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी के दाम गिर गए। बिटकॉइन 10 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर डॉलर 1,10,000 के नीचे चला गया, बाद में हल्का सुधार होकर डॉलर 1,13,096 पर पहुंचा। इथेरियम 11.2 प्रतिशत टूटकर डॉलर 3,878 पर आ गया।

बीएनबी, सोलाना और एक्सआरपी जैसी क्रिप्टोकरेंसी में भी 14 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों का कहना है कि ट्रेड वार के डर से निवेशकों ने जोखिम भरे निवेश, जैसे क्रिप्टो और टेक स्टॉक्स, से पैसा निकालना शुरू कर दिया है।

महिंद्रा बोलेरो फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च, कीमत है रुपए 7.99 लाख

नई दिल्ली

महिंद्रा ने महिंद्रा बोलेरो का फेसलिफ्ट वर्जन 2025 लॉन्च किया है, जिसकी शुरुआती कीमत रुपए 7.99 लाख रखी गई है। नए मॉडल में एक्सटीरियर, इंटीरियर और राइड कम्फर्ट को लेकर कई अहम अपडेट किए गए हैं। बोलेरो के नए फेसलिफ्ट में कंपनी ने इसके सिग्नेचर बॉक्सी स्टांस और सीधे आकार को बरकरार रखा है। एक्सटीरियर में नया 5-स्लैट क्रोम-एक्सेंटेड ग्रिल, टॉप-स्पेक बी 8 ट्रिम पर 16-इंच के नए एलॉय व्हील और बी6 वैरिएंट से शुरू होने वाले फॉग लैंप शामिल किए गए हैं। इसके अलावा, स्टील्थ ब्लैक पेंट का नया विकल्प भी पेश किया गया है। हालांकि, बोलेरो की मजबूत और सिंपल डिजाइन इसकी पहचान बनाए रखती है। इंटीरियर में सबसे बड़ा बदलाव टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है। हालांकि, एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले की कनेक्टिविटी अभी नहीं दी गई है। इसके अलावा स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल,यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट, डोर बॉटल होल्डर और टॉप ट्रिम्स पर लेदरेट अपहोल्स्ट्री भी नई है। सुरक्षा के लिहाज से सभी वैरिएंट में डुअल एयरबैग स्टैंडर्ड हैं। हुड के नीचे बदलाव नहीं किया गया है। इसमें भरोसेमंद 1.5-लीटर, 3-सिलेंडर डीजल इंजन मिलता है, जो 76एचपी पावर और 210 एनएम टॉर्क जनरेट करता है।

यह 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के जरिए पिछले पहियों को पावर देता है। एसयूवी का लैडर-फ्रेम चेसिस अब भी बरकरार है, लेकिन पीछे पुराने लीफ स्प्रिंग की जगह नया डैम्पर सिस्टम लगाया गया है। यह एडवांस्ड सेटअप उबड़-खाबड़ रास्तों पर सवारी के आराम और स्थिरता को बेहतर बनाता है। महिंद्रा बोलेरो फेसलिफ्ट अपने नए डिज़ाइन और फीचर्स के साथ पुराने ग्राहकों और नए खरीदारों दोनों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गई है, जो मॉडर्न और प्रैक्टिकल एसयूवी अनुभव प्रदान करती है।

जीएसटी कटौती से कार और बाइक की बिक्री में उछाल

नई दिल्ली

सितंबर महीने में जीएसटी कटौती और नवरात्रि ऑफर्स की वजह से कार और बाइक की बिक्री में तेज उछाल देखने को मिला। अनुमानित 3.75 से 3.8 लाख वाहन फैक्ट्रियों से डिस्पैच किए गए, जो पिछले साल की तुलना में 5-6 प्रतिशत ज्यादा हैं। वहीं, रिटेल बिक्री में लगभग 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, अचानक बढ़ी मांग और त्योहारों की खरीदारी ने ट्रांसपोर्ट नेटवर्क पर दबाव बढ़ा दिया है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के ऑटोमोटिव डिवीजन के सीईओ नालिनिकांत गोल्लागुंटा ने बताया कि त्योहारों की मांग ने ट्रेलरों की उपलब्धता पर असर डाला है, लेकिन हम डीलर नेटवर्क तक वाहनों की डिलीवरी सुधारने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं'देश की सबसे बड़ी कार निर्माता मारुति सुजुकी के पास भी करीब 2.5 लाख पेंडिंग डिलीवरी हैं। कंपनी रेलवे ट्रांसपोर्ट का उपयोग कर डिलीवरी समय पर करने का प्रयास कर रही है। वहीं, बीएमडब्ल्यू इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ हरदीप सिंह बरार ने कहा कि दिवाली और धनतेरस पर डिलीवरी लेने का ट्रेंड मजबूत है, लेकिन लॉजिस्टिक समस्याओं को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है। टू-व्हीलर और इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं के लिए चुनौती दोगुनी है। लॉजिस्टिक बाधाएं और रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी उत्पादन को प्रभावित कर रही हैं। प्रमुख टू-व्हीलर कंपनियों ने बताया कि कीमतों में कटौती के बाद मांग में उछाल आया, लेकिन मैग्नेट की कमी ने उत्पादन को सीमित कर दिया। सितंबर में टीवीएस मोटर, बजाज ऑटो और रॉयल एनफील्ड ने मजबूत बिक्री दर्ज की। रॉयल एनफील्ड की बिक्री में 43 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि टाटा मोटर्स की कमर्शियल गाड़ियों की बिक्री में 16 प्रतिशत और अशोक लेलैंड में 7 प्रतिशत की वृद्धि रही।

80000 दैनिक वेतन भोगियों की नौकरी खतरे में

दिग्विजय सरकार की याद ताजा हुई

भोपाल

25 साल पहले मध्य प्रदेश शासन ने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति पर प्रतिबंध लगाया था। उस समय केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय द्वारा दैनिक वेतन भोगियों को हटाने के आदेश म.प्र. शासन को दिए गए थे। उस समय प्रदेश कर्ज के बोझ से दबा हुआ था। उस समय इसको लेकर बड़ा बवाल हुआ था। उमा भारती और कल्पना परुलेकर ने उस समय प्रदेश में बड़ा आंदोलन भी किया था। 25 साल बाद एक बार फिर दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का मामला तूल पकड़ गया है। पिछले 25 वर्षों में 80000 से अधिक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी नगरीय निकायों में प्रतिबंध के बाद संस्थाओं में नियुक्त किए गए हैं। नगरीय निकाय विभाग अब इनको नौकरी से निकलने पर विचार कर रहा है। ऐसी स्थिति में मध्य प्रदेश के लगभग 80000 दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी बेरोजगारी की कगार पर खड़े हो गए हैं।

नगरीय निकाय विभाग ने सभी नगरीय संस्थाओं से दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के बारे में जानकारी मांगी है। यह जानकारी 25 अक्टूबर तक सभी संस्थाओं को देनी है।

उपसचिव प्रमोद शुक्ला के हस्ताक्षर से जारी आदेश में स्पष्ट रूप से लिखा हुआ है। मार्च 2000 के बाद दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति पर पूर्ण प्रतिबंध लगा हुआ है। उसके बाद जो भी नियुक्तियां हुई हैं। उसकी जानकारी शासन ने मांगी है।

नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है।

सरकार की ओर से उन्हें पर्याप्त आर्थिक मदद नहीं मिल पा रही है। ऐसी स्थिति में एक बार फिर दैनिक वेतन भोगियों को नौकरी से हटाने की बात होने लगी है।

यदि सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया, तो लगभग 80 हजार दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी नौकरी से निकाल दिए जाएंगे। 80000 दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी बेरोजगारी के कगार पर खड़े हैं।

सरकार ने विद्युत अधिनियम में बड़े सुधारों का प्रस्ताव रखा

उद्योगों को बिजली दरों में राहत देने का लक्ष्य

नई दिल्ली

सरकार ने विद्युत क्षेत्र के वित्तीय सुधारों को आगे बढ़ाते हुए विद्युत अधिनियम में महत्वपूर्ण संशोधन का मसौदा विधेयक 2025 प्रस्तुत किया है। इस संशोधन में बिजली की दरें लागत के अनुरूप तय करने को अनिवार्य बनाया जाएगा। इससे बिजली वितरण कंपनियों के भारी घाटे को कम करने और वित्तीय स्थिरता लाने का प्रयास किया जाएगा। मसौदे में विशेष रूप से उद्योगों के लिए बिजली दरों को कम करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। इसके साथ ही रेलवे और मेट्रो रेल प्रणालियों को पांच वर्षों के भीतर क्रॉस-सब्सिडी के बोझ से मुक्त करने की योजना है, जिससे मालवहन और यात्री परिवहन की लागत में कमी आएगी। राज्य विद्युत नियामक आयोगों को स्वतः संज्ञान लेकर शुल्क निर्धारित करने का अधिकार मिलेगा। यह व्यवस्था वित्तीय अनुशासन में सुधार लाएगी और संशोधित दरें हर वित्त वर्ष की शुरुआत से लागू होंगी। केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग को बाजार संचालित साधन लाने का विशेष अधिकार दिया जाएगा, जिससे नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की प्रक्रिया तेज होगी। यह संशोधन विधेयक बिजली क्षेत्र के घाटे को कम करने, उद्योगों के लिए बिजली की लागत घटाने और देश की आर्थिक उत्पादकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही, यह भारत के ऊर्जा संक्रमण को भी गति देगा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को सुदृढ़ करेगा।

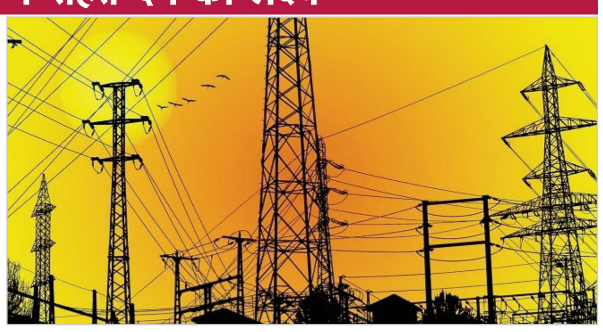

बिजली संशोधन विधेयक 2025 पेश

सस्ती, पारदर्शी और विश्वसनीय आपूर्ति की दिशा में कदम

नई दिल्ली बिजली मंत्रालय ने मसौदा बिजली संशोधन विधेयक 2025 पेश किया है, जिसमें वितरण क्षेत्र को वित्तीय रूप से मजबूत और पारदर्शी बनाने के उपाय शामिल हैं। विधेयक राज्यों के नियामकों को बिजली दरों में स्वतः संशोधन का अधिकार देता है, जिससे दर निर्धारण में समयबद्धता आएगी। वितरण लाइसेंसधारकों को नेटवर्क साझा करने की अनुमति दी गई है, जिससे दोहराव और लागत में कमी होगी। विनिर्माण, रेलवे और मेट्रो को पांच वर्षों में क्रॉस-सब्सिडी से मुक्त करने का प्रस्ताव है, जिससे परिवहन लागत घटेगी। विधेयक उद्योगों को स्वयं बिजली उत्पादन और स्वच्छ ऊर्जा विकल्प अपनाने की सुविधा भी देता है। इसके अलावा, अपीलीय न्यायाधिकरण में निर्णय प्रक्रिया तेज करने, साइबर सुरक्षा मजबूत करने और सेवा मानक तय करने का भी प्रावधान है। मंत्रालय ने इस पर 30 दिन में सुझाव मांगे हैं।

नायडू ने विमानन कंपनियों से कहा, नहीं बढ़ाए त्योहारों में हवाई किराया

नई दिल्ली नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने विभिन्न विमानन कंपनियों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें उनके संचालन और तकनीकी प्रदर्शन का आकलन किया गया। बैठक में एयर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर, स्पाइसजेट, फ्लाई91, फ्लाइबिग समेत अन्य एयरलाइनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान मंत्री ने त्योहारों के दौरान हवाई किराए में अनावश्यक वृद्धि को लेकर चिंता जताई और सभी कंपनियों से किराया उचित स्तर पर बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि यात्रियों की संख्या में संभावित वृद्धि के बावजूद कंपनियां जनता की सुविधा का ध्यान रखें। अधिकारियों ने अपने-अपने प्रदर्शन, सुरक्षा घटनाओं और यात्री शिकायतों पर की गई कार्रवाई से जुड़े आंकड़े प्रस्तुत किए। मंत्री ने सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन और सेवा गुणवत्ता में सुधार के लिए सर्वोत्तम कार्यप्रणालियां अपनाने पर जोर दिया।

टाटा संस की लिस्टिंग की मांग पर फिर अड़ा एसपी ग्रुप

पारदर्शिता और सार्वजनिक हित को बताया प्राथमिकता

मुंबई टाटा संस में 18.4 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाला शापूरजी पलोनजी (एसपी) ग्रुप एक बार फिर कंपनी की पब्लिक लिस्टिंग की मांग पर अड़ गया है। समूह ने इसे पारदर्शिता, निष्पक्षता और सार्वजनिक हित से जुड़ा मुद्दा बताया है। एसपी ग्रुप का कहना है कि यह कदम अच्छे कॉरपोरेट गवर्नेंस के सिद्धांतों को आगे बढ़ाएगा और संस्थापक जमशेदजी टाटा की विरासत को सच्चा सम्मान देगा। समूह ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पर पूर्ण भरोसा जताते हुए कहा कि यह एक संवैधानिक और स्वायत्त संस्था है, जो न्याय और समानता के आधार पर काम करती है। एसपी ग्रुप ने 30 सितंबर, 2025 तक अनुपालन की समय-सीमा को गंभीरता से लेने की अपील की है, जो आरबीआई द्वारा ऊपरी स्तर की गैर-बैंकिंग कंपनियों के लिए तय की गई है। वर्तमान में टाटा ट्रस्ट्स, जिनके पास टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी है, बोर्ड के फैसलों पर वीटो पावर रखते हैं। रिपोर्टों के अनुसार ट्रस्टियों के बीच टाटा संस की लिस्टिंग को लेकर मतभेद हैं। एसपी ग्रुप का मानना है कि लिस्टिंग से उन्हें अपनी हिस्सेदारी बेचने का अवसर मिलेगा, जिससे वे अपनी वित्तीय जिम्मेदारियों पूरी कर सकेंगे। साथ ही इससे टाटा समूह की कंपनियों में निवेश कर चुके 1.2 करोड़ से अधिक शेयरधारकों के लिए भी मूल्य सृजन का मार्ग खुलेगा।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह मजबूती रही

कैपिटल मार्केट और आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गई

विदेशी निवेशकों की खरीदारी के कारण बाजार में शुरुआती तेजी देखने को मिली।

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह तेजी देखी गई है, जो पिछले तीन महीनों में सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त मानी जा रही है। चार प्रमुख सूचकांकों में लगभग 2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इस सप्ताह कैपिटल मार्केट और आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी रही, जहां दोनों सेक्टर्स ने लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि की। शेयर बाजार ने सोमवार को जोरदार शुरुआत की। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 81,300 के स्तर पर खुला और दिन के अंत में 582.95 अंक बढ़कर 81,790.12 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 25,000 के पार खुला और 183.40 अंक की बढ़त के साथ 25,077.65 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी ने क्रमशः 136.63 और 30.65 अंक की तेजी दर्ज की। बुधवार को आईटी शेयरों में बढ़त और विदेशी निवेशकों की खरीदारी के कारण बाजार में शुरुआती तेजी देखने को मिली। हालांकि, दिन के अंत में सेंसेक्स 153.09 अंक गिरकर 81,773.66 और निफ्टी 62.15 अंक घटकर 25,046.15 पर बंद हुए। गुरुवार को बाजार ने फिर जोरदार उछाल लिया; सेंसेक्स ने 398.44 अंक की बढ़त के साथ 82,172.10 और निफ्टी ने 135.65 अंक की तेजी के साथ 25,181.80 अंक पर कारोबार खत्म किया। शुक्रवार को भी बाजार में तेजी बनी रही। सेंसेक्स 328.72 अंक उछलकर 82,500.82 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 103.55 अंक की बढ़त के साथ 25,285.35 अंक दर्ज किए। हालांकि, इस्राइल-हमास शांति वार्ता और अमेरिकी राष्ट्रपति की गाजा शांति योजना के कारण निवेशक सतर्क नजर आए।

क्रेता जब बिल स्वीकार करेगा, तभी बिक्री मानी जाएगी

जीएसटी के नियमों में सुधार

नई दिल्ली जीएसटी ने अपने नियमों में बदलाव किया है। अभी विक्रेता द्वारा जो बिल काटा जाता था। उसे बिक्री मानकर जीएसटी टेक्स वसूल कर लेती थी।

कई मामले में खरीददार बिल को स्वीकार नहीं करता था। जिसके कारण खरीदार एवं विक्रेता को लेकर टैक्स विसंगति बढ़ती चली जा रही थी। जीएसटी ने बिल प्रबंधन में बदलाव किया है। अब जिस क्रेता के नाम पर बिल काटा गया है। उसको उसे स्वीकार करना पड़ेगा। तभी पूरा लेनदेन स्वीकृत माना जाएगा। क्रेता को अब यह अधिकार दिया गया है। वह बिलों को स्वीकार या अस्वीकार कर सके। यदि ऐसा नहीं किया गया तो जीएसटी 2b में उसे क्रेडिट का लाभ नहीं मिलेगा।

ट्रंप ने चीनी आयात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी

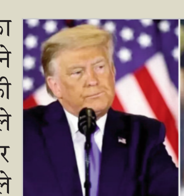

वॉशिंगटन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में यह घोषणा की कि वह चीन से होने वाले आयात पर 1 नवंबर 2025 से या उससे पहले 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की योजना बना रहे हैं। यह कदम चीन द्वारा दुर्लभ मृदा के निर्यात पर लगाए गए नियंत्रणों के जवाब में उठाया जा रहा है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि यह शुल्क वर्तमान दरों के अतिरिक्त होगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी दक्षिण कोरिया यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मिलने की कोई योजना नहीं है। इस घोषणा के बाद वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है और मंदी की आशंका तेज हो गई है। विशेषज्ञों के अनुसार यह फैसला अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध को फिर से भड़का सकता है।

ईपीएफओ के निवेश में कमियां, आरबीआई ने फंड मैनेजमेंट सुधारने के दिए सुझाव

30 करोड़ कर्मचारियों की रिटायरमेंट बचत पर खतरा

नई दिल्ली देश के सबसे बड़े रिटायरमेंट फंड संगठन ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) की निवेश और फंड मैनेजमेंट प्रक्रिया पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सवाल उठाए हैं। करीब 30 करोड़ कर्मचारियों की 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत का प्रबंधन करने वाले ईपीएफओ को आरबीआई ने कई अहम सुझाव दिए हैं। वर्तमान में ईपीएफओ अपने फंड का 45-65 फीसदी सरकारी बॉन्ड्स, 20-45 फीसदी डेट इंस्ट्रूमेंट्स और 5-15 फीसदी शेयर बाजार में निवेश करता है। वर्ष 2025 में ईपीएफओ ने 8.25 फीसदी ब्याज देने का वादा किया है, जबकि सरकारी बॉन्ड्स से औसतन 6.86 फीसदी और निफ्टी व सेंसेक्स से केवल 5 फीसदी से कम रिटर्न मिला। आरबीआई का कहना है कि ईपीएफओ को सिर्फ शेयर नहीं, बल्कि हर निवेश पर बिक्री रणनीति लागू करनी चाहिए। फिलहाल ईपीएफओ चार साल पुराने मुनाफे वाले शेयरों को बेचता है, लेकिन बाजार की मौजूदा स्थिति नहीं देखता। इसके अलावा आरबीआई ने फंड मैनेजमेंट में खराब निवेश की पहचान, नुकसान दर्ज करने और जोखिम प्रबंधन की कमी को भी उजागर किया। पुराने घाटे वाले निवेश अभी भी पोर्टफोलियो में हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि ईपीएफओ फंड मैनेजर और नियामक दोनों की भूमिका निभा रहा है, जिससे हितों का टकराव पैदा हो सकता है। आरबीआई ने सुझाव दिया कि तीनों फंड-प्रोविडेंट, पेंशन और इंश्योरेंस-के लिए अलग निवेश रणनीति अपनाई जाए।

पर्सनल लोन में कम उम्र वालों को मिलती है प्राथमिकता, कुछ को मिलता है जल्दी लोन

नई दिल्ली

बैंक सिर्फ आपकी इनकम और क्रेडिट स्कोर ही नहीं देखते, बल्कि आपकी उम्र से भी यह तय करते हैं कि आप लोन के लिए कितने योग्य हैं और आपको किन शर्तों पर पैसे मिलेंगे। असल में उम्र यह बताती है कि आपकी कमाई का समय कितना बचा है और आप कितने साल तक स्थिर इनकम कमा सकते हैं। यही वजह है कि बैंक अलग-अलग उम्र के लोगों को अलग तरह से आंकते हैं। अगर सही उम्र में अप्लाई किया जाए तो न सिर्फ लोन आसानी से मंजूर होता है, बल्कि ब्याज दर और किस्तों में भी आसानी मिलती है। ज्यादातर बैंक पर्सनल लोन के लिए 21 साल से 60 साल तक की उम्र के लोगों को पात्र मानते हैं।

शुरुआती उम्र में जब इनकम स्थिर नहीं होती, तब बैंक ज्यादा सतर्क रहते हैं। वहीं रिटायरमेंट के करीब आने वाले लोगों को भी बैंक कम टेन्योर और सख्त शर्तों पर लोन देते हैं। अगर आपकी उम्र 25 या 30 साल के आसपास है, तो बैंक आपको लंबा टेन्योर यानी 5 से 7 साल तक का समय दे सकते हैं। लेकिन अगर आप 55 की उम्र में लोन लेते हैं, तो बैंक यह सुनिश्चित करते हैं कि किस्तें रिटायरमेंट से पहले खत्म हो जाएं। ऐसे में टेन्योर छोटा यानी 2 से 3 साल ही रह जाता है। बैंक कम उम्र के और स्थिर नौकरी वाले ग्राहकों को कम रिस्क वाला मानते हैं। इस वजह से 30 से 45 साल के बीच के लोगों को आमतौर पर सबसे अच्छे ऑफर मिलते हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्डरूम में महिलाओं की रिपोर्ट के मार्च 2024 एडिशन के मुताबिक 2022 से बोर्डरूम में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 3.6 फीसदी बढ़ा है और जेंडर पैरिटी प्राप्त करने की अनुमानित समयसीमा भी सात साल कम हो गई है।

टाटा ट्रस्ट्स में नेतृत्व की खींचतान, सरकार ने दी सुलह की नसीहत

नोएल टाटा और मेहली मिस्त्री गुटों के बीच विवाद के बीच हुई बोर्ड मीटिंग

मुंबई टाटा ट्रस्ट्स में चल रही आंतरिक खींचतान के बीच हाली ही में बोर्ड की नियमित बैठक हुई। यह बैठक ऐसे समय पर हुई जब ट्रस्ट की शीर्ष लीडरशिप ने कुछ दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में कोई विवादास्पद मुद्दा नहीं उठा और पूरा फोकस स्वास्थ्य परियोजनाओं, ग्रामीण विकास और रोजगार के परोपकारी कार्यों पर रहा। बैठक के दौरान विभिन्न योजनाओं और अस्पतालों को लेकर प्रेजेंटेशन भी दी गईं। सूत्रों ने बताया कि बैठक पूरी तरह शांतिपूर्ण और नियमित रही। हालांकि, टाटा ट्रस्ट्स ने इस बैठक पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की। ट्रस्ट के भीतर दो गुट बन चुके हैं – एक गुट का नेतृत्व नोएल टाटा कर रहे हैं, जिन्हें रतन टाटा के बाद चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वहीं दूसरा गुट मेहली मिस्त्री के नेतृत्व में है, जिनका संबंध शापूरजी पालोनजी परिवार से है, जो टाटा संस में 18.37 फीसदी हिस्सेदारी रखता है। नेतृत्व और गवर्नेंस को लेकर जारी इस खींचतान के चलते सरकार ने ट्रस्ट्स से मामले को शीघ्र सुलझाने की सलाह दी है, ताकि 180 अरब डॉलर के टाटा समूह की कार्यप्रणाली प्रभावित न हो।

बिहार में बदलते समीकरण से बदलेगा परिणाम

कांतिलाल मांडोत

इसबार बिहार में विधानसभा चुनाव रोचक और कांटेदार होने की सम्भावना जताई जा रही है।बड़े पैमानों पर वोट विभाजन से इंकार नहीं किया जा सकता है।

बिहार में चुनावी कार्यक्रम घोषित हो चुका है।राजद के 50 सीटो पर प्रत्याशी तय किए गए है।और बिहार में राजद ने प्रचार शुरू कर दिया है। राज्य में राजनीतिक दलों ने अपनी दुंदुभिया बजा दी है। बिहार में पिछले चुनाव में ज्यादातर एनडीए और राजद के बीच मुकाबला था। बिहार में कांग्रेस की दशा 2020 में बुरी थी।केवल 19 सीटों पर ही सिमट कर रह गई थी।उसके बाद लोकसभा चुनाव में आरजेडी को 12 और भाजपा को 12 सीटे मिली थी।कांग्रेस लोकसभा में परंपरागत सीट भी नही बचा पाई थी। कांग्रेस तमाम योजनाओ के बावजूद चुनाव में नाकाम रही। लालू के सामंती चेहरे की परख राज्य के हर मतदाताओ को है। उनके शासन में कोई आवाज उठाने वाले को बर्बर तरीके से पिटा जाता था।लेकिन उसके बाद नीतीश कुमार का शासन आया और बिहार में बहार है,नीतीश कुमार है।जैसे नारे गूंजने लगे।लालू ने अपने शासनकाल मे दावे तो बहुत किये लेकिन सच्चाई पीड़ा देने वाली थी।इनके शासनकाल में भूमिहीनों के पास जमीन के परचे तो थे।लेकिन जमीन पर उनका कब्जा नही था।जब वे कभी हक की आवाज भी नही उठा सकते थे। बिहार की एक सभा मे तेजस्वी ने दावा किया कि चाचा बीमार है। गुजरात से सरकार चल रही है।जनता से सवाल किया गया था कि क्या आप बीमार मुख्यमंत्री चाहते है? नौजवान विजन के लिए शिक्षा की जरूरत होती है।तेजस्वी की अधूरी शिक्षा से राज्य के हालात कैसे बदले जा सकते है। बिहार में लगातार नीतीश कुमार की सरकार क्यों बन रही है।क्या आपने कभी सोचा नही है? नीतीश कुमार को पलटू कहकर विरासत सम्भाल रहे तेजस्वी ने लालू की गरिमा को भंग कर दिया। बिहार में बहुत सम्भावना है। जिस तरह से लालू और तेजस्वी का पारिवारिक ड्रामा में तेजप्रताप के साथ सौतेला व्यवहार किया गया था। उसका इनको जरा भी अंदाजा नही है।जो व्यक्ति परिवार के साथ बैठ नही सकते है।उनके मन मे विरोधाभास पनप रहा है।वे जनता जनार्दन का ख्याल कैसे रख सकते है? तेजस्वी के पास विजन होता तो बिहार में नीतीश कुमार के साथ साझा क्यो नही किया? क्योकि

तेजस्वी ने आरजेडी के साथ गठबंधन किया था।लेकिन सारी योजना टाय टाय फीस हो गई। गरीबी सियासत की दोगलिनीति का परिणाम है ।देश मे गरीबी का मुख्य कारण ही भ्रष्टाचार रहा है।कांग्रेस ने आजादी के बाद भ्रष्टाचार करना शुरू कर दिया।लेकिन मनस्वी प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में एक भी भ्रष्टाचार का केस दर्ज नही हुआ है।नीतिपरायणता और ईमानदारी का गुण देश को आगे बढ़ने से नही रोक सकता है।बिहार में लालू प्रसाद के हाथ साफ थे? क्या उनका नाम भ्रष्टाचार में नही उछला? महिलाओ के खाते में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पैसे डाल रहे है।लोगो को आत्मनिर्भर भारत की तरफ आगे बढ़ाने की सोच सरकार की रही है। स्वदेशी पर जोर देकर लोगो को रोजगार से जोड़ने की पूरी कोशिश वर्तमान सरकार कर रही है।भाजपा के कार्यकाल में 25 करोड़ लोग गरीबी से मुक्त हुए है।देश को आजादी मिलने के इतने वर्षों के बाद गरीबी खत्म होने की बात कहकर दस साल की सरकार पर निशाना साधा जाता है तो यह अन्यायपूर्ण बाबत है।और वे लोग सिर्फ वोटनीति और वोटबैंक की ही बात करते है।उनको विकास और व्यापार से कोई सरोकार नही है।कानून व्यवस्था की दुहाई देने वाले तेजस्वी को शायद ज्ञात नही होगा? क्योंकि उनकी उम्र बहुत छोटी थी। जिस दौर में बिहार में राजद लालू का शासन था। उस दौर में जंगलराज का तमगा दिलाने वाली सरकार आपकी ही थी।जूठे सपने दिखा कर जनता को गुमराह नही किया जा सकता है।जनता जनार्दन सबकुछ समझती है। बिहार में सत्ता की राजनिति में आकंठ दुबे राजनेताओ के गिरते स्तर में सुधार की उम्मीद नही की जा सकती है। महिलाओ को दावे और लालच देकर 30- 30 हजार की बात कर सत्ता हथियाने निकली राजनीतिक पार्टियां का भूतकाल किसी से छिपा नही है।लालू का सामंती चेहरा बिहार जानता है। नीतीश ने अपने कार्यकाल में सत्यनिष्ठा और ईमानदारी की एक मिसाल पेश की है। विकास चाहे धीमी गति से क्यो नही किया जाए,लेकिन ईमानदारी का गुण नेता में होना चाहिए।वो राज्य ही विकास कर सकता है,जिस राज्य का मुख्यमंत्री निष्पक्ष और ईमानदार है।कथनी और करनी में समानता होनी चाहिए ।राजनिति में साफ सुथरी पृष्ठभूमि वाले नेताओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बिहार में जाति,धर्म और बाहुबल के आधार पर चुनाव जीतने की जुगत में है।घोटाले की बात कर प्रतिपक्ष नेता आरोप लगा रहे है।यह तो ऐसा है,चोर कोतवाल को डन्डे जैसी स्थिति हो रही है। बात लोगो के गले नही उतर रही है। राजनीति की दहलीज तक पहुंचने वाले नेताओ के पास विकास और रोजगार का कोई विजन है तो जनता के समक्ष साझा करना चाहिए। नीतीश कुमार ने चुनाव के पहले वितीय कदम उठाया है। राज्य सरकार ने महिलाओं ,युवाओ और अन्य समूहों को अलग अलग योजनाओ और अनुदानों के रुप मे 40 हजार करोड़ रुपए दिए है।यह रकम बहुत बड़ी है।लोजपा के सुप्रीमो राम विलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान एनडीए के साथ गठबंधन में है।सीट शेयरिंग पर चिराग को संतोष भले नही है,लेकिन भाजपा और मोदी के साथ उनके पिता रामविलास पासवान की घनिष्ठता थी।उसी के पदचिन्हों पर चलकर एनडीए से सम्बब्ध स्थापित किये हुए है।गीले-शिकवे दफन करने के लिए हर कदम पर तैयार है। इसबार बिहार में विधानसभा चुनाव रोचक और कांटेदार होने की सम्भावना जताई जा रही है।बड़े पैमानों पर वोट विभाजन से इंकार नहीं किया जा सकता है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

बिहार चुनाव में गठबंधन की कसौटी

बिहार विधानसभा चुनाव की दस्तक के साथ ही देश की राजनीति के साथ ही बिहार की राजनीति फिर से उबाल पर है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में टिकट बंटवारे को लेकर जबरदस्त खींचतान चल रही है। सत्ता तक पहुंचने की इस जंग में विचारधारा, गठबंधन धर्म और सीटों का गणित सब एक बार फिर से परखे जा रहे हैं। एनडीए खेमे में भाजपा, जदयू और एलजेपी (रामविलास) के बीच तालमेल साधना आसान नहीं दिख रहा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब भी अपनी शर्तों पर अड़े हैं, वहीं भाजपा केंद्रीय नेतृत्व सीटों के वितरण में बराबरी की स्थिति चाहता है। रामविलास पासवान की पार्टी भी बहुत ही खास सीटों पर दावा ठोंक रही है। ऐसे में गठबंधन के भीतर सामंजस्य बनाए रखना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। दूसरी ओर, जदयू की चिंता यह है कि एनडीए में उसका प॰राना प्रभाव धीरे-धीरे कम होता दिख रहा है। हालांकि लगता है कि सभी एनड़ीए के दलों में अब बात लगभग बन चुकी है।

इधर इंडिया गठबंधन में भी सब कुछ सहज नहीं है। राजद, कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीटों को लेकर रस्साकशी जारी है। लालू प्रसाद यादव की पार्टी अपने परंपरागत वोट बैंक और बड़े जनाधार के बल पर ज्यादा सीटें चाहती है, जबकि कांग्रेस और वाम दल भी अपनी जमीन बचाने की कवायद में हैं। गठबंधन की एकता का दावा करने वाले नेताओं के चेहरे पर अंदरूनी असहमति साफ झलक रही है। टिकटों की यह मारामारी दरअसल बिहार की राजनीति की पुरानी परंपरा है, जहां वफादारी से ज्यादा वजनदार जातीय समीकरण और जीत की संभावनाएं मायने रखती हैं। यही वजह है कि कई पुराने नेता अब पाला बदलने की तैयारी में हैं। राजनीतिक अवसरवाद का यह दौर जनता के बीच एक तरह की निराशा भी पैदा कर रहा है। मतदाता अब मुद्दों से ज्यादा नेताओं की आपसी खींचतान देखने को मजबूर हैं। बिहार की राजनीति का यह स्वरूप बताता है कि यहां सत्ता का समीकरण हर चुनाव में नए ढंग से गढ़ा जाता है। जाति, क्षेत्र, धर्म और गठबंधन की गिनती यहां की राजनीति का अभि९ा हिस्सा बन चुकी है। लेकिन जनता अब विकास, रोजगार और शिक्षा जैसे मुद्दों पर जवाब चाहती है। उधर प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज ने अपनी एक लिस्ट भी जारी कर दी है। देखा जाये तो बिहार चुनाव में इस बार प्रशांत किशोर की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। उनके भ्रष्टाचार और अपने लड़के के बारे में सोचिये के तर्क ने लोगों को सोचने पर विवश किया है।

इस बार के विधानसभा च॰नाव केवल नेताओं की परीक्षा नहीं होंगे, बल्कि यह भी तय करेंगे कि बिहार की जनता अब भी प॰राने समीकरणों पर भरोसा करती है या वह बदलाव की ओर बढ़ना चाहती है। टिकटों की इस जंग में जो दल जनहित को प्राथमिकता देगा, वही जनता के दिल तक पह॰ंचेगा। बिहार की राजनीति का भविष्य आखिरकार जनता के हाथ में है और यही इस लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

चिंतन-मनन

अनंत शक्तियों का स्वामी हैं हमारा मन

हमें यह बात हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि मन का परमात्मा के साथ घनिष्ठ संबंध है। मन और ब्रह्म दो भिन्न वस्तुएं नहीं हैं। ब्रह्म ही मन का आकार धारण करता है। अतः मन अनंत और अपार शक्तियों का स्वामी है। मन स्वयं पुरुष है एवं जगत का रचयिता है। मन के अंदर का संकल्प ही बाह्य जगत में नवीन आकार ग्रहण करता है। जो कल्पना चित्र अंदर पैदा होता है, वही बाहर स्थूल रूप में प्रकट होता है। सीधी-सी बात है कि हर विचार पहले मन में ही उत्पन्न होता है और मनुष्य अपने विचार के आधार पर ही अपना व्यवहार निश्चित करता है। अगर मन में विचार ही न हों तो फिर क्रियान्वयन कहां से आएगा। शायद इसीलिए कहा गया है कि मन के जीते जीत है और मन के हारे हार। मन का स्वभाव संकल्प है। मन के संकल्प के अनुरूप ही जगत का निर्माण होता है। वह जैसा सोचता है, वैसा ही होता है। मन जगत का सुप्त बीज है। संकल्प द्वारा उसे जागृत किया जाता है।

यही बीज, पहाड़, समुद्र, पृथ्वी और नदियों से मुक्त संसार रूपी वृक्ष उत्पन्न करता है। यही जगत का उत्पादक है। सत्, असत् एवं सदसत् आदि मन के संकल्प हैं। मन ही लघु को विभु और विभु को लघु में परिवर्तित करता रहता है। मन में सृजन की अपार संभावनाएं स्वयं द्वारा ही निर्मित की हुई हैं। मन स्वयं ही स्वतंत्रतापूर्वक शरीर की रचना करता है। देहभाव को धारण करके वह जगत् रूपी इंद्रजाल बुनता है। इस निर्माण प्रक्रिया में मन का महत्वपूर्ण योगदान है। मन का चिंतन ही उसका परिणाम है। यह जैसा सोचता है और प्रयत्न करता है, वैसा ही उसका फल मिलता है। मन के चिंतन पर ही संसार के सभी पदार्थों का स्वरूप निर्भर करता है। दृढ़ निश्चयी मन का संकल्प बड़ा बलवान होता है। वह जिन विचारों में स्थिर हो जाता है, परिस्थितियां वैसी ही विनिर्मित होने लगती हैं। जैसा हमारा विचार होता है, वैसा ही हमारा जगत् ।

जन्म दिवस विशेषः संघर्षों के सहारे बना विराट व्यक्तित्व

मुकेश तिवारी

12 अक्टूबर की तारीख एक बार पुनः राजमाता जी की स्मृति को ताजा कर रही है ,राजमाता विजयाराजे सिंधिया यानी कि एक सर्वथा अनोखी शख्सियत काफी लंबे अंतराल तक लोगों के दिल और दिमाग पर छाई रहने वाली इस महिला की लोकप्रियता को संसार का कोई पैमाना नहीं बांध सका है ।राजमाता जी ने संघर्षों के सारे अपने व्यक्तित्व को एक विशाल आकार दिया। तमाम सारी रूकावटों को नजर अंदाज कर आगे बढ़ती जाने वाली राजमाता विजय राज सिंधिया आज हमारे बीच नहीं है ।लेकिन उनकी याद एक खुशबू की तरह माहौल में समाई हुई है, राजमाता विजया राजे सिंधिया का जन्म 12अक्टूबर 1919 को उनकी ननिहाल सागर में हुआ था, उनके पिता महेंद्र सिंह जालौन के डिप्टी कलेक्टर हुआ करते थे।

,वे अपने पिता की सबसे बड़ी संतान थी ।दरअसल में उनके जन्म के 9 दिन पश्चात ही उनकी मां चूड़ा देवेश्वरी का सन्निपात ज्वर के कारण निधन हो गया था ।ऐसी विषम परिस्थिति में लेखा दिव्येश्वरी का बाल्यकाल ननिहाल में ही गुजरा ।यहीं पर उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा हुई।बाल्यकाल में इनका नाम लेखा था। इनका उक्त नाम इनकी नानी धन कुमारी ने रखा था ।हालांकि उन्होंने कभी भी इस नाम से उन्हें संबोधित नहीं किया और न ही परिवार के किसी सदस्य ने इस नाम से उन्हें कभी पुकारा ,नानी हमेशा लेखा दिव्येश्वरी को नानी कहकर ही बुलाती रही, नेपाल की भाषा की लोकभाषा में नानी का अर्थ होता है आंख की पुतली लेखा दिव्येश्वरी को नानी कहकर बुलाने के पीछे नाना नानी का यही अभिप्राय था,इनकी मां का निधन होने के पश्चात लेखा दिव्येश्वरी का लालन-पालन नाना -नानी की देखरेख में इनकी ननिहाल सागर में हुआ। सागर के नेपाल हाउस में रहकर उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण की । हालांकि लेखा दिव्येश्वरी कि मां चूड़ा दिव्येश्वरी के देहांत के पश्चात उनके पिता ने उन्हें अपने साथ जालौन ले जाने कि अभिलाषा जाहिर की ,लेकिन इनके नाना -नानी इसके लिए राजी नही हुए।इस बात को लेकर कोर्ट कचहरी तक की नौबत आ गई । अंततः आपसी सहमति से यह तय हुआ कि ये 7 साल की होने तक लेखा नाना- नानी की देखरेख में सागर में ही रहेगी ।लेकिन दुर्भाग्यवश जब लेखा महज 2 वर्ष की थी ।तभी नाना का निधन हो गया ।लेखा दिव्येश्वरी की नानी धनकुमारी धार्मिक आस्थाओं से ओतप्रोत एक सौम्य व सरल महिला थी। इस कारण लेखा का लालन-पालन धार्मिक वातावरण में हुआ ।उन्होंने बाल्यकाल से ही लेखा दिव्येश्वरी को यही संस्कार दिए ।नानी के संस्कारों में दीक्षित होकर वे उन्हीं की तरह धर्म प्राण बन गई ।यद्यपि लेखा दिव्येश्वरी नानी जितने व्रत तो नहीं किया करती थी ।लेकिन चतुर्मास में शाकाहारी भोजन करने लगती थी। मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात लेखा दिव्येश्वरी ने बनारस के बेसेट कॉलेज में दाखिला लिया ।जहां सादा जीवन उच्च विचार का उसूल अमल में लाया जाता था ।यहां से प्रेरित होकर उन्होंने फ्रांस और इटालियन से आयातित कपड़ों को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया ।जब लेखा दिव्येश्वरी के पिता का झांसी से मिजार्पुर स्थानांतरण हो गया तो उन्होंने लेखा दिव्येश्वरी का दाखिला आजमा बेला थाबर्न महिला कॉलेज लखनऊ में करा दिया। ,लेकिन वे यहां से बी ए की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकी क्योंकि ननिहाल और घर में उनके विवाह की तैयारियां प्रारंभ हो जाने के कारण उन्हें पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी ।नेपाल हाउस सागर में पली-बढ़ी लेखा दिव्येश्वरी की शादी 21 फरवरी 1941को मराठा रीति रिवाज से ग्वालियर रियासत के अंतिम शासक जीवाजी राव सिंधिया के साथ सरस्वती महल में संपन्न हुई।,हालांकि इनकी शादी का सिंधिया रियासत के मराठा सरदारों ने खुलकर काफी विरोध किया ।लेकिन जीवाजी राव सिंधिया ने विरोध की कतई परवाह नहीं की ।शादी के पश्चात वे सिंधिया राजघराने की परंपरा के मुताबिक लेखा दिव्येश्वरी से महारानी विजया राजे सिंधिया के नाम से चर्चित हुई।शादी के पश्चात उन्होंने 5 बच्चों को जन्म दिया,23 फरवरी 1942 को उन्होंने पहली पुत्री पद्मा राजे को जन्म दिया 31 अक्टूबर 1943 को उषा राजे और 10 मार्च 1945 को माधवराव सिंधिया को जन्म दिया इसके पश्चात 1953 में वसुंधरा राजे और 1954 में यशोधरा जी को जन्म दिया, राजमाता विजया राजे सिंधिया के पति जीवाजी राव सिंधिया कांग्रेस के कट्टर आलोचक थे । राजमाता सिंधिया कैलाश वासी पति जीवाजी राव सिंधिया ने भारत संघ में ग्वालियर राज्य का विलय करते समय चौवन करोड़ रुपए की विपुल धनराशि का कोष सरदार बल्लभभाई पटेल को सौंपा था।ग्वालियर में उस दौर में हिंदू महासभा का काफी दबदबा था ,स्थानीय कांग्रेसी इस बात से काफी घबराए हुए थे ।कि ग्वालियर के महाराज कहीं प्रतिपक्ष के उम्मीदवार को चुनाव में अपना समर्थन न दे दे, आखिरकार राजमाता विजया राजे सिंधिया ने जवाहरलाल नेहरू के दवाब में 1957में कांग्रेस से अपनी राजनीतिक पारी की शुरूआत की। गुना संसदीय क्षेत्र से नामांकन पर्चा दाखिल कर उन्होंने अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष बी जी देश पांडे को पराजित किया, हालांकि गुना से लगी हुई दोनों सीटें पर हिंदू महासभा के उम्मीदवार ने जीत हासिल की। यह इस बात का प्रमाण है कि यदि राजमाता विजय राजे सिंधिया कांग्रेस की प्रत्याशी न होती तो कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया होता। राजमाता सिंधिया ने हिंदू महासभा को कमजोर करने के लिए पूरी ताकत लगा दी हालांकि आगामी सालों में इस क्षति की पूर्ति करने के लिए काफी परिश्रम करना पड़ा।एक दौर ऐसा भी आया कि जब वे राजनीति को पीछे छोड़ अपने पति और बेटे बेटियो में मगन हो गई , इसी दौरान उनके पति की डायबिटीज में इजाफा हो गया और दुर्भाग्य से महज 45 वर्ष की आयु में 9 जून 1961 को उनका मुंबई में देहावसान हो गया ,जिस वक्त उनके पति जीवाजी राव सिंधिया का निधन हुआ उनके इकलौते पुत्र माधवराव की आयु महज 16 वर्ष की थी। पति के निधन के पश्चात वे महारानी से राजमाता बन स्वेत वस्त्र में विधवा का जीवन बिताने लगी ।

उन्होंने अपनी तमाम सारी इच्छाओं को तिलांजलि देकर धर्म को ही अपना ध्येय बनाया ।हालांकि जब परिस्थितियों ने मोड़ लिया तो वे बिना किसी हिचकिचाहट के राजनीति के महासमर में कूद पड़ी और अपना अधिकांश वक्त राजनीति को देने लगी ।लेकिन धार्मिक कार्य पूजा-पाठ में कोई कमी नहीं आई।इसी बीच मध्य प्रदेश की तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ कैलाश नाथ काटजू पंडित जवाहरलाल नेहरू का संदेश लेकर राजमाता के पास आए कि वे देश सेवा में पूर्ववत जुटी रहे ।आप की सहूलियत के लिए आपका निर्वाचन क्षेत्र गुना से बदलकर ग्वालियर कर दिया गया है।नेहरू जी के द्वारा, राजमाता विजयाराजे सिंधिया स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय राजनीति में सक्रिय हो गई थी वर्ष 1957 में दूसरी लोकसभा के लिए सांसद चुनी गई थी। वर्ष 19 62 ,1971,1989एवं1991 में आप पुनः सांसद चुनी गई राजमाता तीसरी,पांचवीं, नौवीं एवं दसवीं लोकसभा के लिए सांसद के रूप में चुनी गई थी , वर्ष 1967 में आप मध्यप्रदेश विधानसभा की सदस्य भी रही एवं वर्ष 1978 में राज्यसभा सांसद रही।

वो यदि चाहती तो 1967मे ही मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री बन सकती थी। इतना ही नहीं वे जब चाहती तब केन्द्रीय मंत्री से लेकर भाजपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकतीं थीं लेकिन उन्होंने कभी भी किसी पद की अभिलाषा नहीं रखी।

वही राजमाता विजयाराजे सिंधिया के इकलौते पुत्र स्व माधवराव सिंधिया भी केंद्र सरकार में अनेक महत्वपूर्ण विभागों में मंत्री रहे ।,इसी क्रम में उनकी एक बेटी वसुंधरा राजे सिंधिया राजस्थान की दो मर्तबा मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार में भी मंत्री रह चुकी है। इसी तरह उनकी एक बेटी यशोधरा राजे सिंधिया मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री के पद पर असीन रह चुकी है। इसी तरह उनका नाती ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्र सरकार में संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री का दायित्व संभाल रहे हैं, राजमाता जी जीवन की अंतिम श्वास तक अपने सत्याचरण देशभक्ति तथा आत्मत्याग के पथ पर चली ,वे इन विषयों पर सिर्फ उपदेश ही नहीं दिया करती थी अपितु यही उनका आचरण और व्यवहार था।

25 जनवरी 2001 को देहावसान हो गया । लेकिन उनके लिए अमर रहे अम्मा महाराज कहना ज्यादा उपयुक्त रहेगा।उनका नाम इतिहास में शानदार अक्षरों में दर्ज हो गया है। निसंदेह राजमाता विजया राजे जी कितनी महान थी , यह उनके निधन के बाद पश्चात ही उनके चाहने वालों को ज्ञात हो पाया इस दुनिया में नहीं है। लेकिन युगों-युगों तक लोगों को उनकी याद आती रहेगी,इस अप्रतिम नेत्री का राजनीति में योगदान भी सदैव याद रखा जाएगा।

(लेखक के विषय में - स्वतंत्र पत्रकार)

युवाओं को सोशल मीडिया व एआई के शिकंजे से बचा पाएंगी सरकारें

नीलेश वर्मा

विश्वं आज डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है। मोबाइल और इंटरनेट अब हर हाथ में है और सोशल मीडिया और आर्टीफिसियल एंटेलीजेंस का प्रयोग मन और मस्तिष्कव दोनों को प्रभावित कर रहा है। सोशल मीडिया युवाओं के लिए जहां विचार साझा करने और सीखने का अवसर देता है, वहीं इसका अंधाधुंध और गलत इस्तेमाल गंभीर खतरा बनता जा रहा है। गलत सूचनाएं, उकसाने वाले संदेश और डिजिटल लत, युवाओं को हिंसा, नैतिक पतन और भ्रमित विचारधाराओं की ओर धकेल रहे हैं। यह खतरा केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक बन चुका है। दुनिया के कई देशों में सोशल मीडिया का दुरुपयोग और डीपफेक विशेषकर युवाओं द्वारा हिंसा और सत्ता परिवर्तन जैसे गंभीर परिणामों तक पहुँच चुका है। भारत में भी अग्निपथ योजना, सीएए-एनआरसी और किसान आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट और उकसाने वाली सामग्री के कारण कई राज्यों में युवाओं द्वारा हिंसा, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएँ देखी गईं। इसी प्रकार नेपाल में भी सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार विरोधी प्रचार और फर्जी खबरों ने युवाओं को सड़कों पर उतरने और सरकारी संस्थानों के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है। नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता के दौरान ट्विटर और फेसबुक जैसे मंचों पर फैले अभियानों ने युवाओं को राजनीतिक आंदोलन में उतारने में बड़ी भूमिका निभाई, जिनमें कुछ प्रदर्शन हिंसक भी हो गए।

विश्व के अनेक देश ऐसे हैं जिनमें सोशल मीडिया का दुरूपयोग कर युवाओं को भ्रमित कर हिंसक आंदोलनों और अस्थिरता फैलाने के लिए किया गया है। वर्ष 2021 में अमेरिका में हुए कैपिटल हिल हमले के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फैलाए गए झूठे दावों और उकसावों ने हजारों युवाओं को लोकतंत्र के सबसे बड़े प्रतीक पर हमला करने के लिए प्रेरित किया। श्रीलंका में व्हाट्सएप और फेसबुक के माध्यम से फैलाई गई साम्प्रदायिक अफवाहों ने युवाओं को सड़कों पर उतरने और हिंसा फैलाने के लिए उकसाया। म्यांमार में फेसबुक के जरिए रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ घृणा फैलाकर बड़े पैमाने पर हिंसा को अंजाम दिया गया, जिसमें युवाओं की भूमिका प्रमुख रही।

जब युवा सोशल मीडिया के दुरुपयोग का शिकार होते हैं, तो उसका असर केवल परिवार और समाज पर नहीं होता, बल्कि लोकतांत्रिक और शासन व्यवस्था पर भी पड़ता है। भारत में भी सोशल मीडिया के कारण कई बार अफवाहें, साम्प्रदायिक तनाव और हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। उदाहरणस्वरूप, मॉब लिंचिंग की घटनाएं, छात्र आंदोलनों में गलत सूचनाओं का फैलाव, और चुनावों के दौरान फेक न्यूज का प्रसार, इस डिजिटल खतरे की गंभीरता को दशार्ते हैं।

सोशल मीडिया की चुनौती से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कुछ अहम कदम उठा रही हैं। आईटी नियमों (2021) के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को जवाबदेह बनाया गया है। उन्हें अवैध या भड़काऊ सामग्री को हटाने के लिए समय-सीमा दी गई है। साइबर क्राइम सेल का विस्तार किया जा रहा है और राज्यों में डिजिटल निगरानी यूनिट्स सक्रिय की जा रही हैं। डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत युवाओं को सोशल मीडिया की सही उपयोगिता और खतरों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। फेक न्यूज और डीपफेक जैसी तकनीकों को रोकने हेतु अक आधारित निगरानी तंत्र विकसित किए जा रहे हैं।

केंद्र व राज्यी सरकारें प्रयास कर रही हैं, लेकिन कई जमीनी चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं। विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां कई बार सरकार की मांगों के अनुरूप डेटा या जानकारी साझा नहीं करतीं। जब भी सरकार निगरानी या नियंत्रण की कोशिश करती है, तो कुछ समूह 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' और निजता का हवाला देकर विरोध करते हैं। जैसे-जैसे नई ऐप्स और प्लेटफॉर्म आते हैं, सरकार की निगरानी प्रणाली उनके पीछे छूट जाती है। अधिकांश युवा यह नहीं समझते कि वे कैसे एक गलत सूचना या डिजिटल अभियान का हिस्सा बन रहे हैं। इस समस्या से निपटने के लिए सरकारों को केवल कानून बनाना ही नहीं, बल्कि समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा।

शिक्षा प्रणाली में डिजिटल नैतिकता और जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग को शामिल करना चाहिए। सोशल मीडिया कंपनियों से कड़ा अनुबंध करना होगा जिससे वे भारत के कानूनों के प्रति जवाबदेह रहें। सामाजिक संगठनों और युवाओं को भागीदार बनाकर डिजिटल जागरूकता को जन-आंदोलन बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण, सभी राज्य सरकारों को मिलकर कार्य करना होगा, क्योंकि यह खतरा राष्ट्रीय स्तर का है और अब वैश्विक रूप ले रहा है।

डिजिटल युग में सोशल मीडिया एक शक्ति है - इसका सही उपयोग समाज को जोड़ सकता है, पर दुरुपयोग देश को तोड़ भी सकता है। जब युवा इसका शिकार बनते हैं, तो सिर्फ उनका भविष्य नहीं, राष्ट्र की स्थिरता भी दांव पर लग जाती है। सरकारों के प्रयास सराहनीय हैं, पर अब समय है कि यह ज़िम्मेदारी सिर्फ कागजों तक न रहे, बल्कि जमीन पर दिखे। यदि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर तेजी, पारदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति से काम करें और समाज व तकनीक का सहयोग लें, तो निश्चित ही वे युवाओं को इस डिजिटल खतरे से बचाने में सफल होंगी।

(लेखक स्वकतंत्र पत्रकार हैं)

संक्षिप्त समाचार

ओली और प्रचंड की सुरक्षा घटी

काठमांडू, एजेंसी। गृह मंत्रालय ने पूर्व प्रधानमंत्री और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली और माओवादी अध्यक्ष पुष्पकमल दहल प्रचंड की सुरक्षा टीम में कटौती की है। गृह मंत्रालय के एक उच्च स्रोत के अनुसार, ओली की सुरक्षा में तय संख्या से अधिक तैनात 28 सुरक्षाकर्मियों को बृहस्पतिवार को वापस बुला लिया गया। इसी तरह प्रचंड की सुरक्षा में तैनात 34 सुरक्षाकर्मियों को भी वापस बुलाया गया है। प्रचंड की सुरक्षा में कुल 52 सुरक्षाकर्मी तैनात थे। विशिष्ट व्यक्ति सुरक्षा कार्यविधि के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्रियों समेत उच्च पदस्थ व्यक्तियों के निश्चित मापदंड के तहत ही सुरक्षा व्यवस्था दी जाती है। पूर्व प्रधानमंत्री ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक के खिलाफ दर्ज शिकायत जांचबूझ आयोग ने पुलिस को वापस भेज दी। जेन-जी आंदोलन की जांच के लिए बने आयोग ने यह कहकर शिकायत लौटाई कि मामला उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। आयोग के प्रवक्ता विज्ञानराज शर्मा ने बृहस्पतिवार को बताया कि फौजदारी अपराधों की जांच और कार्रवाई का अधिकार अन्य निकायों को प्राप्त है, इसलिए इन मामलों में आयोग की रिपोर्ट का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। दरअसल, जेन-जी आंदोलन में मारे गए लोगों के परिजनों ने जिला पुलिस परिसर में याचिका देकर ओली और लेखक की गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस ने शिकायत दर्ज न कर उसे आयोग के पास भेज दिया था।

लॉस एंजिलिस में सबसे भीषण आग लगाने के आरोपी को जेल में ही रहना होगा

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस की सबसे भीषण पैलिसेड्स वाइल्डफायर लगाने के आरोपी जोनाथन रिंडरक्नेच्ट को अदालत ने जेल में ही रखने का आदेश दिया है। अभियोजकों का कहना है कि उसकी मानसिक स्थिति भी अस्थिर है। बता दें कि लॉस एंजिलिस में न्यू ईयर डे पर लगी आग एक हफ्ते बाद भड़क उठी थी। इसमें 12 लोगों की मौत हो गई थी, इतना ही नहीं 17 हजार से अधिक घर जलकर खाक हो गए थे। आरोपी फिलहाल फ्लोरिडा की जेल में बंद है और अगली सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी। अदालत ने उसे भागने का जोखिम मानते हुए जमानत देने से इनकार किया।

चीन में एक 82 साल की महिला ने 8 जिंदा मेंढक निगल गई महिला

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 82 साल की महिला ने 8 जिंदा मेंढक निकल लिए। जब उसके पेट में तेज दर्द उठा तो राज से पर्दा उठा। महिला का कहना है कि पीठ में दर्द से निजात पाने के लिए उसने ऐसा किया था। उसके दावे से डॉक्टर भी हैरान रह गए। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक महिला ने सुना था कि जिंदा मेंढक खाने से पीठ का दर्द ठीक हो जाता है। उसने अपने परिवार के ही किसी सदस्य से जिंदा मेंढक लाने को कहा। हालांकि उसने यह नहीं बताया कि वह मेढक का क्या करेगी। परिवार के लोगों ने मेंढक इकट्ठे करके उसे दे दिए। मेढक भी कोई छोटे-मोटे नहीं बल्कि इनकी लंबाई चौड़ाई हथेली के बराबर थी। महिला ने एक दिन तीन मेंढक निकले और अगले दिन पांच और मेढक निगल लिए। इसके बाद उसके पेट में तेज दर्द शुरू हो गया। महिला के बेटे ने डॉक्टर को बताया, मेरी मां ने आठ जिंदा मेंढक निकल लिए हैं। अब उन्हें इतना दर्द है कि वह चल भी नहीं पा रही हैं। बुजुर्ग महिला को हांगझाउ के अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उसके पाचन तंत्र ने नाम करना बंद कर दिया है। डॉक्टरों ने बताया कि उनके शरीर पर परजीवियों ने हमला कर दिया है। डॉक्टरों को पता चला कि महिला के शरीर में ऑक्सीफिल सेल्स बन गए हैं। एक डॉक्टर ने बताया, महिला के पेट में स्पार्गानम बन गए हैं जो कि एक प्रकार के परजीवी कीड़े होते हैं। हालांकि इलाज के बाद महिला की तबीयत ठीक हो गई। उसे दो सप्ताह तक अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और फिर छुट्टी दे दी गई।

सीनगल में रिफ्ट वैली वायरस का बड़ा प्रकोप, 17 लोगों की मौत

डैकर, एजेंसी। सीनेगल में रिफ्ट वैली वायरस के दुर्लभ और गंभीर प्रकोप में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है और 119 मामले दर्ज किए गए हैं। यह बीमारी मुख्य रूप से मवेशियों को प्रभावित करती है, लेकिन मच्छरों के काटने या संक्रमित जानवरों के संपर्क में आने पर इंसान भी प्रभावित हो सकते हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार यह पहला मौका है जब सीनगल में इतनी बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। गंभीर मामलों में आंखों में नुकसान, मस्तिष्क में सूजन या हेमोरेजिक बुखार जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जो जानलेवा भी हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण अफ्रीका में RVF के प्रकोप अधिक बार हो रहे हैं।

बुर्का पहना तो लगेगा लाखों का जुर्माना, इटली की मेलोनी सरकार लाई बिल, मस्जिदों पर भी सख्ती

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की अगुवाई वाली दक्षिणपंथी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली ने संसद में एक विवादास्पद विधेयक पेश किया है, जो देशभर में सार्वजनिक स्थानों पर बुरका और निकाब जैसे चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रावधान करता है। यह कदम इस्लामी अलगाववाद और सांस्कृतिक अलगाव को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसे मेलोनी सरकार ने धार्मिक कट्टरवाद से जोड़ा है। विधेयक के तहत उल्लंघन करने वालों पर 300 से 3,000 यूरो (लगभग 26,000 से 2.6 लाख रुपये) तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

यह विधेयक 8 अक्टूबर को संसद में पेश किया गया, जिसमें स्कूल, विश्वविद्यालय, दुकानें, कार्यालय और अन्य सभी सार्वजनिक स्थानों पर चेहरे को पूरी तरह ढकने वाले कपड़ों पर रोक लगाने का स्पष्ट उल्लेख है। पार्टी के तीन सांसदों द्वारा पेश इस प्रस्ताव का उद्देश्य धार्मिक कट्टरवाद और धर्म-प्रेरित घृणा का मुकाबला करना बताया गया है। मेलोनी सरकार का दावा है कि यह कदम इटली की सामाजिक एकजुटता को मजबूत करेगा और सांस्कृतिक अलगाव को जड़ से समाप्त करेगा।

क्या है पूरा मामला, समझिए : इटली में पहले से ही 1975 का एक पुराना कानून मौजूद है, जो सार्वजनिक स्थानों पर चेहरे को पूरी तरह ढकने पर रोक लगाता है, लेकिन यह बुरका या निकाब का स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं करता। मेलोनी की गठबंधन साझेदार लीग पार्टी ने इस साल की शुरुआत में चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर सीमित प्रतिबंध वाली विधायी कोशिश की थी, लेकिन अब ब्रदर्स ऑफ इटली ने इसे देशव्यापी स्तर पर विस्तार देने का फैसला किया है। बुरका एक पूर्ण शरीर-ढकने वाला परिधान है, जिसमें आंखों पर जालीदार स्क्रीन जैसा कपड़ा होता है, जबकि निकाब चेहरे को ढकता है लेकिन आंखों के आसपास का हिस्सा खुला रहता है।

मेलोनी सरकार के एक मंत्री ने कहा, ÷यह विधेयक फ्रांस से प्रेरित है, जहां 2011 में बुरका पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था। हम इटली की पहचान और एकता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।÷ वर्तमान में मेलोनी की गठबंधन सरकार संसद में बहुमत रखती है, इसलिए इस विधेयक के पारित होने की संभावना मजबूत मानी जा रही है, हालांकि औपचारिक बहस की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

इस्लामी संस्थाओं के विदेशी फंडिंग पर निगरानी : यह विधेयक धार्मिक संगठनों पर वित्तीय पारदर्शिता के नए नियम भी थोपता है, खासकर उन पर जो राष्ट्र के साथ औपचारिक समझौते नहीं रखते। सरकार का कहना है कि इससे मस्जिदों और अन्य इस्लामी संस्थाओं की विदेशी फंडिंग पर निगरानी बढ़ेगी, जो कट्टरवाद को बढ़ावा दे सकती है। विधेयक के मसौदे में कहा गया है, इस्लामी कट्टरवाद का प्रसार... निस्संदेह इस्लामी आतंकवाद के लिए प्रजनन स्थल है। यह विधेयक मस्जिदों और इस्लामी शिक्षा संस्थानों की फंडिंग पर अतिरिक्त जांच-पड़ताल भी करेगा, क्योंकि इसमें उन संगठनों की फंडिंग पर पारदर्शिता नियम लागू किए जाएंगे जिन्होंने राष्ट्र के साथ औपचारिक समझौते नहीं किए हैं। किसी भी मुस्लिम संगठन का ऐसा कोई समझौता नहीं है और इसलिए उन्हें अपने सभी फंडिंग स्रोतों का खुलासा करने के लिए बाध्य किया जाएगा। जो समूह राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं, उन्हें फंडिंग नहीं मिल पाएगी।

क्यों उठाया गया यह कदम? मेलोनी का तर्क : प्रधानमंत्री मेलोनी अपनी दक्षिणपंथी विचारधारा के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने इस विधेयक को इस्लामी अलगाववाद के खिलाफ एक मजबूत हथियार बताया है। उनका मानना है कि ऐसे परिधान न केवल सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि समाज में अलगाव को बढ़ावा देते हैं। इटली में मुस्लिम आबादी करीब 5 लाख है, और हाल के वर्षों में प्रवासन और सांस्कृतिक एकीकरण के मुद्दे राजनीतिक बहस का केंद्र बने हुए हैं। मेलोनी सरकार ने पहले भी प्रवासियों पर सख्त नीतियां अपनाई हैं, जैसे भूमध्य सागर में अवैध नावों को रोकना। विधेयक की घोषणा के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी बहस छिड़ गई है। दक्षिणपंथी समर्थक इसे राष्ट्रीय गौरव की रक्षा बता रहे हैं, जबकि विपक्षी दल और मुस्लिम संगठन इसे इस्लाम-विरोधी करार दे रहे हैं। इटली के प्रमुख मुस्लिम संगठन ने कहा, ÷यह महिलाओं की स्वतंत्रता पर हमला है और धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है।

फिलीपींस में 7.6 तीव्रता का भूकंप: सुनामी का खतरा टला; लोग जान बचाने के लिए सड़कों पर लेटे

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस के दक्षिणी मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में शुक्रवार सुबह 7.6 तीव्रता का भूकंप आया है। इसके चलते सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी। फिलहाल सुनामी का खतरा टल गया है। पेसिफिक सुनामी वॉर्निंग सेंटर ने जानकारी दी कि स्थिति अब सामान्य है। फिलीपींस की भूकंप विज्ञान एजेंसी ने कई और झटकों की चेतावनी दी। आधे घंटे तक 5.9 तीव्रता और 5.6 तीव्रता के कई झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने विनाशकारी सुनामी आने की आशंका जताई थी। मध्य और दक्षिणी फिलीपींस के तटीय शहरों में रहने वाले लोगों को तत्काल ऊंची जगहों पर जाने को कहा गया। फिलहाल किसी तरह के बड़े नुकसान की जानकारी नहीं है। इससे पहले 30 सितंबर को फिलीपींस के सेबू प्रांत में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें 69 लोगों की मौत हो थी, जबकि करीब 150 घायल हुए थे।

फिलीपींस में सुनामी का खतरा टला : फिलीपींस में आए भूकंप के बाद अब सुनामी का खतरा टल गया है। पेसिफिक सुनामी वॉर्निंग सेंटर ने जानकारी दी कि स्थिति अब सामान्य है और समुद्र में किसी बड़े खतरे के संकेत नहीं हैं। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, लेकिन फिलहाल किसी और खतरे की आशंका नहीं है।

भूकंप का अबतक सबसे ज्यादा असर दवाओ सिटी में देखनों को मिला है। यहां अस्पताल, स्कूल और सड़कों पर भूकंप से जुड़े कई फुटेज सामने आए हैं। यह शहर मिंडानाओ द्वीप के दावाओ डेल सुर प्रांत का हिस्सा है। मिंडानाओ द्वीप समूह में कुल 27 प्रांत है। इंडोनेशिया के भूकंप और सुनामी केंद्र के प्रमुख ने बताया कि देश के तटीय इलाकों में अधिकतम 17 सेंटीमीटर यानी करीब 6 इंच) ऊंची लहरें दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि इसे हम माइनर सुनामी या छोटी सुनामी कहते हैं, यानी ऐसी लहरें जिनकी ऊंचाई 0.5 मीटर से कम होती है। फिलीपींस राष्ट्रपति ने तटीय इलाकों को खाली करने को कहा फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस ने मध्य और दक्षिणी फिलीपींस के कुछ तटीय क्षेत्रों को खाली करने के आदेश दिए हैं।

अमेरिकी हमलों से घबराई वेनेजुएला सरकार, संयुक्त राष्ट्र परिषद का आपात सत्र बुलाने की मांग

कराकास, एजेंसी। अमेरिका द्वारा कैरेबियाई समुद्री क्षेत्र में कई बार वेनेजुएला की नौकाओं का निशाना बनाया है। अमेरिका का आरोप है कि इन नौकाओं के जरिए अमेरिका में ड्रग तस्करी की जा रही थी। वहीं अमेरिकी हमलों से वेनेजुएला सरकार घबरा गई है और उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गुहार लगाकर आपातकालीन सत्र बुलाने की मांग की है। वेनेजुएला ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से एक आपातकालीन सत्र बुलाने का अनुरोध किया, जिसमें वेनेजुएला के तटीय जलक्षेत्र में हाल के हफ्तों में हुई अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों पर चर्चा की मांग की गई है।

वेनेजुएला ने रूस के राजदूत को लिखा पत्र : वेनेजुएला ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस के राजदूत और परिषद के अध्यक्ष वसीली नेबेंजिया को संबोधित करते हुए एक पत्र लिखा। इस पत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने और क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति, सुरक्षा और स्थिरता को खतरा पैदा करने का आरोप लगाया गया। मादुरो सरकार ने आशंका जताई कि जल्द ही वेनेजुएला पर सशस्त्र हमला हो सकता है। वेनेजुएला का ये अनुरोध अमेरिकी कांग्रेस द्वारा उस विधेयक को खारिज करने के एक दिन बाद आया है, जो ड्रग तस्करों के खिलाफ सैन्य बल का इस्तेमाल करने की ट्रंप की क्षमता पर रोक लगाता। अब तक अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई जलक्षेत्र में चार घातक हमले किए हैं, जिसे ट्रंप ने ड्रग कार्टेल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष घोषित किया है। हालांकि, वेनेजुएला की मादुरो सरकार का कहना है कि व्हाइट हाउस इस अभियान को उनके खिलाफ हमले के एक बहाने के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। वेनेजुएला का आरोप है कि अमेरिका की वेनेजुएला के विशाल प्राकृतिक संसाधनों पर नजर है।

अमेरिका ने पाकिस्तान को दिया बड़ा झटका, नई आधुनिक मिसाइलें देने से किया साफ इनकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान को बड़ा झटका देते हुए आधुनिक मिसाइलें देने से इनकार कर दिया है। अमेरिका ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि पाकिस्तान को कुछ हथियारों को उपकरण आदि की सप्लाई की जाएगी, लेकिन किसी नए हथियार की डिलीवरी नहीं की जाएगी। दरअसल मीडिया में ऐसी रिपोर्ट्स चल रहीं थी कि अमेरिका, पाकिस्तान को आधुनिक एडवांस्ड मीडिया रेंज एअर टू एअर मिसाइल देगा। अब अमेरिका ने ही इससे इनकार कर दिया है।

अमेरिकी दूतावास ने जारी किया बयान : अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा कि 30 सितंबर को युद्ध विभाग ने कई देशों को, जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है, हथियारों के उपकरण बेचने का एलान किया था। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान को एएमआरएएएम मिसाइलों की डिलीवरी की जाएगी, लेकिन ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। साथ ही पाकिस्तान की मौजूदा क्षमताओं में इजाफे का भी कोई विचार नहीं है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के कई मीडिया चैनल ने दावा किया कि अमेरिका के युद्ध विभाग ने पाकिस्तान को एएमआरएएएम मिसाइलों को बेचने की मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका के एरिजोना के टकसन में स्थित रेथियोन कंपनी पाकिस्तान को आधुनिक मिसाइलों की आपूर्ति करेगी। इन खबरों को अमेरिका द्वारा पाकिस्तान की वायु सेना की सैन्य क्षमताओं में इजाफा करने के तौर पर देखा गया, लेकिन अब अमेरिका ने साफ कर दिया है कि उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है।

अमेरिका के करीब आया पाकिस्तान पाकिस्तान को साल 2007 में अमेरिका से 700 एएमआरएएएम मिसाइलें मिल चुकी हैं, जो पाकिस्तान ने अपने एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए खरीदीं थीं। यह उस समय हवा से हवा में मार करने वाली एएमआरएएएम मिसाइलों का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर था। नई डील की बात ऐसे समय उठी, जब पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और पाकिस्तानी सेना के प्रमुख आसिम मुनीर ने सितंबर में व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी।

अमेरिका की वायुसेना के अनुसार, एएमआरएएएम हवा से हवा में मार करने वाली घातक मिसाइल है। इस मिसाइल की खासियत ये है कि इसमें टारगेट को लॉक किया जा सकता है, मतलब कि यह मिसाइल अपने टारगेट को खत्म करके ही दम लेती है। इसे ह्यूजेस एयरक्राफ्ट कंपनी और रेथियॉन कंपनी मिलकर बनाती हैं। इस मिसाइल की लंबाई 143.9 इंच (366 सेंटीमीटर) और वजन 150.75 किलोग्राम होता है।

संघर्ष विराम समझौते के बाद भी इस्राइली हमले में 30 फलस्तीनियों की मौत, गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा

गाजा, एजेंसी। गाजा में संघर्ष विराम के बावजूद इस्राइली हमले जारी हैं। संघर्ष विराम के बाद इस्राइली हमलों में 30 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हुई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने ये दावा किया है। गाजा के अल शिफा अस्पताल के निदेशक मोहम्मद अबु सालमिया ने बताया कि बुधवार शाम से हो रहे हमलों में कम से कम 30 लोग मारे गए हैं।

इस्राइल का दावा- हमास आतंकियों को निशाना बनाकर किया हमला : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गाजा सिविल डिफेंस ने बताया कि गाजा के पड़ोसी इलाके अल-सब्रा में इस्राइली हमले में एक इमारत को निशाना बनाया गया, जिसमें 40 से ज्यादा लोग उसके मलबे में दब गए। वहीं इस्राइली सेना ने बताया कि हमास के आतंकियों को निशाना बनाकर हमला किया गया था क्योंकि उनसे खतरा था।

ट्रंप का एलान- पहले चरण के शांति समझौते पर सहमत हुए इस्राइल और हमास : बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया कि इस्राइल और हमास पहले चरण के शांति समझौते पर सहमत हो गए हैं। इससे गाजा में युद्ध समाप्त होगा और बंधकों को रिहा किया जाएगा। इसके बदले में इस्राइली सेना समझौते के तहत गाजा से पीछे हटेगी और इस्राइल की जेलों में बंद 2000 फलस्तीनी कैदियों की रिहा किया जाएगा। इस्राइली मीडिया के अनुसार, समझौते के तहत इस्राइली सेना गाजा क्षेत्र के लगभग 53 प्रतिशत हिस्से पर अपनी तैनाती बनाए रखेगी।

अमेरिकी सेना की निगरानी में लागू होगा संघर्ष विराम समझौता : गुरुवार सुबह राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक बैठक की, जिसमें बताया कि जल्द ही इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम समझौता लागू हो जाएगा। ट्रंप ने उम्मीद जताई कि इस शांति समझौते से गाजा में हमेशा के लिए शांति आ सकती है। ट्रंप ने कहा कि संघर्ष विराम समझौते के तहत सोमवार या मंगलवार को इस्राइल के बंधक रिहा हो सकते हैं। ट्रंप भी पश्चिम एशिया का दौरा कर सकते हैं। अमेरिका लगभग 200 सैनिकों को इस्राइल भेजेगा ताकि गाजा में लागू युद्ध विराम समझौते की निगरानी की जा सके। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ये सैनिक सिविल-मिलिट्री समन्वय केंद्र में कार्य करेंगे, जो मानवीय सहायता, लॉजिस्टिक और सुरक्षा बनाने में मदद करेंगे। अमेरिकी सेना के साथ साझेदार देशों, गैर-सरकारी संगठनों और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि भी इस पहल में शामिल होंगे।

नेपाल-श्रीलंका के बाद अब मेडागास्कर में युवाओं का विरोध प्रदर्शन; राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग

एंटानानारिवो, एजेंसी। मेडागास्कर की राजधानी एंटानानारिवो में लगभग 1000 युवा प्रदर्शनकारी 'जेन-जेड मेडागास्कर के नेतृत्व में सड़कों पर उतर आए और राष्ट्रपति अंद्री राजोएलिना के इस्तीफे की मांग की। पुलिस ने अशांति फैलने पर आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया। यह हिंसक विरोध प्रदर्शन देश में कई वर्षों से सबसे बड़ी अस्थिरता के रूप में सामने आया है। पानी और बिजली की कमी के चलते शुरू हुए युवाओं के आंदोलन ने मेडागास्कर की राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदल कर रख दी है। प्रदर्शनकारी मास्क पहने सड़कों पर मार्च कर रहे थे और पुलिस ने बख्तरबंद वाहनों के साथ उनका सामना किया। एनोसी और माहामासिना जिलों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर पथराव और जलते टायर लगाकर ब्लॉकेज किया। लोकतंत्र चौक और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस ने गाड़ियों की आवाजाही पर रोक लगा दी। कई शहरों में जारी है रात का कर्फ्यू ये विरोध प्रदर्शन पहले पानी और बिजली कटौती को लेकर शुरू हुए थे, लेकिन बाद में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के आरोपों के खिलाफ व्यापक हो गए। राजोएलिना ने विरोधों को शांत करने के लिए अपने पूरे कैबिनेट को बर्खास्त किया, लेकिन इससे युवाओं का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उन्होंने बुधवार को राष्ट्रपति के साथ वार्ता का प्रस्ताव भी ठुकरा दिया। आंदोलन के चलते राजधानी एंटानानरीवो और अन्य शहरों में रात का कर्फ्यू लगाया गया है। नेपाल और श्रीलंका के विरोध प्रदर्शनों से प्रेरणा संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इन विरोध प्रदर्शनों में अब तक 22 लोग मारे जा चुके हैं और दर्जनों घायल हुए हैं, जबकि सरकार ने इसे खारिज किया है। प्रदर्शनकारियों ने इंटरनेट के जरिए संगठन किया और नेपाल और श्रीलंका में हालिया विरोध प्रदर्शनों से प्रेरणा ली। गौरतलब है कि मेडागास्कर, पूर्वी अफ्रीका के पास स्थित एक बड़ा द्वीप देश है, जिसकी आबादी करीब 3.1 करोड़ है। वहां गरीबी और सरकारी सेवाओं की असफलता को लेकर जनता में लंबे समय से नाराजगी है, जो अब बड़े विरोध में बदल चुकी है।

अफगानिस्तान के काबुल में पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक, टीटीपी चीफ को मारने का दावा

काबुल, एजेंसी। अफगान मीडिया एएमयू न्यूज के मुताबिक काबुल के कई इलाकों में लोगों ने जोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं। ये धमाके हवाई हमले की तरह लग रहे थे। दो स्थानीय लोगों ने बताया कि हमला काबुल शहर के अब्दुल हक स्क्वायर के पास हुआ, हालांकि हमले की सही जगह अभी साफ नहीं है। पाकिस्तान ने गुरुवार रात अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के कई ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, एयरफोर्स ने टीटीपी चीफ मुफ्ती नूर वली मेहसूद को मारने का दावा किया है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महसूद पूर्वी काबुल में बने एक ठिकाने में मौजूद था। वह 2018 से टीटीपी की लीडरशिप संभाल रहा है। उस पर अफगानिस्तान में तालिबान के समर्थन से काम करने का आरोप है। पाकिस्तान ने काबुल पर ऐसे वक्त में एयरस्ट्राइक की है जब, तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी 7 दिन के भारत दौरे पर आए हुए हैं। वे यहां पर 7 दिन रहेंगे।

इधर टोलो न्यूज ने कहा है कि उसे महसूद का एक ऑडियो मैसेज मिला है, जिसमें उसने दावा किया है उन पर कोई हमला नहीं हुआ है।

टीटीपी का चौथा अध्यक्ष है मेहसूद : नूर वली महसूद का जन्म 26 जून 1978 को पाकिस्तान के दक्षिणी वजीरिस्तान के गुड़गांव इलाके में हुआ था। वह पाकिस्तान के मोस्ट वांटेड आतंकवादियों में से एक है। मुल्ला फजलुल्लाह की मौत के बाद उसने संगठन की कमान संभाली। वह टीटीपी का चौथा अध्यक्ष है।

डिफेंस एक्सपर्ट्स के मुताबिक महसूद 2003 में एक जिहादी गुट में शामिल हुआ था। यह गुट पाकिस्तान के कबायली इलाकों में तालिबान शासन के समय उभरा था। फिर बाद में 2007 में बैतुल्लाह महसूद की

अगुवाई में टीटीपी का हिस्सा बन गया। साल 2013 तक नूर वली महसूद कराची में टीटीपी की गतिविधियों की देखरेख करने लगा था। वह पूरे पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों के लिए पैसे जुटाने के मकसद से जबरन वसूली और अपहरण के नेटवर्क का नेतृत्व करता था। उसने कराची में पश्तूनों को आदेश दिया था कि अपने विवाद वे टीटीपी की 'तालिबान अदालतों' में सुलझाएं। जो लोग ऐसा नहीं करते थे, उन्हें हिंसा का सामना करना पड़ता था। ऐसा माना जाता है कि महसूद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच इधर-उधर रहता था और उसके पास पाकिस्तानी नागरिकता है।

पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा बना टीटीपी : 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से टीटीपी ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध छेड़ रखा है। टीटीपी को पिछले बारह साल में पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा आतंकवादी खतरा माना जा रहा है।पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के लड़ाके सीमा पार अफगानिस्तान से ट्रेनिंग लेकर पाकिस्तान लौटते और हमला करते हैं। हालांकि तालिबान दावा करता है कि वह टीटीपी का समर्थन नहीं करता।पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज के अनुसार, देश में आतंकवादी हमले 2015 के बाद सबसे ज्यादा हो गए हैं, और टीटीपी इसकी मुख्य वजह है। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक के इन हमलों की वजह से ही पाकिस्तान आतंकवाद प्रभावित देशों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। अमेरिकी हमले के जवाब में टीटीपी का गठन 2001 में अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया, तो कई लड़ाके पाकिस्तान के कबाइली इलाकों में छिप गए। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमले का समर्थन किया। इससे नाराज होकर 2007 में बेतुल्लाह मेहसूद ने 13 विद्रोही गुटों को मिलाकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) बनाया। टीटीपी ने कबायली इलाकों में शरिया कानून लागू किया और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और अफगानिस्तान में विदेशी सैनिकों पर हमले किए। टीटीपी ने यूनिवर्सिटीज, धार्मिक नेताओं और नागरिक ठिकानों को भी निशाना बनाया, और यहां तक कि पाकिस्तान के बड़े शहरों में भी हमले किए। पाकिस्तानी सेना और अमेरिकी ड्रोन हमलों के बावजूद, पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सका। 2018 में पाकिस्तान ने ञ्ञक्क पर जीत की घोषणा की थी।

हेल्थ प्लस

तनावग्रस्त प्रेगनेंट महिला के शिशु को एलर्जी का खतरा

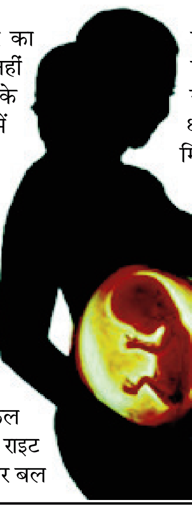

गर्भावस्था में मां के आचार-विचार का भावी शिशु पर असर पड़ने की बात यूं ही नहीं कही जाती। अब डाक्टरों ने एक नए शोध के आधार पर बताया है कि गर्भावस्था में तनावग्रस्त रहने वाली महिलाओं के नवजात शिशुओं के दमा या एलर्जी से पीड़ित होने की आशंका अधिक रहती है। अमेरिकन थोराइसिस सोसायटी इंटरनेशनल कांफ्रेंस टोरंटो में पेश की गई अध्ययन रिपोर्ट से पता चलता है कि जो महिलाएं गर्भावस्था के दौरान तनाव में रहती हैं उनके शिशुओं के दमे और एलर्जी से पीड़ित होने की आशंका बढ़ जाती है।

अमेरिका के बोस्टन स्थित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की प्रमुख शोधकर्ता डा. रोसालिन राइट कहती हैं कि इस शोध से उन सबूतों को और बल मिला है कि मां के मानसिक तनाव का शिशु पर गहरा असर पड़ता है। किसी भी प्रकार का तनाव गर्भावस्था के दौरान भी बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करता है। शोध से यह संकेत मिलता है कि जन्म से पहले तनाव की चपेट में आने वाले बच्चे पिस्सू से उत्पन्न होने वाली एलर्जी आदि के प्रति जल्दी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। डॉ. राइट ने कहा कि यह शोध इस अवधारणा को पुष्ठ करता है कि तनाव भी एक सामाजिक प्रदूषक है जो शरीर में पैदा होने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। गर्भावस्था के दौरान मस्त रहने वाली माताएं ऐसे शिशुओं को जन्म देती हैं जिनमें ई या आईजी ई का उच्च स्तर होता है जो एक रोग प्रतिरोधक प्रणाली है।

मां के मोटापे का असर बच्चों पर दिखता है ज्यादा

मोटापे की शिकार महिलाएं न सिर्फ इस व्याधि को अपने बच्चों तक पहुंचाती हैं बल्कि इन बच्चों में मांसपेशियां भी कम होती है। अमेरिका स्थित आक्लाहोमा विश्वविघालय के स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र के डा. डेविड ए. फील्ड के नेतृत्व में किए गए शोध में यह बात सामने आई है। शोध में यह भी पाया गया कि वैश्विक स्तर पर खासकर उत्तरी अमेरिका और यूरोप में गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में वजन बढ़ने की समस्या बढ़ रही है। इसके फलस्वरूप इनके पैदा होने वाले बच्चे का वजन तो चार किग्रा या इससे भी ज्यादा होता लेकिन मांसपेशियां कम होती है। शोध में पाया गया कि मोटापे की समस्या के साथ जन्म लेने वाले बच्चे इसी के साथ बड़े भी होते हैं और इस कारण से जवानी की दहलीज तक पंहुचते ही इनमें मधुमेह सहित अन्य व्याधियां पैदा होने का खतरा बढ़ जाता है।

बुजुर्गों के लिए अच्छे हैं खर्राटे

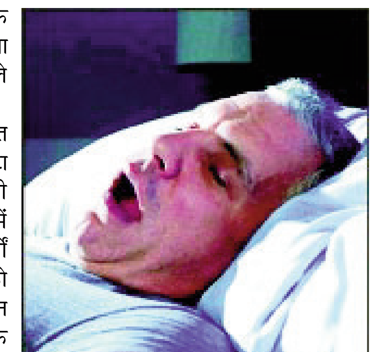

यदि आप मानते हैं कि खर्राटा लेना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है तो आपको दुबारा सोचना चाहिए, क्योंकि एक ताजा अध्ययन से पता चला है कि सोते हुए खर्राटा भरने और नाक से आवाज निकलने वाले लोग, विशेषकर बुजुर्ग लोग लंबा और स्वस्थ जीवन जीते हैं।

इस्राइल में हुए शोध में पाया गया है कि खर्राटे की बीमारी से मुक्त लोगों की अपेक्षा 65 साल से अधिक आयु के उन लोगों, जिनमें खर्राटा संबंधित बीमारी 'स्लीप एपनिया' होती है, उनके चिरायु होने की संभावना अधिक होती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक यह हिपोक्सिया में छेद के कारण होता है, जो सांस लेने में आने वाली बाधा है। यह बुजुर्गों के कार्डियोवास्कुलर तंत्र को दुरूस्त करते हुए ऑक्सीजन की कमी को दूर कर रक्षात्मक प्रभाव डालता है। दिल के दौरे के समय जब ऑक्सीजन की आपूर्ति कम होती है, उस समय शरीर उससे निपटने में अधिक सक्षम होता है। 'डेली मेल' के अनुसार अध्ययन में पाया गया है कि स्लीप अपोनिया का युवाओं पर इसी तरह का प्रभाव नहीं पड़ता है, ऐसा इसलिए है क्योंकि दिल की बीमारी का जोखिम प्रौढ़ व्यक्तियों को अधिक होता है। टेक्नियोन संस्थान क शोधकर्ताओं ने चार वर्षों की अवधि में छह सौ से अधिक बुजुर्ग लोगों के विश्लेषण के आधार पर अपना निष्कर्ष दिया है, जिनमें स्वस्थ स्वयंसेवकों के समूह की अपेक्षा दिल की बीमारी से संबंधित कम मौते हुई। शोध के नतीजों को ग्लास्गो में यूरोपीय एसोसिएशन फार स्लीप रिसर्च की बैठक में पेश किया गया।

पुरूषों में बढ़ रहे हैं स्तन कैंसर के मामले

पुरूषों में स्तन कैंसर सुनने में जरूर कुछ अटपटा सा लग सकता है लेकिन कैंसर विशेषज्ञों का दावा है कि महिला स्तन कैंसर की ही तरह अब पुरूष भी इस बीमारी का शिकार हो रहे हैं और देश में पुरूषों में यह एक प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक और जाने माने स्तन कैंसर विशेषज्ञ डा. अरविंद कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि पिछले कुछ सालों से पुरूषों में भी स्तन कैंसर के मामले सामने आ रहे हैं और इनमें एक प्रतिशत की दर से वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि इसके कारण का अभी तक पूरी तरह पता नहीं चल पाया है लेकिन ऐसा समझा जा रहा है कि जीवनचर्या में तेजी से आ रहा परिवर्तन और हार्मोन में बदलाव भी प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि अभी यह संख्या बहुत कम है। इसलिए इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। जहां तक इसके प्रारंभिक लक्षणों का सवाल है, जब स्तर कैंसर की शुरूआत होती है तो पुरूषों में स्तन के निप्पल का आकार बड़ा हो जाता है और एक गांठ बन जाती है जिसका रंग लाल होने लगता है और उसको दबाने से दर्द होने लगता है।

यह पूछे जाने पर कि पुरूष स्तन कैंसर किन किन कारणों से होता है, इसी संस्थान की स्तन कैंसर विशेषज्ञ डा. के गीता ने कहा कि पुरूष स्तन कैंसर किन कारणों से होता है अभी निश्चित रूप से इस संबंध में कुछ नहीं कहा जा सकता है। आज इस दिशा में दुनियाभर में तेजी से अनुसंधान चल रहे है ताकि इस रोग का समय रहते उपचार किया जा सके।

एक प्रश्न के उत्तर में डा. चतुर्वेदी ने कहा कि जहां तक भारत में महिला स्तन कैंसर का सवाल है यह एक सामान्य कैंसर है लेकिन जीवनचर्या में तेजी से आ रहे परिवर्तन के कारण आज देश में स्तन कैंसर के मामलों में 5-10 प्रतिशत वृद्धि हो रही है और यदि यह स्थिति जारी रही तो वर्ष 2020 तक देश में स्तन कैंसर के मामलों में 200 प्रतिशत की वृद्धि हो जाएगी।

डा. चतुर्वेदी ने कहा कि यदि हम सहस्त्राब्दि लक्ष्यों को हासिल करना चाहते हैं तो हमें महिला और पुरूष दोनों के स्तन कैंसर के बढ़ते मामलों को रोकने और इसके बचाव के लिए एक रणनीति तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा कि देश में महिला स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता की भारी कमी है। यदि शुरूआती अवस्था में ही स्तन कैंसर का पता चल जाए तो इसका कारगर इलाज हो सकता है। जाने माने कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. समीर कौल ने इस संबंध में कहा कि हार्मोन असंतुलन और जीन में बदलाव आने के कारण अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले पुरूष स्तन कैंसर रोगियों की संख्या धीरे धीरे बढ़ती जा रही है। आमतौर पर देखने में आया है कि पुरूष इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं। उन्होंने कहा कि महिला स्तन कैंसर की अपेक्षा पुरूष स्तन कैंसर अधिक घातक माना जाता है।

फल व सब्जियां लाभदायक आंखों के लिए

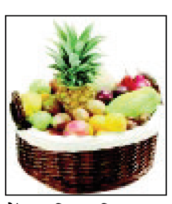

फलों व सब्जियों के सेवन से हुए लाभों में अब एक नया लाभ और जुड़ गया है। हाल ही में विशेषज्ञों द्वारा किए गए शोध के अनुसार एक्यूट माक्यूलर डिजनेरेशन (ए.एम.डी.) नामक आंखों की बीमारी जिससे अंधापन हो जाता है, की संभावना को भी फलों एवं सब्जियों का सेवन कम करता है। अधिकतर फलों व सब्जियों में ल्यूटिन, जियाएक्सानथिन नामक पिगमैंट पाए जाते हैं। ये पिगमैंट आंखों को नीली रोशनी के प्रभाव से बचाते हैं तथा हमारी आंखों की देखने की शक्ति सुरक्षित रहती है। वृद्धावस्था में इस पिगमैंट का स्तर कम होता है जिससे दिखाई देना बंद हो जाता है।

गैचेट ऑन तो बैकपेन गॉन

कमरदर्द के कारण कई तरह की परेशानियां झेल रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। एक गैजेट निर्माता ने दावा किया है कि उसका गैजेट दो हफ्ते के भीतर ही बैकपेन से मुक्ति दिला देगा। बैंडेज की तरह दिखने वाले इस गैजेट को कमर से सटाकर बांधना होगा। यह कमर के पोस्चर को ठीक करने में मददगार साबित होता है। इस आई-पोस्चर डिवाइस को कमर पर लगाकर एक मिनट में तीन डिग्री के मोशन के लिए सेट करना होता है। उसके बाद यह वाइब्रेट होना शुरू हो जाता है।

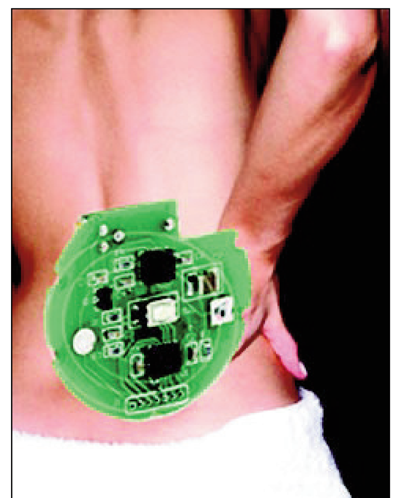

यह वाइब्रेशन तब तक जारी रहता है जब तक कि कमर एकदम सीधी न हो जाए। छाती बाहर की आर और सिर स्थिर। दसअसल, यह डिवाइस प्रयोगकर्ताओं को यह बताएगी कि उनकी कमर अब बिल्कुल सीधी अवस्था में है। कमर को सीधी रखने की आदत में ढलने के लिए गैजेट को दो से चार हफ्ते तक रोजाना चार घंटे इस्तेमाल करना पड़ सकता है। एक बार कमर सीधी रखने की आदत पड़ने के बाद इस गैजेट का इस्तेमाल जरूरी नहीं है। इस गैजेट में एक माइक्रोचिप लगी है, जो प्रत्येक सेकेंड में कमर की मूवमेंट को मॉनीटर करेगी। इसमें लगा विशेष सॉफ्टवेयर फिलटर गलत मुद्राओं के बारे में सूचित करेगा, जो आई-पोस्चर को शरीर की कई मुद्राओं को ग्रहण करने के बारे में भी जानकारी देगा। इसे बैठते, चलते समय इस्तेमाल किया जा सकता है। यह गैजेट ऐसे लोगों के लिए खासा मददगार है, जो घंटों कंप्यूटर के सामने बैठते हैं। इस गैजेट से संबंधित शोध के नतीजे बताते हैं कि यह कमर की स्थिति को लेकर काफी कारगर है और पुरूषों में खासा सफल रहा है। जहां तक महिलाओं का प्रश्न है, जो महिलाएं अपनी कमर की मुद्रा को सुधार लेती हैं, उनकी कमर की मोटाई भी दो इंच तक घट सकती है। ऐसी महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस फ्रैक्चर की संभावना भी कम हो जाती है। इस गैजेट को बनाने वाले न्यूरोलॉजिस्ट और पैन मैनेजमेंट विशेषज्ञ डा. मोआकिर शूनैप का मानना है कि उनका आविष्कार कमर की स्थितियों को सुधारने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा, 'दरअसल, हम इस आर ध्यान नहीं देते कि कमर की मुद्राएं हमें प्रभावित करती हैं। जो कि बेहद जरूरी है। गैजेट का इस्तेमाल करने के साथ-साथ नियमित एक्सरसाइज भी करनी होगी। सुधार दिखने के बाद भी कुछ हफ्तों तक गैजेट का प्रयोग करें, यह उनकी कमर की स्थिति सुधारने में मददगार होती है।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली -2614

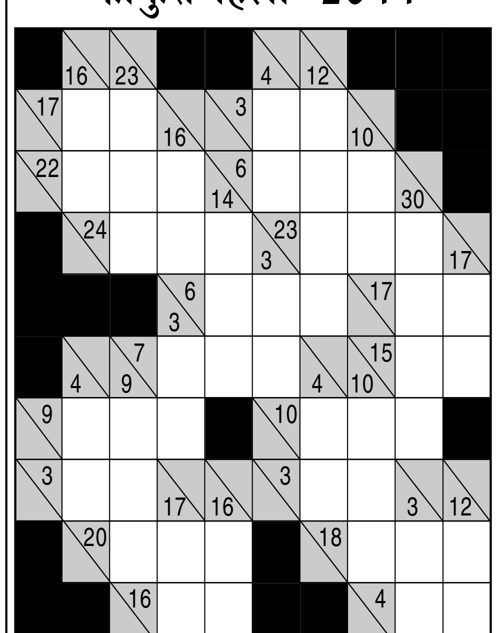

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

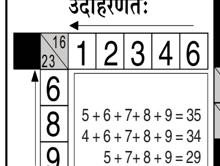

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 2613 का हल

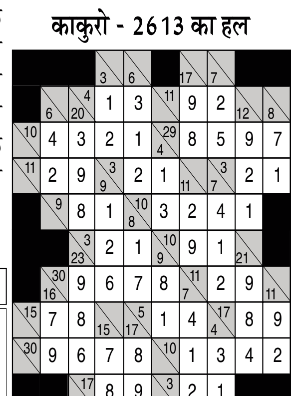

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

फिल्म वर्ग पहेली- 2614

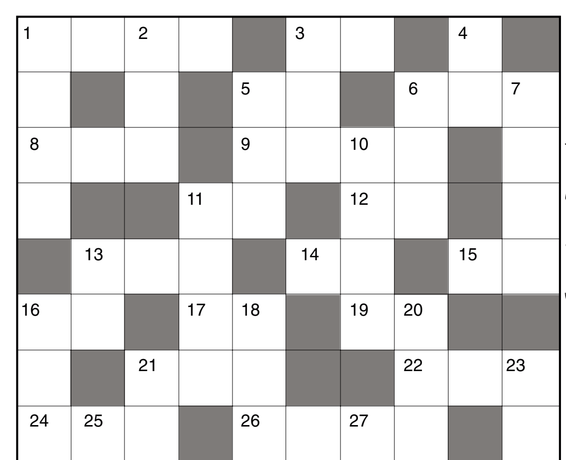

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2613

सूडोकु -2614

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2615 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 2614

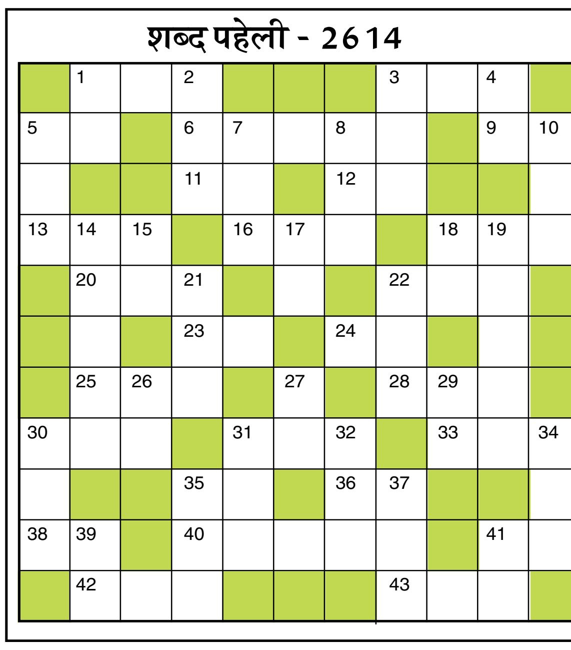

बाएँ से दाएँ

1. ईश्वर, करतार-3
3. मुस्कुराहट-3
5. ईख-2
6. रजनीगंधा -2,1,2
9. समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11. ताकत, दम-2
12. अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13. वेतन, पगार-3
16. मनोनीत, नामकृत-3
18. बंधक, गिरवी वस्तु-3
20. निशा, रात्री-3
22. वचन, प्रतिज्ञा-3
23. श्रीनगर की झील-2
24. मूल्य, कीमत-2
25. असावधान-3
28. धिक्कार, फटकार-3
30. हवा, पवन-3
31. झाझर, कुंभ-3
33. चिंतन-3
35. संस्कृत में मेरा-2
36. मादा का विलोम-2
38. कुबेर, भूत-2
40. परोपकारी, जितेंद्र की एक फिल्म-5
41. फलों का राजा-2
42. फूल चुननेवाली-3
43. घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1. तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2. बेकार-3
3. दीवान, खजांची-3
4. पैगंबर, रसूल-2
5. झूठ, मिथ्या -3
7. तेल में पकाना-3
8. आराम, मदद-3
10. गुलिस्ता-3
14. नरकभोगी-5
15. खुजली-2
17. सखा, दोस्त-2
18. मजा, आनंद-2
19. स्वदेशवासी-5
21. सुई (अंग्रेजी-3)
22. विष्णुप्रिया-3
26. पुनः, वापस-2
27. मर्करी, पारद-2
29. भीगा हुआ-2
30. वक्त, टाईम-3
31. अच्छी बुद्धि-3
32. निम्नता-3
34. मुलायम-3
35. बड़ा, विशाल-3
37. धनवान-3
39. माफी-2
41. उम्मीद-2

शब्द पहेली - 2613 का हल

आईपीएस अधिकारी की मौत के मामले पर आयोग ने लिया संज्ञान, मुख्य सचिव से मांगी रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा में आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार की मौत के मामले का राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव से इस संबंध में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट तलब की है। इस मामले में अब तक कई आलाधिकारियों के खिलाफ़ एफआईआर दर्ज हुई है। हरियाणा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वाई पूरन कुमार ने 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ स्थित आवास पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। सुसाइड नोट में उन्होंने जातिगत भेदभाव, मानसिक उत्पीड़न और अत्याचार का आरोप लगाया। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने मृतक के सुसाइड नोट में कथित तौर पर जातीय उत्पीड़न की बात का संज्ञान लिया है। हरियाणा के मुख्य सचिव को नोटिस जारी करते हुए इस संबंध में 7 दिनों के भीतर रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही चंडीगढ़ के मुख्य सचिव और चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक को भी नोटिस जारी कर 7 दिनों में जवाब मांगा है।

शीतकाल के लिए श्री हेमकुंड साहिब व लोकपाल के कपाट बंद

गोपेश्वर। उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित सिखों के पवित्र धाम हेमकुंड साहिब और हिंदुओं के पवित्र धाम लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट शीतकाल के लिएअपराह्न बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने के अवसर पर गोविंदधाम (घांघरिया) से रागियों समेत चार हजार श्रद्धालु श्री हेमकुंड साहिब पहुंचे। खुशनुमा मौसम और बर्फ से ढकी सप्तश्रृंग घाटी के दिव्य नज़ारे के बीच, अमृतसरी रागी जत्थे की ओर से शबद कीर्तन और सुखमणि साहिब पाठ का आयोजन किया गया। इसके बाद अरदास और जो बोले सोनिहाल के उद्घोष के साथ कपाट बंद कर दिए गए। इस अवसर पर सेना के बैंड की मधुर धुनों से पूरा क्षेत्र गूंजायमान रहा। इस मौके पर गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेन्द्रजीत सिंह बिन्द्रा और वरिष्ठ प्रबंधक सरदार सेवा सिंह मौजूद रहे। उन्होंने बर्फबारी के दौरान पुलिस के सहयोग की सराहना की। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष 25 मई से आरंभ हुई श्री हेमकुंड साहिब यात्रा ने श्रद्धालुओं की संख्या मामले में पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिये। इस सीज़न में दो लाख 75 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शनों का पुण्य लाभ अर्जित किया। यह धार्मिक केंद्र केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि हिन्दू-सिख आस्था के अटूट संकल्प का प्रतीक है।

इंजीनियरिंग के 8 छात्रों में हुई लेप्टोस्पाइरा बुखार पुष्टि, कॉलेज बंद

तिरुनेलवेली। तिरुनेलवेली जिले के मेलाथिडियूर क्षेत्र में स्थित एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के 8 छात्रों में लेप्टोस्पाइरा बुखार की पुष्टि हुई है। इसके चलते कॉलेज को अगली सूचना तक अस्थायी रूप से बंद करने का आदेश जारी किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने जनता से घबराने की बजाय सतर्क रहने की अपील की है। बताया जा रहा है कि इस कॉलेज में नेल्लई, तेनकासी और विरुधुनगर जिलों के हजारों छात्र पढ़ाई करते हैं। पहला मामला उवारी क्षेत्र के एक छात्र में सामने आया जिसे बुखार के कारण नागरकोइल के एक अस्पताल में भर्ती किया गया था। जांच के बाद उसमें लेप्टोस्पायरोसिस (लेप्टोस्पाइरा) संक्रमण की पुष्टि हुई, जो आमतौर पर जानवरों के मूत्र से दूषित पानी के संपर्क में आने से फैलता है। स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल कॉलेज का निरीक्षण किया। एक शिविर के दौरान 8 और छात्रों में भी इसी बुखार की पुष्टि हुई, जिनका अब इलाज चल रहा है। निरीक्षण में सामने आया कि कॉलेज के पीछे बाढ़ के पानी से पीने और खाना पकाने का पानी लिया जा रहा था। साथ ही, कैंटीन में सड़ी हुई सब्ज़ियां और गंदगी पाई गई। इसके चलते कैंटीन का लाइसेंस अस्थायी रूप से रद्द कर दिया गया है। इस संबंध में 11 और 12 अक्टूबर को कॉलेज में स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। छात्रावास और कैंटीन की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं छात्रों को अगले आदेश तक कॉलेज न आने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि लेप्टोस्पाइरा बुखार गंदे पानी और साफ-सफाई की कमी से फैलता है। उन्होंने लोगों से साफ पानी का उपयोग करने और स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है।

तमिलनाडु में धान की पैदावार 60 सालों में अभूतपूर्व स्तर पर पहुंची : मंत्री चक्रपाणि

तंजावुर। तमिलनाडु के खाद्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री चक्रपाणि ने तंजावुर जिले के ओराथानाडु और परुथियाप्पार कोविल क्षेत्रों में सरकार के प्रत्यक्ष धान खरीद केंद्र और खुले धान भंडारण गोदाम का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री चक्रपाणि ने कहा है कि इस साल धान की पैदावार पिछले 60 सालों में सबसे अधिक ऊंचाई पर पहुंच गई है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के डेल्टा जिले में धान की खेती का रकबा बढ़कर 6.31 लाख एकड़ हो गया है, जिससे धान की पैदावार पिछले 60 वर्षों में अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई है। पिछले साल 3.87 लाख एकड़ में खेती हुई थी। प्रति हेक्टेयर 6 मीट्रिक टन धान का उत्पादन हुआ था। अब तक, तमिलनाडु में 1728 प्रत्यक्ष धान खरीद केंद्र खोले जा चुके हैं और 7.02 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। इससे 97,125 किसान लाभान्वित हुए हैं। इसके अलावा, किसानों को 1606.65 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। पिछले वर्ष की तुलना में 52,212 अतिरिक्त किसानों से 3.92 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया है और 851.65 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। वर्ष 2025-2026 के लिए, 3.02 लाख मीट्रिक टन क्षमता वाले 28 उपर्युक्त केंद्रों का भुगतान किया जा चुका है। 38 स्थानों पर 62,750 मीट्रिक टन क्षमता वाले धान भंडारण क्षेत्र और प्रसंस्करण गोदाम बनाए गए हैं। खरीदे गए धान को प्रतिदिन 12 से अधिक मालगाड़ियों और 4000 से अधिक ट्रकों द्वारा अन्य जिलों में ले जाया जा रहा है ।

संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए घुसपैठ पर सख्ती जरूरी : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ को बड़ा संकट बताते हुए केंद्र सरकार की सख्त नीति को दोहराया। गृह मंत्री ने चुनाव आयोग की मतदाता की पहचान के लिए चलाई गई एसआईआर प्रक्रिया का समर्थन किया और कांग्रेस का इसके खिलाफ सड़कों पर विरोध को गलत बताया। उन्होंने कहा कि देश की संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए डिटेक्ट, डिलिट और डिपोर्ट के सिद्धांत पर चल रही है।अमित शाह ने आज एक समाचार पत्र से जुड़े कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने 'नरेन्द्र मोहन स्मृति व्याख्यान' और 'साहित्य सृजन सम्मान' समारोह को संबोधित किया और घुसपैठ के विषय पर अपने विचार रखे। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि धार्मिक प्रताड़ना से भागकर आने वाले शरणार्थियों और आर्थिक

कारणों से अवैध प्रवेश करने वाले घुसपैठियों में फर्क है। शाह ने कहा कि भारत धर्मशाला नहीं बन सकता, लेकिन जितना मेरा अधिकार इस देश की मिट्टी पर है, उतना ही पाकिस्तान और बांग्लादेश के हिंदुओं का भी है।

शाह ने कहा कि उनका व्यक्तिगत तौर पर मानना है कि देश को धर्म के आधार पर बांटना ग़लत था। अंग्रेजों को खुश करने के लिए भारत माता की दोनों भुजाएं काट दी गई। धर्म और राष्ट्रीयता अलग-अलग होनी चाहिए। इसी वजह से आज हम समस्याओं का सामना कर रहे हैं। अगर नेहरू-लियाक़त समझौते का सम्मान किया जाता तो घुसपैठ कोई मुद्दा नहीं होता। उन्होंने कहा कि भाजपा पहचानो, हटाओ और निर्वासित करो (डिटेक्ट, डिलिट और डिपोर्ट) के सिद्धांत पर चल रही है। यह देश की संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए है। भारत में करोड़ों मुसलमान, ईसाई हैं। वे वोट देते हैं और उनका यहाँ स्वागत है। केवल भारतीयों को ही वोट देने का अधिकार होना चाहिए। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष 15 अगस्त को लाल किले से देश के लिए एक हाई-पावर्ड डेमोग्राफिक मिशन की घोषणा की। यह मिशन अवैध प्रवासन के रुझानों, उसके धार्मिक और सामाजिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों, जनसंख्या में हो रहे असंतुलन और असामान्य बसावट के पैटर्न का गहन अध्ययन करेगा। इसके साथ ही यह सीमा प्रबंधन पर इन परिवर्तनों के असर का भी मूल्यांकन करेगा।

एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर भड़की ममता, भाजपा ने बयान को हिंसा भड़काने वाला बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरु होने से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव अधिकारी पर निशाना साधते हुए बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। भारतीय जनता पार्टी ने ममता के बयान को हिंसा भड़काने वाला करार दिया है। मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वस्थ प्रक्रिया से होने वाले चुनावों के लिए निर्धारित एसआईआर की प्रक्रिया के विरुद्ध जिस प्रकार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खतरनाक बयान दिया है, वह प्रकारांतर से सीधे हिंसा भड़काने का संकेत देता है। यह अपने आप में तृणमूल कांग्रेस की नैतिकता और पश्चिम बंगाल सरकार की संवैधानिकता दोनों पर प्रश्नचिह्न लगाता है। यह कैसे संभव है कि कानून-व्यवस्था, जो राज्य का विषय है, उस राज्य की मुख्यमंत्री स्वयं इस प्रकार से चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े करें? पूर्व में भी पश्चिम बंगाल की सरकार ने जिस प्रकार हिंसा को संरक्षण दिया, उस पर न्यायालयों की कठोर टिप्पणियां रही हैं। ऐसे में यदि मुख्यमंत्री स्वयं सर्वोच्च पद से इस प्रकार के बयान दें, तो यह अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। इसको लेकर ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में जनता और राज्य सरकार को शामिल नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैठकों में सिर्फ कुछ अधिकारियों को बुलाया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि एसआईआर की आड़ में असली मतदाताओं को हटाने की कोशिश हो रही है।

मनी लॉन्ड्रिंग और शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार चैतन्य बघेल की न्यायिक रिमांड 24 अक्टूबर तक बढ़ी

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की न्यायिक रिमांड को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की विशेष अदालत ने 24 अक्टूबर तक बढ़ा दिया। वे तब तक जेल में ही रहेंगे। ईडी की ओर से मामले की जांच के लिए और समय की मांग की गई थी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग और शराब घोटाला मामले में 18 जुलाई को भिलाई निवास स्थान से गिरफ्तार किया था। प्रवर्तन निदेशालय के मुताबिक चैतन्य बघेल ने 16 करोड़ 70 लाख रुपये की अवैध कमाई को अपने रियल एस्टेट प्रोजेक्ट में इन्वेस्ट किया। आरोप है कि यह पैसा नकद में ठेकेदारों को भुगतान फर्जी बैंक एंट्री और फ्लैट खरीदी के बहाने से उपयोग किया गया।

वह त्रिलोक सिंह ढिल्लो के साथ मिलकर विट्ठलपुरम नामक परियोजना में फर्जी फ्लैट खरीद की योजना बनाकर 5 करोड़ हासिल करने के आरोप में भी घिरे हैं। इन फ्लैटों को त्रिलोक सिंह ढिल्लो के कर्मचारियों के नाम पर खरीदा गया था, लेकिन असली लाभार्थी चैतन्य ही थे। जांच में यह भी पाया गया कि चैतन्य ने इस घोटाले से जुड़े 1000 करोड़ से तत्कालीन कोषाध्यक्ष तक पहुंचाया गया। गौरतलब है कि बत्तीस सौ करोड़ रुपये से अधिक के छत्तीसगढ़ शराब

चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग और शराब घोटाला मामले में 18 जुलाई को भिलाई निवास स्थान से गिरफ्तार किया था।

अधिक की अवैध धनराशि को हैंडल किया और इसे अनवर ढेबर और अन्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ कांग्रेस के घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। इस मामले में रायपुर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस घोटाले में ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के तत्कालीन एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

शुभेंदु ने मुख्यमंत्री पर लगाया चुनाव अधिकारियों को धमकाने का आरोप, की कार्रवाई की मांग

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अधिकारी ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री ने चुनाव अधिकारियों को डराने और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश की है। अधिकारी ने आयोग से अनुरोध किया है कि मुख्यमंत्री के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी द्वारा आयोग के कुछ अधिकारियों, विशेष रूप से राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल के खिलाफ दिए गए 'बेतुके आरोप' गंभीर हैं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को राज्य सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक अधिकारी पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा था कि ÷एक अधिकारी जो लंबे समय से पश्चिम बंगाल में है, उसके खिलाफ भ्रष्टाचार के कई आरोप हैं। मैं समय आने पर उसका नाम बताऊंगी। उसे अपनी सीमा से बाहर नहीं जाना चाहिए। वह राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। जब तक निर्वाचन

आयोग ने राज्य प्रशासन को अपने अधीन नहीं लिया है, तब तक वह बूथ स्तर के अधिकारियों के साथ बैठकें क्यों कर रहा है?' शुभेंदु अधिकारी ने अपने पत्र में लिखा है कि मुख्यमंत्री का यह बयान निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की भाषा 'अवमाननापूर्ण और अपमानजनक' है, जिसका उद्देश्य आयोग के अधिकारियों को दबाव में लाना है। पत्र में आगे कहा गया है, ÷राज्य सरकार के प्रमुख द्वारा दिया गया ऐसा बयान आयोग के कामकाज को पंगु बना सकता है और पूरे चुनावी माहौल को दूषित कर सकता है। इसलिए आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी अधिकारी सुरक्षित और स्वतंत्र रूप से अपना कार्य कर सकें।'

अधिकारी ने यह भी याद दिलाया कि 28 जुलाई, 2025 को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में बूथ स्तर के अधिकारियों को यह कहकर चेताया था कि वे याद रखें कि वे राज्य सरकार के कर्मचारी हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि राज्य प्रशासन केवल चुनाव तिथि की घोषणा के बाद ही निर्वाचन आयोग के अधीन जाता है और परिणाम घोषित होने के बाद वापस राज्य सरकार के अधीन लौट आता है।

जलवायु परिवर्तन मानवता और विकास के लिए बड़ी चुनौती : विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि मानवता और विकास दोनों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि थोड़ा-सा तापमान बढ़ना भी भारी वर्षा, बाढ़ और ग्लेशियरों के पिघलने जैसी प्राकृतिक आपदाओं को जन्म दे सकता है। गुप्ता ने यह बात बारबाडोस के ब्रिजटाउन में आयोजित 68वें कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री कॉन्फ्रेंस (सीपीसी) में हुई दो कार्यशालाओं में भाग लेते हुए कही। यह जानकारी दिल्ली विधानसभा ने एक बयान में दी। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक मानवीय संकट भी है, जो आजीविका, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने देशों से आग्रह किया कि वे जिम्मेदारी और समानता की भावना के साथ मिलकर इस चुनौती का सामना करें। यह केवल

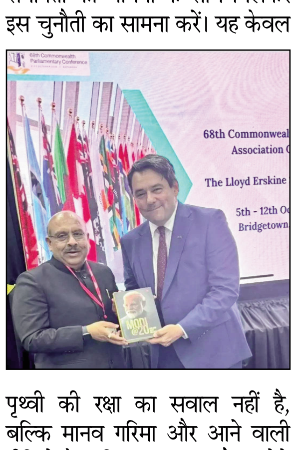

पृथ्वी की रक्षा का सवाल नहीं है, बल्कि मानव गरिमा और आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व का प्रश्न है। उन्होंने जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ने और पर्यावरण संरक्षण को नीति निर्माण का मुख्य हिस्सा बनाने पर बल दिया। विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र की पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि सार्वजनिक संस्थाएं भी पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा सकती हैं और उदाहरण प्रस्तुत कर सकती हैं। दूसरी कार्यशाला में राष्ट्रीय संसद बनाम प्रांतीय व क्षेत्रीय विधानसभाएं – शक्तियों के पृथक्करण द्वारा लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाना विषय पर बोलते हुए गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र की शक्ति उसके संतुलन और जवाबदेही में निहित है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि विश्वास का एक अनुबंध है– जहां सत्ता संयम से प्रयोग की जाती है, जिम्मेदारी से साझा की जाती है और लगातार जवाबदेह रहती है। सत्ता का केंद्रीकरण लोकतंत्र को कमजोर करता है, जबकि विकेंद्रीकरण उसे सशक्त बनाता है। उन्होंने भारत के संघीय ढांचे को सहकारी और सहभागी शासन का सशक्त उदाहरण बताया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यदि संसद राष्ट्र की इच्छा का प्रतीक है, तो राज्य विधानसभाएं जनता की आवाज़ का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थाओं के बीच रचनात्मक तनाव लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रतीक है और सच्चा लोकतंत्र एकता के उद्देश्य से संचालित होता है, न कि शक्ति की एकरूपता से।

प्रधानमंत्री मोदी पर व्यक्तिगत हमले कर अपना ही पाखंड उजागर कर रहे भगवंत मान : तरुण चुग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की तरफ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर किए गए व्यक्तिगत हमले को अशोभनीय करार दिया। चुग ने कहा कि मान, जो हर समय पंजाब में अपने तथाकथित नशे के खिलाफ युद्ध का बखान करते हैं, उन्हें पहले अपने ऊपर बार-बार लगने वाले गंभीर आरोपों का जवाब देना चाहिए। जिन पर खुद शराब के दुरुपयोग को लेकर सार्वजनिक मंचों पर सवाल उठते रहे हों वे नैतिकता का दावा नहीं कर सकते।

तरुण चुग ने जारी बयान में कहा कि मोदी सरकार ने पंजाब में 347 स्कूलों के लिए पीएम श्री योजना के तहत 300 करोड़ से अधिक राशि स्वीकृत की और इसका श्रेय आज आदमी पार्टी खुद लेने का नाटक करती है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब के 28 स्कूलों में कोई टीचर नहीं, 35 में सिर्फ एक टीचर है। 40 से ज्यादा प्रिंसिपल, हेडमास्टर पद खाली है, कॉलेज, यूनिवर्सिटी तक खंडहर बन रही हैं। छात्र जान हथेली पर लेकर हॉस्टल में रहते हैं। वहीं, पंजाब के मंत्री केवल ट्वीट-वीर हैं। प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री सारी दुनिया देख चुकी। आज पंजाब पूछ रहा है कि ड्रग्स के खिलाफ जंग की असल शुरुआत पंजाब विधानसभा के सभी विधायकों के साथ उनके डोप टेस्ट से होनी चाहिए। चुग ने पूछा कि क्या यही वह नैतिक दृष्टि है जिसे मान पंजाब के युवाओं को देना चाहते हैं- दूसरों के निजी जीवन पर हमला करना और अपने ही आचरण पर ईमानदार जवाब देने से बचना। उन्होंने मांग की कि मान प्रधानमंत्री और देश से माफी मांगें।

घबराइए मत, सबकी समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता : सीएम योगी

एजेंसी

गोरखपुर। श्गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से सबातचीत करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा। यह सरकार की प्राथमिकता है।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं। सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अपेक्षाकृत अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को

भी घबराने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में परिजनों के साथ बच्चों पर खूब प्यार-दुलार बरसाया।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में कैडेट का निधन, जांच के आदेश

एजेंसी

पुणे। खडकवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में सुबह प्रथम टर्म के कैडेट अंतरिक्ष कुमार सिंह का संदिग्ध परिस्थितियों में निधन हो गया। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दिए गए हैं। प्रवक्ता के अनुसार एनडीए में प्रशिक्षण ले रहे कैडेट अंतरिक्ष कुमार को उसके साथी कैडेटों ने उसी के केबिन में मृत अवस्था में पाया।

उसे तुरंत खडकवासला के सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां सुबह 6:30 बजे मृत घोषित कर दिया गया। इस बारे में परिजनों और स्थानीय पुलिस को सूचित कर दिया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि एनडीए समुदाय इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

अफगानिस्तान को सौगात के साथ संबंधों में फिर से गर्मजोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने यहां अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर ख़ान मुत्ताक़ी के साथ विस्तृत चर्चा की। दोनों पक्षों ने आपसी हितों के व्यापक मुद्दों के साथ-साथ महत्वपूर्ण क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज नई दिल्ली में अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी अमीर ख़ान मुत्ताक़ी से मिलकर प्रसन्नता हुई। यह यात्रा हमारे संबंधों को आगे बढ़ाने और भारत-अफ़ग़ानिस्तान की स्थायी मित्रता को मज़बूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अफ़ग़ानिस्तान के विकास, हमारे द्विपक्षीय व्यापार, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता, लोगों के बीच संबंधों और क्षमता निर्माण के लिए भारत के समर्थन पर चर्चा हुई। भारत काबुल स्थित अपने तकनीकी मिशन को भारतीय दूतावास के स्तर तक उन्नत करेगा। इस दौरान विदेश मंत्री मुत्ताक़ी को 5 एम्बुलेंस भी सौंपी। यह 20 एम्बुलेंस और अन्य चिकित्सा उपकरणों के बड़े उपहार का हिस्सा है। यह अफ़ग़ान लोगों के प्रति हमारे दीर्घकालिक समर्थन को दर्शाता है।

दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया। इसके अनुसार अफ़ग़ानिस्तान की आर्थिक सुधार और विकास की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि भारत विकास सहयोग परियोजनाओं, विशेष

रूप से स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक अवसंरचना और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में अपनी भागीदारी को और गहरा करेगा। अफ़ग़ानिस्तान के साथ भारत के चल रहे स्वास्थ्य सेवा सहयोग के तहत, कई परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं, जिनमें एक थैलेसीमिया केंद्र, एक आधुनिक निदान केंद्र की स्थापना और काबुल स्थित इंदिरा गांधी बाल स्वास्थ्य संस्थान में हीटिंग सिस्टम को बदलना शामिल है। इसके अतिरिक्त, भारत काबुल के बगरामी ज़िले में 30 बिस्तरों वाला एक अस्पताल, काबुल में एक ऑन्कोलॉजी केंद्र और एक ट्रॉमा सेंटर और पक्तिका, खोस्त और पक्तिया प्रांतों में पांच प्रसूति स्वास्थ्य क्लिनिक का निर्माण करेगा। अफ़ग़ान नागरिकों को लगभग 75 कृत्रिम अंग सफलतापूर्वक लगाए गए हैं, जिसकी अफ़ग़ान सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय दोनों ने व्यापक सराहना की है। भारत अफ़ग़ान नागरिकों को चिकित्सा सहायता और उच्च-गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना जारी रखेगा। क्षमता निर्माण के क्षेत्र में भारत ई-आईसीसीआर छात्रवृत्ति योजना के तहत अफ़ग़ान छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना जारी रखे हुए है। आईसीसीआर और अन्य छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के तहत अफ़ग़ान छात्रों के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने के अन्य अवसरों पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है। भारत ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में आवासीय भवनों के पुनर्निर्माण में अफ़ग़ान सरकार की सहायता करने की इच्छा व्यक्त की। विदेश मंत्री मुत्ताकी ने ऐसी सहायता जारी रखने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने अफ़ग़ानिस्तान में जबरन वापस भेजे गए शरणार्थियों की तत्काल ज़रूरतों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण भौतिक सहायता प्रदान करने सहित, व्यापक और उदार मानवीय सहायता के लिए भारत सरकार की सराहना की। दोनों पक्षों ने अफ़ग़ानिस्तान को भारतीय मानवीय सहायता कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की, जिसमें खाद्यान्न, सामाजिक सहायता सामग्री, स्कूल स्टेशनरी, आपदा राहत सामग्री और कीटनाशकों की आपूर्ति शामिल है।

कोकरनाग के ऊपरी इलाकों से लापता सेना के एक और कमांडो का शव बरामद

एजेंसी

कोकरनाग। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकरनाग के ऊपरी इलाकों से सेना के एक और कमांडो का शव बरामद किया गया है। तीन दिन पहले सेना के दो पैरा कमांडो भीषण बर्फीले तूफान के बीच इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान लापता हो गए थे।दूसरे शव की बरामदगी के साथ ही कठिन इलाके और जमा देने वाले तापमान के बावजूद जारी गहन तलाशी अभियान समाप्त हो गया है। कोकरनाग इलाके में आतंकवादियों के एक समूह के इलाके में छिपे होने की सूचना मिलने के बाद दो दिन पहले अहलान गडोले इलाके में एक अभियान शुरू किया गया था।

श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर के मुताबिक 6 और 7 अक्टूबर की दरम्यानी रात को किश्तवाड़ रेंज में इस ऑपरेशनल टीम को दक्षिण कश्मीर के पहाड़ों में भयंकर बर्फ़ीले तूफ़ान और बर्फ़बारी का सामना

करना पड़ा। इसी तलाशी अभियान के दौरान विशिष्ट पैरा यूनिट के दो कमांडो मंगलवार को संचार लाइन बंद हो जाने के बाद लापता हो गए थे। कमांडो का पता लगाने के लिए हेलीकॉप्टरों को हवाई टोही में लगाया गया। सेना ने गहन खोज और बचाव अभियान शुरू किया, लेकिन प्रतिकूल मौसम के बावजूद तलाशी अभियान के दौरान 09 अक्टूबर को दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग के ऊपरी इलाकों में एक पैराट्रूपर का शव हथियार सहित बरामद हुआ। एक अन्य लापता सैनिक की तलाश जारी रखने पर दूसरे जवान का भी शव आज बरामद किया गया है। दूसरे शव की बरामदगी के साथ ही कठिन इलाके और जमा देने वाले तापमान के बावजूद जारी गहन तलाशी अभियान समाप्त हो गया है। सेना के सूत्रों ने बताया कि पार्थिव शरीर को औपचारिक पहचान के बाद सैन्य सम्मान के लिए भेजा जाएगा।-

महिला क्रिकेट विश्व कपः भारत-ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। महिला क्रिकेट विश्व कप के तीसरे मुकाबले में भारतीय टीम सात बार की चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी। पिछले मैचों में खराब फॉर्म और शीर्षक्रम की असफलता के कारण भारतीय बल्लेबाजों पर बड़ी जिम्मेदारी है। अगर टीम के शीर्ष पांच बल्लेबाज इस बार जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहे, तो सेमीफाइनल की राह कठिन हो सकती है।

टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में श्रीलंका और पाकिस्तान को हराकर शुरूआत अच्छी की थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बृहस्पतिवार को तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच के बाद भारत चार अंकों के साथ ग्रुप में तीसरे स्थान पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों में पांच अंकों के साथ शीर्ष पर है।

लगातार तीसरे मैच में भारतीय शीर्षक्रम ने निराश किया। आठवें नंबर की बल्लेबाज रिचा घोष के 94 रन ही टीम के कुल 251 रन बनाने में मुख्य योगदान रहे। कप्तान हरमनप्रीत कौर पिछले तीन मैचों में 21, 19 और 9 रन ही बना पाई हैं, वहीं स्मृति मंधाना ने 8, 23 और 23 रन ही जोड़ पाए। मध्यक्रम की जेमिमा रॉड्रिग्स केवल पाकिस्तान के खिलाफ 32 रन ही बना सकी। कुल मिलाकर, शीर्ष पांच बल्लेबाजों में किसी ने भी तीन मैचों में अर्धशतक नहीं बनाया। हार के बाद कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, हम शीर्षक्रम में जिम्मेदारी से नहीं खेल सके। हमें बड़े स्कोर बनाने होंगे और सकारात्मक सोच के साथ खेलना होगा।

ऑस्ट्रेलिया अब तक बिना किसी हार के आगे बढ़ रही है। गत चैम्पियन ने पाकिस्तान के खिलाफ बेथ मूनी के शतक और गेंदबाजों की सहायता से जीत दर्ज की। तेज गेंदबाज किम गार्थ, मेगन शूट और अनाबेल सदरलैंड

ने मिलकर सात विकेट लिए। पिछले 12 वनडे विश्व कप मुकाबलों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच भारत केवल तीन बार ही जीत पाया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने नौ बार जीत दर्ज की है।

भारत की उम्मीदें कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्पिनर दीप्ति शर्मा पर टिकी हैं, जिन्होंने 2017 इंग्लैंड सेमीफाइनल में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार भी उनके अनुभव और प्रदर्शन से टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया जैसी चुनौतीपूर्ण टीम के खिलाफ मुकाबले में मजबूती मिलने की उम्मीद है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रॉड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

ऑस्ट्रेलिया- एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, एलेना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिन्यु, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शूट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

विश्व पैरा चैंपियन सिमरन के गाइड उमर सैफी डोपिंग में फेल, पदक गंवाने का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप की स्वर्ण विजेता धावक सिमरन शर्मा के पदक खतरे में हैं। कारण उनके गाइड उमर सैफी का डोप परीक्षण में असफल होना है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने सैफी को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है।

सैफी पिछले सात महीनों से दृष्टिबाधित सिमरन के गाइड हैं। उनके डोप टेस्ट में ड्रोस्टैनोलोन पाया गया, जो एक प्रतिबंधित एनाबोलिक स्टेरॉयड है और मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में मदद करता है।

सिमरन ने 7 सितंबर को दिल्ली स्टेट ओपन में 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था, जहां उनका यह डोप टेस्ट किया गया था। सैफी का नाम शुक्रवार को नाडा द्वारा जारी अस्थायी निलंबित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया। वह इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकते हैं और 'बी' नमूना परीक्षण की मांग कर सकते हैं।

सिमरन ने इस साल भारत में आयोजित पहली बार विश्व चैंपियनशिप में 100 मीटर टी12 में स्वर्ण और 200 मीटर में रजत पदक भी जीता था। 100 मीटर का यह स्वर्ण उनका लगातार दूसरा विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण है। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के नियमों के अनुसार, यदि सैफी अपनी बेगुनाही साबित करने में विफल रहते हैं, तो सिमरन अपने पदक खो सकती हैं। भारतीय पैरा एथलेटिक्स के चेयरमैन सत्यनारायण ने कहा, 'गाइड भी प्रतियोगिता का हिस्सा होते हैं और उन्हें भी पदक मिलता है। यदि गाइड डोपिंग में दोषी पाया गया तो एथलीट को भी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।'

पिछले साल पेरिस पैरालंपिक में सिमरन ने कांस्य पदक जीता था, उस समय उनके गाइड अभय सिंह थे। नाडा की अपडेटेड सूची में 30 नए नाम शामिल किए गए हैं, जिनमें पहलवान रीतिका हुड्डा और धावक एस धनलक्ष्मी भी शामिल हैं। इस सूची में 5 नाबालिग खिलाड़ी भी हैं, जो चिंता का विषय हैं।

प्वांइट टेबल में न्यूजीलैंड ने खोला खाता, पाकिस्तान की स्थिति और भी नाजुक

क्र	टीम	मैच	जीत	हार	टाई	नोट रिजल्ट	पॉइंट्स	नेट रन रेट
1	ऑस्ट्रेलिया	3	2	0	0	1	5	+1.960
2	इंग्लैंड	2	2	0	0	0	4	+1.757
3	भारत	3	2	1	0	0	4	+0.953
4	साउथ अफ्रीका	3	2	1	0	0	4	-0.888
5	न्यूजीलैंड	3	1	2	0	0	2	-0.245
6	बांग्लादेश	3	1	2	0	0	2	-0.357
7	श्रीलंका	2	0	1	0	1	1	-1.255
8	पाकिस्तान	3	0	3	0	0	0	-1.887

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी वुमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के 11वें मैच में न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को 100 रनों से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने पॉइंट्स टेबल में अपना खाता खोल लिया है। टूर्नामेंट में भाग ले रही आठ टीमों में अब सिर्फ पाकिस्तान ही ऐसी टीम रह गई है जिसके खाते में एक भी अंक नहीं है। वहीं श्रीलंका ने भी अब तक कोई मैच नहीं जीता है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसका मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था, जिससे उसे एक अंक मिल गया। न्यूजीलैंड की टीम अब पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है।

टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीमों में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पहले, इंग्लैंड दूसरे, भारत तीसरे और साउथ अफ्रीका चौथे पायदान पर हैं। वहीं पाकिस्तान की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। पाकिस्तान ने अब तक तीन मैच खेले हैं और तीनों में हार का सामना किया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में जहां टीम उलटफेर का शिकार बनी, वहीं भारत और ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें बुरी तरह पराजित किया। लगातार तीन हार के बाद पाकिस्तान के टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा बढ़ गया है और अब आगे के मैच उनके लिए करो या मरो की स्थिति बन चुके हैं।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम ने आखिरकार जीत का स्वाद चखा है। इस टूर्नामेंट में उनके लिए यह तीसरा मैच था। इससे पहले कीवी टीम को ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। बांग्लादेश के खिलाफ इस मुकाबले में न्यूजीलैंड की बल्लेबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया, जिसके बाद गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए विरोधी टीम को 100 रनों से पराजित किया। इस जीत से न्यूजीलैंड को टूर्नामेंट में नई ऊर्जा मिली है और टीम अब सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने की उम्मीद के साथ आगे बढ़ेगी।

भारत और वेस्टइंडीज दूसरे टेस्ट मैच : वेस्टइंडीज का स्कोर 140/4, भारत 378 रन आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो चुका है। अरुण जेटली स्टेडियम में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 518/5 पर पारी घोषित की, जिसके बाद वेस्टइंडीज ने दिन का अंत 140/4 के स्कोर के साथ किया। अब भी कैरेबियाई टीम भारत से 378 रनों से पीछे है।

दिन का आकर्षण रहे रवींद्र जडेजा, जिन्होंने अपनी सटीक लाइन और लेंथ से विरोधी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया और 3 विकेट हासिल किए। उनके अलावा कुलदीप यादव ने एक सफलता पाई।

भारत की पहली पारीः जायसवाल और शुभमन का कमाल

पहले दिन भारत के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। सलामी जोड़ी यशस्वी जायसवाल (175) और केएल राहुल (36) ने ठोस शुरुआत दी। इसके बाद साई सुदर्शन (87) ने जायसवाल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 193 रनों की साझेदारी की। जायसवाल का शतक 145 गेंदों में आया, जबकि शुभमन गिल ने 196 गेंदों पर नाबाद 129 रन की पारी खेलते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। नीतीश रेड्डी (43) और ध्रुव जुरेल (44) ने भी तेज पारी खेली। भारत ने 134.2 ओवर में 518 रन बनाकर पारी घोषित की।

वेस्टइंडीज की पारीः फिरकी में फंसे बल्लेबाज

जवाब में वेस्टइंडीज की शुरुआत निराशाजनक रही।

ओपनर जॉन कैम्पबेल (10) जल्दी आउट हुए। तेजनारायण चंद्रपॉल (34) और एलिक अथानाज (41) ने थोड़ी देर प्रतिरोध किया, लेकिन जडेजा ने दोनों को चलता किया।

कप्तान रोस्टन चेज़ बिना खाता खोले आउट हुए। दिन के अंत में शाई होप (31)* और टेविन इमलाच (14)* नाबाद रहे।

भारत की नजर 10वीं सीरीज जीत पर

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली 9 टेस्ट सीरीज में एक भी हार नहीं झेली है। 2002 के बाद से कैरेबियाई टीम भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है। दिल्ली के इस मैदान पर जडेजा का प्रदर्शन एक बार फिर चर्चा में है – याद दिला दें, 2023 में इसी पिच पर उन्होंने एक पारी में 7 विकेट (7/42) और पूरे मैच में 10 विकेट झटके थे।

मैच की स्थिति

भारत का पलड़ा भारी है और तीसरे दिन टीम इंडिया की कोशिश होगी कि शुरुआती सेशन में ही वेस्टइंडीज की पारी को समेटकर फॉलोऑन या पारी से जीत की स्थिति बनाए।

शंघाई मास्टर्स 2025 :वेलेंटिन वाशरो ने जोकोविच को हराकर फाइनल में जगह बनाई

शंघाई। मोनाको के 26 वर्षीय खिलाड़ी वेलेंटिन वाशरो ने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को 6-3, 6-4 से हराकर शंघाई मास्टर्स 2025 के फाइनल में प्रवेश किया। 204वीं रैंकिंग के वाशरो टूर्नामेंट में क्वालीफाइंग के माध्यम से आए थे,

लेकिन अब उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। वाशरो ने कहा, 'कोर्ट पर नोवाक को देखना मेरे लिए अविश्वसनीय अनुभव था।' फाइनल में वाशरो का सामना उनके चचेरे भाई आर्थर रिंदरनेश से हो सकता है, जिन्होंने सेमीफाइनल में 16वें वरीय दानिल मेदवेदेव को हराना है। जोकोविच इस मैच में कूल्हे की चोट से प्रभावित दिखे और पहले सेट में 3-4 से पीछे रहने के बाद मेडिकल टाइमआउट लिया, लेकिन अगले गेम में केवल एक अंक ही जीत सके।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में संगकारा का रिकार्ड तोड़ सकते हैं विराट

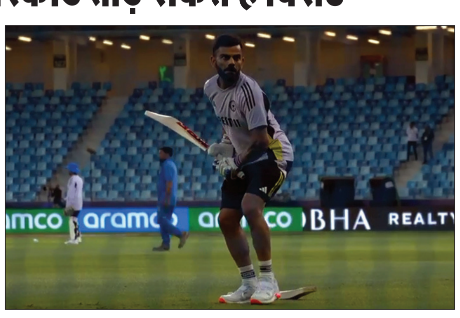

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास ऑस्ट्रेलिया दौरे में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। इस दौरे में विराट अगर 54 रन बना लेते हैं तो वह एकदिवसीय में सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर चल रहे पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज कुमार संगकारा का रिकॉर्ड तोड़ देंगे और इसके साथ ही शीर्ष पर कायम सचिन तेंदुलकर के रिकार्ड के भी करीब पहुंच जाएंगे। एकदिवसीय में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर संगकारा हैं। संगकारा ने 404 एकदिवसीय मैचों में 41.99 की औसत से 14234 रन बनाए हैं। वहीं विराट के 302 मैचों में 14181 रन हैं। इस प्रकार विराट और संगकारा के बीच महज 54 रनों का अंतर रह गया है। विराट एकदिवसीय में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस प्रारुप में अब तक उन्होंने कुल 50 शतक लगाये है वहीं सचिन के नाम 49 शतक हैं। हालांकि, रनों के मामले में फिलहाल वह सचिन से पीछे हैं। सचिन ने 463 मैचम में 18426 रन बनाये हैं। इस प्रकार दोनो के बीच का अंतर चार हजार से भी अधिक है। कोहली का ऑस्ट्रेलिया में काफी अच्छा रिकार्ड रहा है। साल 2009 से लेकर 2025 तक उन्होंने ऑस्ट्रेलिय के खिलाफ कुल 50 एकदिवसीय मैच खेलते हुए 54.46 की औसत और 93.69 की स्ट्राइक रेट से 2451 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 8 शतक और 15 अर्धशतक लगाये हैं।

जोहर कप 2025: रोमांचक मुकाबले में भारत की जीत, ग्रेट ब्रिटेन को 3-2 से हराया

जोहर बहारू (मलेशिया) (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान ऑफ जोहर कप 2025 (Sultan of Johor Cup 2025) अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए ग्रेट ब्रिटेन को 3-2 से हराया। यह मुकाबला शनिवार को तमन दया हॉकी स्टेडियम में खेला गया।

भारत की ओर से कप्तान रोहित (45+', 52') और रवनीत सिंह (23') ने गोल किए, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के लिए माइकल रॉयडन (26') और काडेन ड्रेसी (46') ने गोल दागे।

पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक हॉकी खेली, लेकिन गोल नहीं हो सका। भारत को 13वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे ब्रिटिश डिफेंस ने रोक दिया। 22वें मिनट

में मनमीत सिंह का शॉट गोललाइन पर क्लियर कर दिया गया, लेकिन अगले ही मिनट रवनीत सिंह ने शानदार फिनिश के साथ भारत को बढ़त दिलाई। 26वें मिनट में माइकल रॉयडन ने ग्रेट ब्रिटेन के लिए बराबरी का गोल दागा। हाफ टाइम तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमें मौके तलाशती रहीं।

45वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर कप्तान रोहित ने सटीक ड्रैगफ्लिक के जरिए गोल दागते हुए बढ़त दिलाई। हालांकि, 46वें मिनट में ब्रिटेन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे काडेन ड्रेसी ने भुनाया और स्कोर 2-2 कर दिया।

इसके बाद भारत ने लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, जिनमें से तीसरे मौके पर रोहित (52') ने जोरदार शॉट लगाकर निर्णायक गोल किया और भारत ने मुकाबला 3-2 से जीत लिया। भारत अब रविवार को अपना अगला मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

एशियाई कप क्वालीफायर : सुभाशीष बोस और राल्टे हुए टीम इंडिया में शामिल

मडगांव। सीनियर डिफेंडर सुभाशीष बोस और मिडफील्डर लालेंगमाविया राल्टे एशियाई कप क्वालीफायर में सिंगापुर के खिलाफ दूसरे चरण के अहम मैच से पहले भारतीय फुटबॉल टीम के राष्ट्रीय शिविर में शामिल हो गए हैं। भारत ने सिंगापुर में खेले गए पहले चरण के मुकाबले को 1-1 से ड्रॉ किया था। अब टीम दूसरे चरण की मेजबानी गोवा में करेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) (ढ्ढस्नस्न) ने इस खबर की पुष्टि की और बताया कि बोस और राल्टे आज से शिविर में ट्रेनिंग शुरू करेंगे। भारत ने इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ और हांगकांग से 0-1 से हार के बाद केवल एक अंक अर्जित किया है। ऐसे में सिंगापुर के खिलाफ 'डबल हेडर' मुकाबला टीम के एशियाई कप क्वालीफिकेशन के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। टीम ने पिछले महीने सीएएफए नेशंस कप में कांस्य पदक भी जीता था।

शिवाजी पार्क में घंटों प्रैक्टिस करते दिखे रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के 'हिटमैन' रोहित शर्मा भले ही अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुके हों, लेकिन उनके लिए फैंस का प्यार अब भी बरकरार है। हाल ही में उनसे वनडे टीम की कप्तानी छीन ली गई है, जबकि वह पहले ही टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। इन सबके बीच शुक्रवार को सोशल मीडिया पर रोहित शर्मा का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह मुंबई के मशहूर शिवाजी पार्क में अभ्यास करते नजर आए। वीडियो में रोहित करीब दो घंटे तक नेट्स में जमकर बल्लेबाजी करते हुए दिखे। जैसे ही वह अभ्यास सत्र खत्म कर बाहर निकले, वहां मौजूद फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब हो उठे। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि रोहित के मेंटोर और पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिषेक नायर को खुद फैंस से अपील करनी पड़ी। नायर, जो कभी रोहित के साथ मुंबई रणजी टीम में खेल चुके हैं, फैंस से कहते हुए नजर आए ÷कोई धक्का मत देना, हम सब फैन हैं, लेकिन उसको लगना नहीं चाहिए।' रोहित शर्मा ने यह अभ्यास सत्र नायर की निगरानी में ऑल हार्ट क्रिकेट अकादमी में किया, जो शिवाजी पार्क में स्थित है। इस दौरान मुंबई के युवा क्रिकेटर अंगकृष रघुवंशी सहित कई स्थानीय खिलाड़ी भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि यह अभ्यास सत्र रोहित की ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी का हिस्सा था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होगी।

सूर्यकुमार बोले मुम्बई इंडियंस में तैयार होते हैं तिलक जैसे खिलाड़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल फेंचाइजी मुम्बई इंडियंस की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उससे मैच विजेता खिलाड़ी निकलते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि एशिया कप में शानदार पारी खेलने वाले तिलक वर्मा भी मुम्बई से ही निकले हैं। सूर्या के अनुसार मुम्बई इंडियंस किसी गुरुकुल की तरह है जो बेहतरीन खिलाड़ियों को तैयार करता है। मुम्बई से खेलने वाले तिलक ने एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 53 गेंदों में 69 रनों की नाबाद पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस मैच में जब तिलक बल्लेबाजी के लिए आये तब भारतीय टीम परेशानी में थी और उसने 20 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे। इसके बाद तिलक ने जबरदस्त पारी खेली। आईपीएल में मुम्बई की ओर से भी इसी प्रकार तिलक के कई बेहतरीन पारियां खेली हैं और उस अनुभवी का लाभ उन्हें एशिया कप में मिला। सूर्यकुमार ने तिलक की तारीफ करते हुए उनके शानदार प्रदर्शन का श्रेय मुंबई इंडियंस को दिया है। मुम्बई ने इसका एक वीडियो भी साझा किया है। इस वीडियो में सूर्यकुमार तिलक को लेकर कहते दिखते हैं, जब हम नवंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका में थे तब उसने 2 शतक जड़े तब हमें पता चल गया कि तिलक आ चुका है पर उसने हमें असली तिलक एशिया कप में दिखाया कि वह क्या कर सकता है। सूर्या ने कहा कि मुम्बई में मिले अनुभवों के कारण ही तिलक आज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में स्थापित हो गये हैं। उन्होंने कहहा, मैंने जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्य ने भारतीय टीम में जगह मिलने से पहले आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था। मुंबई इंडियंस एक गुरुकुल की तरह है। मुंबई इंडियंस वो गुरुकुल है जहां वे खिलाड़ी तैयार करते हैं। हम वहां पर दबाव के हालातों में बल्लेबाजी करते और उसका लाभ भारतीय टीम से खेलने के दौरान होता है। जब हम इंडिया के लिए खेले तब हम पहले ही से तैयार थे। तिलक को पता था कि वह इस तरह के दबाव वाले हालातों में कैसा खेला जाता है। इसलिए उससे निडर होकर खेला ।

शुभमन गिल के आलोचकों को गौतम गंभीर का सीधा जवाब- 'वह सबसे कठिन परीक्षा में अच्छे अंकों से पास हुआ'

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने भारतीय क्रिकेट के नए कप्तान शुभमन गिल की जमकर तारीफ की है। ये तारीफ गिल के आलोचकों के लिए करारा और सीधा जवाब है। गंभीर ने जवाब देते हुए साफ किया कि वह गिल का तब तक पूरा समर्थन करेंगे, जब तक यह युवा खिलाड़ी अपना काम ठीक से करता रहेगा। दिल्ली के फ़िरोज़शाह कोटला स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए गौतम गंभीर ने शुभमन गिल की कप्तानी की प्रशंसा की।

टेस्ट कप्तानी में मिली थी अनुचित आलोचना

गंभीर ने याद किया कि इस साल की शुरुआत में भारत के इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद शुभमन गिल को किस तरह अनुचित आलोचना का सामना करना पड़ा था। गंभीर के अनुसार गिल ने इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज (जो भारत ने 2-2 से ड्रॉ कराई थी) के दौरान अविश्वसनीय धैर्य दिखाते हुए अपने आलोचकों को चुप करा दिया।

गंभीर ने कहा, 'मुझे याद है, पूरी बातचीत याद है। एक 25 साल के युवा को टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपते हुए मैंने उससे एक बात साफ़-साफ़ कह दी थी- हमने तुम्हें गहरे समुद्र में फेंक दिया है। यहां से सिर्फ़ दो ही रास्ते हैं- या तो तुम डूब जाओगे या फिर एक विश्वस्तरीय तैराक बन जाओगे।'

प्रेशर संभालना मायने रखता है

गंभीर ने ज़ोर देकर कहा कि उनके लिए गिल द्वारा बनाए गए रन मायने नहीं रखते। गंभीर के शब्द थे- 'मेरे लिए इंग्लैंड में शुभमन गिल के बनाए गए 750 रन उतने मायने नहीं रखते। यह मायने रखता है कि एक 25 साल के युवा ने कप्तान के तौर पर अपनी पहली टेस्ट सीरीज में खुद को, टीम को और प्रेशर को कितनी खूबी से संभाला।'

ODI 2027 में भी संभाल सकते हैं टीम की कमान

शुभमन गिल को अब रोहित शर्मा की जगह वनडे टीम की कप्तानी भी सौंप दी गई है। वह अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज से टीम इंडिया के वनडे कप्तान के रूप में अपनी पारी शुरू करेंगे। बीसीसीआई गिल को दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए बतौर कप्तान तैयार कर रहा है।

गिल ने ऐसे महत्वपूर्ण दौर में टेस्ट टीम की कमान संभाली थी, जब विराट कोहली और रोहित शर्मा ने आईपीएल के बीच में ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। ऑस्ट्रेलिया से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी हारने और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 0-3 से व्हाइट वॉश होने के बाद इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया काफी दबाव में थी।

सबसे कठिन परीक्षा पास कर चुके हो

ओवल टेस्ट में जीत के साथ सीरीज 2-2 से बराबर करने के बाद गंभीर ने गिल के साथ हुई अपनी बातचीत को याद किया। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि गिल को अपने करियर में इससे कठिन

परीक्षा से गुजरना पड़ेगा। चाहे वह 10 साल, 15 साल या 2 साल कप्तानी करें, लेकिन उनके लिए इंग्लैंड दौरे पर वह दो महीने का समय सबसे चुनौतीपूर्ण था।'

गंभीर ने कहा, 'इंग्लैंड की बैटिंग यूनिट बेहद खतरनाक थी और हमारी टीम अनुभवहीन। शुभमन ने प्रेशर को खूबी हैंडल किया। उसके लिए वह एक बड़ी परीक्षा थी। मुझे याद है ओवल टेस्ट के बाद मैंने उनसे कहा था- तुम अपनी सबसे कठिन परीक्षा पास कर चुके हो। बदलाव का दौर खत्म हो गया है। अब से चीजें आसान हो जाएंगी।'

सान्या मल्होत्रा ने दिखाया सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का फनसाइड

अभिनेत्री और स्टार परफॉर्मर सान्या मल्होत्रा ने फैंस को पर्दे के पीछे की वह मस्ती दिखाई है, जिसकी हमें ज़रूरत तो थी, लेकिन हमने सोची नहीं थी! हाल ही में उन्होंने सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के सेट से एक मज़ेदार बीटीएस मोमेंट्स शेयर की है, और यह फैन्स के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। हंसी-मज़ाक से भरे ब्रेक्स से लेकर अनपेक्षित और सच्चे पलों तक, सान्या की (बिहाइंड द सीन्स) फोटोज़ और वीडियोज़ का ये करूसल फिल्म की स्टारकास्ट के बीच की गर्मजोशी और दोस्ती को बखूबी दर्शाता है। चाहे वो एक छोटा सा मज़ाक हो, शूटिंग के दौरान हुई किसी गलती पर साझा हँसी, या एक-दूसरे के प्रति सच्चा सम्मान, हर पल में सब के बीच की दोस्ती साफ़ दिखाई देती है। सान्या की ऊर्जा पूरे माहौल को हल्का और खुशनुमा बना देती है, जिससे लंबे शूटिंग शेड्यूल भी आसान लगते हैं। फैंस ने कमेंट सेक्शन में तुरंत प्रतिक्रिया की बाढ़ ला दी — सभी को पर्दे के पीछे की ये झलकियाँ बेहद पसंद आईं। यह याद दिलाने वाला है कि बेहतरीन कहानी सिर्फ कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि उसके पीछे भी बनती है। मस्ती भरे पलों से लेकर दिल को छू लेने वाली बातों तक, सान्या मल्होत्रा अपने प्रशंसकों को एक बेहतरीन तोहफ़ा दे रही हैं – सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की खुशनुमा दुनिया की एक झलक, जहां हर मुस्कान, हर हँसी और हर बीटीएस मोमेंट यादगार बन जाता है। हाल ही में फिल्म 'कटहल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने और 'मिसेज़' में सराहे गए परफॉर्मेंस के बाद, सान्या का करियर एक दुर्लभ संतुलन दिखाता है — जहां कला और व्यवसाय दोनों साथ चलते हैं। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के साथ, फैंस को विश्वास है कि वह न केवल खुद को साबित कर रही हैं, बल्कि दर्शकों का ध्यान भी पूरी तरह खींच रही हैं — हर फ्रेम में उनका स्टारडम, आकर्षण और सिग्नेचर एनर्जी साफ नज़र आती है।

बड़े पर्दे पर गोलू के किरदार को देखना सपने जैसा लग रहा है

श्वेता त्रिपाठी ने वेब सीरीज मिर्जापुर पर बनी फिल्म मिर्जापुर - द फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। वे इसमें अपनी पॉपुलर भूमिका गजगामिनी गोलू गुप्ता के रूप में लौट रही हैं। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी।

शूटिंग कहां हुई शुरू

श्वेता ने मिर्जापुर - द फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू कर दी है। पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु शर्मा भी अपनी भूमिकाओं में वापस आ रहे हैं। श्वेता ने मिर्जापुर - द फिल्म को लेकर कहा, गोलू मेरे लिए सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि साल से मेरी जिंदगी का साथी है। बड़े पर्दे पर उसका सफर देखना कमाल का और सपने जैसा लग रहा है।

वाराणसी से श्वेता का खास कनेक्शन

श्वेता वाराणसी को अपना दूसरा घर मानती हैं। उन्होंने बताया कि उनके करियर के कई प्रोजेक्ट इस शहर से जुड़े हैं, जैसे नीरज घायवान की फिल्म मसान, शो एस्केप लाइव और कालकूट। श्वेता ने कहा, यह शहर मुझे हमेशा बुलाता है। यहां के लोग, खाना और जो प्यार मिला है, उसके लिए मैं बार-बार आती हूं। उनके ट्रेनर त्रिदेव पांडे भी बनारस के हैं।

मिर्जापुर-द फिल्म के बारे में

मिर्जापुर - द फिल्म, मिर्जापुर सीरीज का सिनेमा वर्जन है, जिसमें कालीन भैया, गुड्डू पंडित और मुन्ना त्रिपाठी जैसे लोकप्रिय किरदारों पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। मिर्जापुर द फिल्म को लेकर प्रशंसकों में काफी उत्साह है। सीरीज में कंपाउंडर का रोल करने वाले अभिषेक बनर्जी भी फिल्म में लौट रहे हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं और इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहा है।

'हैवान' में नेगेटिव रोल में नजर आएंगे अक्षय कुमार

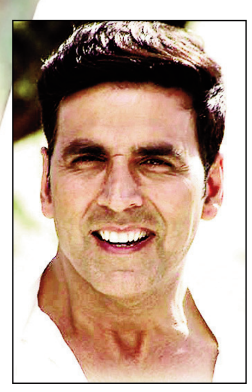

अक्षय कुमार फिक्की फ्रेम्स 2025 कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में उन्होंने साइबर क्राइम जैसी बातों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लंबी चर्चा की। इसी दौरान अपनी फिल्म 'हैवान' को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री से सलाह मांगी। साथ ही अपने किरदार का जिक्र भी कर दिया। अक्षय कुमार भी बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं, 'मुझे एक नेगेटिव रोल निभाने का मन था, इसलिए मैं 'हैवान' कर रहा हूं। ज्यादातर मैं फिल्म में हीरो के रोल ही निभाता हूं।' अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'हैवान' एक थ्रिलर मूवी है। इस फिल्म में 17 साल बाद सैफ अली खान और अक्षय कुमार साथ काम कर रहे हैं।

60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले के बाद शिल्पा शेट्टी ने सोशल मीडिया पर की बात

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा से 60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में पूछताछ जारी है। मंगलवार को एक्ट्रेस से आर्थिक अपराध शाखा ने चार घंटे तक पूछताछ की है। ये पूछताछ एक्ट्रेस के घर पर की गई, लेकिन अब लगता है कि इस मुश्किल समय में उन्होंने खुद पर संयम पाने का तरीका ढूंढ लिया है। उन्होंने फेमस मार्शल आर्टिस्ट ब्रूस ली का कोट शेयर किया है। शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है जिसमें वे इमोशनल वीकनेस की बात कर रही हैं। कोट में लिखा है, अगर आप हर बात पर भावनात्मक प्रतिक्रिया देते हैं, तो आप लगातार कष्ट झेलते रहेंगे। सच्ची शक्ति चुपचाप बैठकर तर्क के साथ चीज़ों को देखना है, यही सच्ची शक्ति संयम है। अगर शब्द आपको नियंत्रित करते हैं, तो इसका मतलब है कि बाकी सभी आपको नियंत्रित कर सकते हैंज सांस लें और चीज़ों को गुज़रने दें। कोट से साफ है कि एक्ट्रेस 60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले से काफी परेशान हैं, लेकिन धैर्य से मामले को संभालने की कोशिश कर रही हैं।
बता दें कि इस मामले में शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के अलावा और तीन लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। इससे पहले राज कुंद्रा का भी बयान दर्ज किया गया। शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा था कि एक्ट्रेस ने कंपनी का विस्तार करने के लिए 75 करोड़ का लोन लिया था लेकिन ब्याज की दरों को देखते हुए इसे निजी निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा। उन्होंने कोठारी को विश्वास दिलाया कि वे हर महीने ब्याज की रकम भरेंगी, लेकिन शिल्पा ने वो पैसे बिजनेस में न लगाकर निजी तौर पर खर्च किए और फिर बाद में कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया।
व्यवसायी दीपक कोठारी ने कई बार एक्ट्रेस से पैसे वापस देने की मांग की लेकिन कोई जवाब नहीं आया है और उन्होंने दंपति के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया। वर्क फ्रंट की बात करें तो शिल्पा डांस रियलिटी शो सुपर डांसर चैप्टर 5 में दिख रही हैं। शो के लेटेस्ट प्रोमो में उन्हें एक्टर मिथुन चक्रवर्ती के साथ डांस करते हुए देखा गया।

सारा खान ने की दूसरी शादी

एक्टर-प्रोड्यूसर कृष पाठक संग लिए सात फेरे

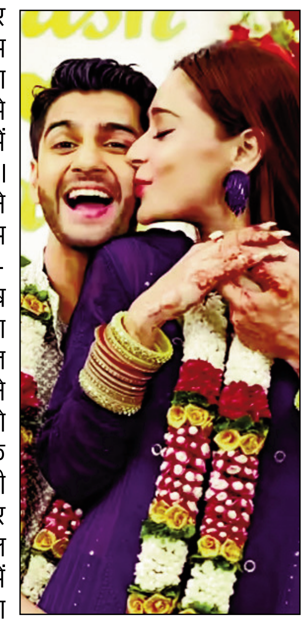

'बिदाई' और 'बिग बॉस' फेम एक्ट्रेस सारा खान फिर से शादी के बंधन में बंध गई हैं। एक्ट्रेस ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड एक्टर-प्रोड्यूसर कृष पाठक संग रजिस्टर्ड मैरिज की है। दोनों ने 6 अक्टूबर को करीबियों के बीच अपनी शादी को रजिस्टर किया है। कपल अब दिसंबर में ग्रैंड वेडिंग सेलिब्रेशन करेगा। सारा ने इंस्टाग्राम पर शादी की खुशखबरी शेयर करते हुए कृष संग कई तस्वीरें शेयर की हैं। साथ ही एक भावुक नोट पोस्ट किया है। सारा ने लिखा- 'दो आस्थाएं। एक स्क्रिप्ट। असीम प्रेम। सिग्नेचर हो गए हैं। कुबूल है से सात फेरे तक इस दिसंबर का इंतजार है। दो दिल, दो संस्कृतियां हमेशा के लिए एक हो गईं। हमारी प्रेम कहानी एक ऐसे मिलन का गढ़ कर रही है, जहां आस्थाएं मिलती हैं, विभाजित नहीं होतीं। जब प्यार ही हेडलाइन बन जाए तो बाकी सब कुछ एक खूबसूरत कहानी बन जाता है। इसलिए हमें अपना आशीर्वाद दीजिए क्योंकि यह यूनियन सभी के लिए है।
सारा और कृष की शादी पर फैंस और सेलेब्स खूब बधाई दे रहे हैं। हाल ही में शादी के बंधन में बालिका वधू फेम एक्ट्रेस अविका गौर ने सारा को बधाई दी है। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने लिखा- 'ओह माय गॉड। माई बेबी...बधाई।' इसकेअलावा कपल को एक्ट्रेस आशका गोराडिया, किश्वर मर्चेंट, गायक अभिजीत सावंत ने भी बधाई दी है। बता दें कि सारा ने इससे पहले अली मर्चेंट से बिग बॉस-4 के घर में शादी की थी। लेकिन शादी के दो महीने के अंदर ही दोनों ने तलाक ले लिया था। अली ने रियलिटी शो सच का सामना के एक एपिसोड में कहा कि उन्होंने पब्लिसिटी के लिए सारा से शादी की थी और उनसे शादी करना उनके जीवन की सबसे बड़ी गलती थी। साल 2023 में अली ने अपनी गर्लफ्रेंड अंदलीब जैदी से शादी कर ली थी।

इन अभिनेत्रियों ने जिम या रेड कार्पेट पर नहीं, बल्कि योगा मैट पर बनाई अपनी जगह

बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में, जहाँ हर जगह परफेक्शन की मांग होती है और हर किरदार दृढ़ता की परीक्षा लेता है, कुछ अभिनेत्रियाँ ऐसी हैं जिन्होंने अपनी जगह जिम या रेड कार्पेट पर नहीं, बल्कि योगा मैट पर बनाई है। इन सितारों के लिए योग सिर्फ फिटनेस नहीं, बल्कि एक दर्शन है, जो उन्हें शरीर और आत्मा, दोनों रूपों में मजबूत और संतुलित रखता है।

आलिया भट्ट

व्यस्त शूटिंग शेड्यूल और थका देने वाली दिनचर्या के बीच, आलिया भट्ट के लिए योग एक एंकर की तरह है। उन्हें एरियल योगा बेहद पसंद है, और वे अक्सर अपनी योग साधना की झलक सोशल मीडिया पर साझा करती हैं। आलिया की फिटनेस यात्रा उनकी जीवन दृष्टि को दर्शाती है, जिसमें लचीलापन, अनुशासन और संतुलन का समावेश है।

करीना कपूर

करीना कपूर खान की फिटनेस यात्रा उनकी फिल्मों जितनी ही प्रसिद्ध है। कभी साइज़ ज़ीरो ट्रेंड की पहचान रही करीना, अब माइंडफुल फिटनेस की मिसाल बन चुकी हैं। उनके लिए योग बाहरी रूप से सुंदर दिखने का नहीं, बल्कि मन, शरीर और सांस के संतुलन का माध्यम है।

मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा न केवल एक प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं, बल्कि प्रमाणित योग प्रशिक्षक भी हैं। उन्होंने अपना खुद का वेलनेस स्टूडियो स्थापित किया है और योग को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के समग्र मार्ग के रूप में प्रचारित करती हैं। उनके लिए योग केवल शरीर को नहीं, बल्कि मन को भी स्वस्थ रखने का साधन है। चाहे शिल्पा की शांति हो या आलिया की अनुशासन भरी लचक, निकिता की आत्मिक गहराई हो या मलाइका का समर्पण, इन बॉलीवुड देवियों ने साबित कर दिया है कि असली सुंदरता और ताकत भीतर की संतुलन से आती है।

शिल्पा शेट्टी

पिछले दो दशकों से शिल्पा शेट्टी सौम्यता, वेलनेस और आंतरिक शांति की प्रतीक रही हैं। अपनी किताबों, डीवीडीज़ और डिजिटल फिटनेस प्लेटफ़ॉर्म्स के ज़रिए उन्होंने योग को एक जीवनशैली का रूप दे दिया है। उनकी सुबहें सूर्य नमस्कार से शुरू होती हैं और दिन का अंत कृतज्ञता के साथ। यही दिनचर्या उन्हें शोबिज़ की भागदौड़ में भी शांत, संतुलित और दमकता हुआ बनाए रखती है।

निकिता दत्ता

नई पीढ़ी की अभिनेत्रियों में निकिता दत्ता अपनी शांत लेकिन दृढ़ योग साधना के लिए अलग पहचान रखती हैं। उनके सोशल मीडिया पर अक्सर शांत आसनों और मानसिक संतुलन पर उनके विचार दिखाई देते हैं। निकिता के लिए योग कोई प्रदर्शन नहीं, बल्कि आत्म-संवाद का एक पवित्र स्थान है, जहाँ वे बाहरी शोर से दूर होकर अपने भीतर की शांति से जुड़ती हैं। उनकी नियमितता और सहज ऊर्जा यह दर्शाती है कि कैसे योग का प्रभाव चमक-दमक से परे, जीवन को भीतर से निखारता है।

ठंड के व्यंजन

कंपकंपाती सर्दियों के साथ आता है, स्वाद का दौर। यह मौसम है ही ऐसा। ठंड में चटखारे लेने के लिए कई विकल्प मौजूद होते हैं। इन्हीं में से कुछ स्वादिष्ट विकल्प आपके लिए लेकर आए हैं हम, जिनमें शामिल हैं सूप, स्टार्टर, मुख्य भोजन का अंश और मीठा...

गाजर-मटर सूप

सामग्री

2बड़े गाजर, 1/2कप मटर, 1 प्याज़, 4-5 लहसुन की कलियां, 2 चम्मच दूध, 1 चम्मच किसा हुआ पनीर, 2 छोटे चम्मच मक्खन, स्वादानुसार नमक और काली मिर्च।

विधि

गाजर, मटर, प्याज़, लहसुन को आवश्यकतानुसार पानी के साथ कुकर में दो सीटी देकर पका लें। इसे कुछ देर ठंडा होने दें। उबली हुई सब्ज़ियों में पानी और दूध डालकर प्यूरी बना लें। इस प्यूरी को धीमी आंच पर पकने रख दें। परोसने से पहले इसमें नमक और काली मिर्च मिला लें। चाहें तो ऊपर से किसा हुआ पनीर डालकर सजा भी सकते हैं।

पालक बादाम टिक्की

सामग्री

1 कटोरी बारीक़ कटी पालक, 2चम्मच बादाम का चूरा, 2 चम्मच किसा हुआ पनीर, 2 उबले मसले आलू, 1/2 कटोरी ब्रेड का चूरा, 1/2 चम्मच चाट मसाला, 1/2 चम्मच ग्रीन चिली सॉस, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार।

विधि

तेल के अलावा सभी चीज़ों को एक बड़े बोल में मिलाएं। इस मिश्रण से एक ही आकर की टिक्कियां बना लें। हर टिक्की के ऊपर बादाम लगा लें। अगर टिक्कियां फैल रही हों, तो थोड़े-से कॉर्नफ्लोर का इस्तेमाल कर सकते हैं। गर्म तेल में टिक्कियों को सुनहरा होने तक तल लें। चिली सॉस के साथ परोसें।

मेथी थेपला

सामग्री

2 कटोरी गेहूं का आटा, 1/2 कटोरी बाजरे का आटा, 1/2 कटोरी बेसन, 1/4 चम्मच हल्दी,1/2 चम्मच लाल मिर्च, 1/2चम्मच जीरा पाउडर, 2 बारीक़ कटी हरी मिर्च, 7-8 लहसुन की कलियों का पेस्ट, 2 कटोरी बारीक़ कटी मेथी।

विधि

बेसन, बाजरे और गेहूं के आटे को एक साथ मिलाएं। फिर इसमें नमक, हल्दी, लाल मिर्च, जीरा पाउडर, हरी मिर्च, लहसुन का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इसमें मेथी मिला लें। 2-3 चम्मच तेल डालकर पानी की मदद से आटा गूंध लें। अब छोटी-छोटी लोई बनाकर बेलें। ध्यान रहे, ये रोटियां एकदम पतली होनी चाहिए। अब इन्हें पराठे की तरह सेंकें। तैयार थेपलों को हरी चटनी या दही के साथ सर्व करें।

ठंड में बच्चा न हो पस्त

अचानक मौसम परिवर्तन का असर सभी पर होता और इससे छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सर्दी, जुकाम और गले में इंफेक्शन के अलावा छोटे बच्चों को ये परेशानियां सबसे ज्यादा होती हैं -

रोटा वायरल डायरिया - इसमें बच्चे को दस्त, उल्टी और बुखार एक साथ होता है। बच्चे के शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है और बुखार के कारण वह सुस्त और चिड़चिड़ा हो जाता है। बच्चा कभी-कभी बहुत कमजोर भी हो जाता है। एलर्जी और अस्थमा - इस मौसम में बच्चों को सांस संबंधी परेशानी भी होती है। बंद नाक और गले में जकड़न के साथ नाक और आंख से पानी भी गिरता रहता है। तेज हवा और प्रदूषण से सांस लेने में दिक्कत आने लगती है।

आंखों में इंफेक्शन - इस मौसम में आंखों में भी इंफेक्शन होने लगता है। आंखों की पलकें रात में चिपक जाती हैं और सुबह बच्चे को आंख खोलने में परेशानी होती है। त्वचा में लाल दाने - सर्दी में त्वचा में रैशेज और दाने की समस्या प्राय: छोटे बच्चों में हो जाती है। इसका कारण एलर्जी और हार्मोन में बदलाव के साथ ठंडी हवा भी है। निमोनिया - यह ठंड के मौसम में बच्चों को होने वाली सबसे आम समस्या है। इसमें बच्चे को तेज बुखार होता है और साथ ही उसका सिर बहुत गर्म रहता है। कभी-कभी बच्चे के लंग्स में भी दिक्कत हो जाती हैं।

क्या है कारण

ठंड में प्रतिरोधक क्षमता का कम होना - सर्दी के मौसम में बच्चों के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता सामान्य दिनों से कम हो जाती है। इसलिए किसी भी प्रकार का मौसम परिवर्तन का असर तुरंत बच्चे पर पड़ता है। बड़ों की लापरवाही - अ सर बड़े बच्चों को ठंड के मौसम में आलस के कारण हाथ धोए बिना ही गोद में उठा लेते हैं। ठंडे हाथ भी उन्हें लगाते हैं। कीटाणु का ध्यान नहीं रखते। इस वजह से उन्हें इंफे शन का खतरा बढ़ता है। किसी भी चीज को मुंह में लेना - अक्सर बच्चे कलम के कैप या नीचे गिरी हुई चीजों को मुंह में लेते हैं जिससे उन्हें पेट में दर्द या दस्त की समस्या हो जाती है। नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखना - आम मौसम की अपेक्षा ठंड में बच्चे ज्यादा पेशाब करते हैं। अगर नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखा जाए तो बच्चों को न केवल ठंड लग जाती है बल्कि उनके शरीर के आंतरिक हिस्से में सूजन और इंफेक्शन भी हो सकता है। कमरे के तापमान का ध्यान न रखना - ठंड में बच्चे को अधिक गर्म कमरे में ना रखें। कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए। अधिक गर्म वातावरण से अगर बच्चा सामान्य तापमान में जाता है तो उसे तुरंत सर्दी असर करती है।

कैसे करें बचाव

सफाई का रखें ध्यान - धूल, धुएं और गंदगी से छोटे बच्चों को दूर रखें। इससे उन्हे सांस की समस्या के साथ दस्त भी हो सकती है। घर की सफाई का पूरा ध्यान रखें। नहलाना कम करे - रोज नहलाने के बजाय हर दूसरे दिन छोटे बच्चों को गर्म पानी में सॉफ़्ट एंटीबैक्टीरियल लिक्विड डालकर उसमें नर्म तौलिया भिगोकर उनका शरीर साफ कर दें। गर्म कपड़े पहनाएं - जैसे ही मौसम बदले, बच्चे को गर्म कपड़े पहनाना शुरू कर दें। हल्की ठंड को नजर अंदाज ना करें और बच्चे को हमेशा मोजे पहना कर रखें। मालिश के लिए गर्म तेल का प्रयोग करें - यूं तो मालिश बहुत जरूरी नहीं है, लेकिन यदि आप मालिश कर रही हैं तो इसके लिए गर्म तेल का प्रयोग करें। संभव हो तो थोड़ी देर धूप में रखे - अगर आपके घर में धूप आती हो तो बच्चे को गर्म कपड़े पहना कर थोड़ी देर के लिए धूप में रखें। उसे ताजी हवा और विटामिन डी दोनों मिलेंगे। ठंडी चीजें खाने को न दें - अगर आपका बच्चा 7 माह से अधिक का है और वह खाना खाता है, तो उसे ठंडी चीजें न खिलाएं और साथ ही उसे बासी खाना या ठंडा खाना भी न दें। बेहतर क्वालिटी के स्वेटर पहनाएं - स्वेटर हमेशा अच्छी क्वालिटी का पहनाएं, योंकि वूलन से कभी-कभी त्वचा में एलर्जी हो जाती है।

खूबसूरती के लिए..

आज जहां बाज़ार में प्रतिदिन नए सौंदर्य प्रसाधन और नई तकनीक आ रही है, वहीं त्वचा से सम्बन्धी समस्याओं की सूची भी कुछ कम नहीं हैं। हम सभी चाहते हैं बेदाग और खिली-खिली त्वचा। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा हमेशा ऐसी ही दिखे तो इसके लिए आपको अपनी त्वचा का ख्याल रखना होगा। त्वचा में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का इलाज जितनी जल्दी हो करा लें, फिर चाहे आंखों के नीचे काले घेरे हों या स्ट्रैच मार्क।

उम्र के साथ झुर्रियों का पड़ना भी आम है, लेकिन अगर समय से पहले आपके चेहरे पर झुर्रियां पड़ रही हैं या आपका सौंदर्य प्रभावित हो रहा है तो इसे अस्वीकार करें और इसका समाधान निकालें। स्ट्रैच मार्क, आंखों के नीचे काले घेरे या एक्ने जैसी समस्या से हालांकि किसी प्रकार की पीड़ा नहीं होती ना ही यह खतरनाक होते हैं। लेकिन इनसे साइकालाजिकल समस्याएं भी हो सकती हैं क्योंकि इनसे होने वाले तनाव भी कुछ कम नहीं होते। आज ऐसी समस्याओं को स्वीकार कर लेना कोई समाधान नहीं बल्कि चिकित्सा के तरीके अपनाना अच्छा है। कार्बोक्सीथेरेपी जैसी नयी तकनीक से ऐसी समस्याओं का इलाज बहुत आसानी से सम्भव हो पाया है। अपनी त्वचा का ख्याल रख आप स्वस्थ त्वचा तो पा ही सकते हैं, साथ ही आकर्षण का पात्र भी बन सकते हैं।

दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल के कास्मेटिक सर्जन के अनुसार कार्बोक्सीथेरेपी स्ट्रैच मार्क, सेल्युलाइट और आंखों के नीचे काले घेरों से बचने का सरल और सस्ता उपाय है। इस चिकित्सा के दौरान त्वचा में कार्बनडाइआक्साइड का इंजेक्शन लगाया जाता है, जिससे नई रक्त कोशिकायें बनती हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि अगर इसे सेप्टिक तरीके से किया जाये तो इससे किसी भी प्रकार के अतिरिक्त प्रभाव नहीं होते। इस चिकित्सा में आने वाले एक सिटिंग का खर्च सिर्फ 3000 से 4000 रूपये तक का है। स्ट्रैच मार्क अकसर गर्भावस्था के बाद या किशोरावस्था के दौरान होते हैं और ऐसा त्वचा के खिंचाव के कारण होता है। कार्बोक्सीथेरेपी का प्रयोग सेल्युलाइट्स से बचाव के लिए भी किया जाता है। जहां पहले स्ट्रैच मार्कस हटाने के लिए लेज़र तकनीक का प्रयोग होता था, वहीं आज कार्बोक्सीथेरेपी जैसी नान सर्जिकल प्रक्रिया का प्रयोग हो रहा है जो कि बहुत सुरक्षित है। गृहणी रेशमा अपने 2 हफ्ते के बच्चे के साथ बहुत खुश हैं, लेकिन जब वो अपने शरीर पर पड़े स्ट्रैच मार्कस देखती हैं, तो वो दुखी हो जाती हैं। पाश्चात्य कपड़े पहनना उनका शौक है, लेकिन अब इन स्ट्रैच मार्कस को छिपाने के लिए उन्होंने पाश्चात्य कपड़े पहनना भी छोड़ दिया है। पिछले कई दिनों से वो अपने मित्रों से और इंटरनेट पर इस समस्या का समाधान ढूढने में लगी हैं, लेकिन वो अब तक सफल नहीं हो पाई हैं । हालांकि स्ट्रैच मार्क से उन्हें कोई समस्या नहीं, लेकिन उन्हें लगने लगा है कि उनका सौंदर्य खो रहा है। नई दिल्ली के न्यू लुक कास्मेटिक लेज़र क्लीनिक में कार्यरत वरिष्ठ कास्मेटिक सर्जन डा प्रीतम पंकज के अनुसार भारत में अधिकतर लोग सेल्युलाइट रिडक्शन और स्ट्रैच मार्क के इलाज के लिए कार्बोक्सीथेरेपी को पसंद कर रहे हैं। यह चिकित्सा बहुत ही सुरक्षित है और कम समय लेने वाली है इसलिए आफिस जाने वाले लोग भी आसानी से इसका लाभ उठा सकते है। इस चिकित्सा की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें किसी प्रकार का दर्द नहीं होता। सावधानी के तौर पर आपको सिटिंग के 4-5 घंटों बाद तक नहाना नहीं चाहिए और ना ही स्वीमिंग पूल में उतरना चाहिए। निशान, एक्ने और स्ट्रैच मार्क से बचने का यह ए क आसान और कारगर उपाय है।

आपको भी परेशान करते हैं चेहरे के मुँहासे

जब लड़कियां युवावस्था में कदम रखती हैं तो जैसे-जैसे उनके अंगों का विकास होता जाता है वैसे-वैसे उन्हें कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। इन परेशानियों में कुछ अंदरूनी होती हैं तो कुछ बाहरी। अंदरूनी परेशानी तो लड़कियां किसी प्रकार सहन कर जाती हैं लेकिन बाहरी परेशानियों को लेकर उनमें संकोच का भाव उत्पन्न होता है। बाहरी परेशानियों में सबसे प्रमुख है मुंहासों की समस्या।

लड़कियां मुंहासों को लेकर काफी चिंतामग्न रहती हैं और सखी-सहेलियों के बीच जाने में शर्म महसूस करती हैं और इनको मिटाने के लिए नित नए-नए समाधान तलाशती रहती हैं जिससे कई बार परेशानी बढ़ जाती है। मुंहासे त्वचा के साफ न रहने के कारण या फिर उसके अधिक तैलीय होने के कारण होते हैं। बाजार में उपलब्ध विभिन्न प्रसाधनों को अपनाने की बजाय यदि लड़कियां निम्न बातों का ख्याल रखें तो उन्हें मुंहासों की समस्या से निजात मिल सकती है-

- पेट साफ रखें। कब्ज न हो इसके लिए हर रोज सुबह एक गिलास नींबू पानी जरूर लें।
- तली-भुनी व मिर्च मसालेदार चीजों के सेवन से बचें।
- मेकअप प्रसाधनों का प्रयोग कम से कम करें।
- खूब पानी पीएं।
- सप्ताह में दो बार चेहरे पर फेसपैक व एक बार फेसस्क्रब लगाएं। इससे त्वचा साफ व स्वस्थ रहेगी।
- जब तक मुंहासे हों, त्वचा पर मेडिकेटिड साबुन का प्रयोग करें।
- खीरे या टमाटर के टुकड़े मलने से भी मुंहासे कम हो जाते हैं।
- त्वचा को धूल-मिट्टी से बचाएं।
- मुंहासों को कभी फोड़े नहीं। इससे मुंहासे फैल जाएंगे।
- चेहरे को हरदम साफ व स्वच्छ रखें। चेहरे पर चिकनाहट न आने दें।
- मुंहासों वाली त्वचा पर फेशल, ब्लीचिंग व भाप आदि न लें।
- मुंहासों वाली त्वचा को साफ व स्वच्छ तौलिए से ही साफ करें।

मुंहासों की समस्या से निजात पाने के साथ ही यदि पूरे शरीर का भी ख्याल रखा जाए तो आपको युवावस्था के दौरान होने वाली कई परेशानियों से एक साथ छुटकारा मिल सकता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आप निम्न उपाय अपना सकती हैं-

- नियमित रूप से सुबह ताजी हवा में तेज-तेज चलें। इससे शरीर में रक्त का संचार ठीक होगा।
- शाम को भी आधा घंटा पैदल सैर जरूर करें।
- साइकिलिंग, तैराकी व रस्सी कूदना आदि भी यदि संभव हो तो जरूर करें।
- कुछ हल्की-फुल्की एक्सरसाइज भी करें। इससे शरीर में स्फूर्ति व लचीलापन आएगा।
- खानपान में फास्टफूड कम से कम लें।
- पौष्टिक व संतुलित आहार लें।
- भोजन में ताजे फलों का रस, सलाद, हरी पत्तेदार सब्जियों का सूप, दूध व दूध से बनी चीजों का सेवन अधिक करें।
- चाय व कॉफी निश्चित मात्रा में लें।
- धूम्रपान व अलकोहल के सेवन से बचें।
- तनावमुक्त रहें।
- कम से कम आठ-नौ घंटे की नींद जरूर लें।